हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 मार्च, 1992

खण्ड–1, अंक–9

अधिकृत विवरण

विशत सूची

मंगलवार 24 मार्च, 1992

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(9)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)4
नियम 45 के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(9)24

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)26
वक्तव्य– सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा जींद में श्री अजीत सिंह, कनिश्ठ अभियन्ता एम0 आई0 टी0 सी0 की मृत्यु सम्बन्धी	(9)35
वि ोशाधिकार भंग का प्र न	(9)37
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(9)40
वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)	(9)42
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री द्वारा	(9)46
वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)	(9)47
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री किताब सिह द्वारा	(9)55
समितियो की रिर्पोट्स पे ा करना– (i) पब्लिक अकाउन्ट्स कमेटी की 33वीं तथा 34वी रिर्पोट्स (ii) कमेटी औन गवर्नमैंट अ योरैंसिज की 23वीं	(9)56 (9)57

रिपोर्ट	
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान	(9)57
वयैक्तिक स्पश्टीकरण– (i) श्री अमर सिंह द्वारा (ii) प्रो0 सम्पत सिंह द्वारा	 (9)79 (9)80
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)81
वयैक्तिक स्पश्टीकरण– प्रो0 सम्पत सिंह द्वारा	 (9)85
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)85
बैठक का समय बढाना	(9)87
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)87
वाक आउट	(9)95

वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)96
बैठक का समय बढाना	(9)97
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)97
वयैक्तिक स्पश्टीकरण– श्री औम प्रका ा जिन्दल द्वारा	(9)98
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)98
बैठक का समय बढाना	(9)101
वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(9)102

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 24 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 09.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्टर साहब, अब औबीचुअरी रैजोल्यु ान प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सदन लोक सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लो के 23 मार्च, 1992 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लो का जन्म 6 अगस्त, 1915 को हुआ। वे वर्श 1952 में पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये तथा 1952 से 1954 तक पंजाब विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे। वे 1954 से 1962 तक पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष रहे। वे 1965–66 में पंजाब मंत्रिमण्डल में मंत्री रहे। वे 1967 से 1977 तक दो बार लोक सभा के सदस्य तथा वर्श 1969 से 1975 तक लोक सभा के अध्यक्ष पद पर रहे। इसके प चात् वे 1975 से 1977 तक भारत सरकार में केन्द्रीय परिवहन तथा जहाजरानी मंत्री भी रहे। इसके अलावा वे केन्द्रीय कृशि मंत्री भी रहे। उन्होने स्वतंत्रता संग्राम में

भी बडा योगदान दिया और जैल यात्राएं भी की। वे वर्श 1980 से 1982तक कनाडा में भारत के हाई कमि नर रहे। वे विभिन्न धर्मिक, सांस्कृतिक तथा खेलकुद संस्थाओ के सदस्य थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एक और भाोक प्रस्ताव भी मै आपकी सेवा में पे ा करना चाहता हूं। इसी सदन के एक माननीय सदस्य कंवर राम पाल सिंह की पत्नी श्रीमती निर्मला देवी का कल अचानक स्वर्गवास हो गया है मै उनके प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और हाउस से यह कहूंगा कि इन दोनो दिवंगत महानुभावो के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने की कृपा करें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आज सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करता हूं। सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लो एक बडे ही अनुभवी पार्लियामैंटेरियन रहे है। वे पंजाब विधान सभा में मंत्री के रुप में रहे। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के रुप में भी रहे है। इसी तरह से पार्लियामैंट मे जाने के बाद सेंटर की राजनीति में भी उनका काफी योगदान रहा है। सैंटर में वे वजीर भी रहे ओर बहुत लम्बे पीरियड तक स्पीकर भी रहे है। ऐसे महानुभाव के जाने से दे ा को आजाद करवाने

वालो की कमी हो गयी है। दे ा को आजाद करवाने में भी उनका बडा योगदान रहा है। वे स्वतंत्रता सेनानी थे। उनके जाने से दे ा एक बहुत बडे दे ाभक्त की सेवाओ से वंचित हो गया है। मै उनके परिवार के प्रति अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसके अलावा हमारे साथी कंवर राम पाल सिंह की धर्म पत्नी का जो कल निधन हुआ है, हमें उसका भी बहुत दुःख है। हम परमात्मा से प्रार्थना करते है कि वे इन्हे इस दुख को सहन की भाक्ति दे। हम इनके इस दुख में इनके साथ है। अन्त में मै इन दोनो प्रस्तावो का समर्थन करता हूं।

श्री बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, आज बडे दुख के साथ सुबह मैने अखबार में पढा कि सरदार गुरदयाल ढिल्लो का स्वर्गवास हो गया है। श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लो एक बहुत बडे स्वतंत्रता सेनानी और दे ाभक्त थे। वे इस दे ा के एक महान सपुत थे। अध्यक्ष महोदय, 1952 से लेकर आज से साल डेढ साल पहले तक वे किसी न किसी सदन में विधान सभा में या लोक सभा में रहे। वे पंजाब विधान सभा में उपाध्यक्ष भी रहे और अध्यक्ष भी रहे। पंजाब में मंत्री भी रहे और इसके बाद वे दिल्ली में करीब 7 साल तक लोक सभा के अध्यक्ष भी रहे। मुझे भी उनके साथ काम करने का मौका मिला। 1975 से 1977 तक ढिल्लो साहब और मै दिल्ली की सरकार में एक ही कैबिनेट में मंत्री भी रहे। वे इतने भील स्वभाव के और इतने अच्छे व्यक्ति थे कि

उनकी जितनी प्र ांस की जाए वह थोडी है। वे एक बहुत ही सुलझे हुए और नेक इंसान थे। उनके स्वर्गवास से दे ा ने एक बहुत बडा और महान स्वतंत्रता सेनानी खो दिया है जिसकी पूर्ति नही हो सकती। हमारे स्वतंत्रता सेनानी एक एक करके हमसे बिछुड रहे है और पंजाब के लिए तो वे एक बहुत बडी हस्ती थे। उनके चले जाने का हमें बहुत दुख है। मै उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, श्री राम पाल जी की धर्मपत्नी का भी स्वर्गवास हो गया है। यह बहुत ही अफसोस की बात है। मै उनके प्रति तथा उनके परिवार के प्रति भी संवेदना प्रकट करता हू।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): स्पीकर साहब, हाउस के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै अपने आपको उसमें भाामिल करती हू और इन दुखी परिवारो को अपनी सहानूभूति भेजती हू। स्पीकर साहब, हम श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लो के साथ पंजाब में एम0 एल0 ए0 थे और जैसा कि चौधरी भजन लाल और चौधरी बंसी लाल ने कहा है सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लो की जितनी प्र ांस की जाए, वह थोडी है। स्पीकर साहब, वे बहुत ईमानदार और दे ाभक्त थे। हमें उनके निधन का आज बहुत ही अफसोस है। मै नही समझती कि हम किन भाब्दो में उनके परिवार को सहानुभूति भेजे। पंजाब ने और भारत ने एक ऐसे सपूत को ऐसे वक्त में खो दिया है जिस वक्त उनकी सब से ज्यादा जरुरत थी। वे अपनी बात को बहुत ही निधडक तरीके से कहते थे लेकिन

बहुत ही नम्र भाब्दो में कहते थे। वे बहुत ही विनोदप्रिय व्यक्ति थे। मुझे उनके निधन का बहुत ही दुख है।

अध्यक्ष महोदय, श्री रामपाल सिंह जी की पत्नी का भी स्वर्गवास हो गया है। इसका भी मुझे बहुत ही अफसोस है। मै भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वे इनके परिवारो को इस महान दुख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करे। स्पीकर साहब, मै अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से इनके परिवारो के इस दुख में सहानुभूति भेजती हूं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा(महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, आज जो सदन के नेता ने भाोक प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लो आजादी से पहले भारत की स्वतंत्रता के लिए लडने वाले एक सेनानी थे और आजदी के बाद जो डैमोक्रटिक फार्म आफ गवर्नमैंट इस दे ा ने अपनाई, उसमें कई जिम्मेदार स्थानो पर उन्होने काम किया और केवल काम ही नही किया बल्कि बडी प्रतिभा के साथ काम किया। भारत के सदन में उन्होने कई वर्श तक अध्यक्ष पद का संचालन किया और संचालन के साथ–साथ भारत के इतिहास में उन्होने एक छाप छोडी। वे संसद को बडी भाालीनता और बडी गरीमा के साथ चलाते थे। हमने कई बार देखा है कि जो आजकल के राजनीतिज्ञ है वे अपनी लीक से हट जाते है लेकिन सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लो कभी भी अपनी लीक से नही हटते थे। वे एक राश्ट्रवादी नेता थे। उनके उठ जाने से

राश्ट्र ने एक राश्ट्रवादी और गांधीयन नेता खो दिया है और खासतौर से उत्तरी भारत ने एक ऐसे नेता को खो दिया है जिसकी पूर्ति होनी बहुत मु कल है।

अध्यक्ष महोदय, श्री रामपाल सिंह जी की पत्नी का भी स्वर्गवास हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मौत जिंदगी की सबसे बडी सच्चाई है। दुनिया में जो एक नि चत चीज है, वह मौत है। श्री रामपाल सिंह जी की अध्ग्नि के देहावसान का हमें बहुत ही दु:ख है। मै उनके दु:ख में भाामिल होता हू ओर अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इस प्रस्ताव का समर्थन करता हू।

श्री सूरजीत कुमार धीमान (नारायणगढ): स्पीकर साहब, मै अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हूॅ और सरदार गुरदयाल सिंह जी के निधन पर गहरा भाोक व्यक्त करता हूं। इसी प्रकार से कंवर रामपाल सिंह जी की धर्मपत्नी के दुखद निधन पर भी अपना गहरा भाोक व्यक्त करता हूं व ई वर से प्रार्थना करता हूं कि इनके परिवारो को यह दुख सहन करने की भाक्ति प्रदान करे। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, बडे ही दुख की बात है कि कल सरदार गुरदयाल सिंह जी ढिल्लो जोकि पंजाब असैम्बली के स्पीकर भी रहे, पंजाब युनिवर्सिटी के लगभग 30 सालो तक सीनेट के मैम्बर भी रहे व हमारी पार्लियामैंट के एम0 पी0 और स्पीकर, भारत सरकार के मिनिस्टर और केनाडा में भारत के हाई

कमि नर जैसे बहुत से बडे बडे औहदो पर विराजमान रहे, का दु:खद निधन हो गया। उनके निधन पर मै भी सारे हाउस के साथ अपने आपको ऐसोसिएट करता हू।

इसी तरह से कंवर राम पाल सिंह जी की पत्नी का कल अचानक हार्ट फेल होने से निधन हो गया जिसका हमें बेहद दुख है। मै सदस्त सदन की तरफ से इन दिवंगत के परिवारो को आप सबकी ओर से कंडोल्ंस मैसेज भेज दूंगा।

अब मै आप से से यह प्रार्थना करुंगा कि इनके सम्मान में खडे होकर दो मिनट का मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत महानुभावो के सम्मान में सदन के सदस्यो ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Gagataheri-Popra Water Supply Scheme

***132. Shri Ram Kumar Katwal:** Will the Minister for Public Health be pleased to state the reasons for which the water of Gagataheri-Popra water supply scheme in District Jind does not reach its adjacent villages connected with the main water works?

Public Health Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Water is supplied to all the villages covered under Kaul group with water works as Gagataheri.

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का क्लीयर उतर मंत्री महोदय ने नही दिया है। मे उनसे यह जानना चाहता हूं कि जिला जींद में गगाटहेडी–पापेडा जल प्रदाय योजना का पानी मुख्य वाटर वर्कस से जुडे आस पास के गावों तक न पहुंचने के क्या कारण है, क्योंकि साथ लगते गावों मे एक बूंद भी पानी की नही पहूंच रही है?

चौधरी जगदी ा नेहराः सर, पहले कैनाल वाटर वर्कस की स्कीम थी। उसके बाद टयूबवैल्ज की स्कीम बनी। उस में चार गांव आते थे और अब दो गांव ओर जोड दिए गये है। वहां पर एक टयूबवैल और लगा रहे है और वह टयूबवैल थोडे दिनो में चालू हो जाएगा। उसके बाद इनके हल्के के आस पास के जो गांव है उनकी सारी प्रोब्लमज् हल हो जाएंगी।

Construction of Roads

***220. Chaudhri Balwant Singh Maina:** Will the Chief Minister be pleasedto state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads of District Rohtak:-

1 From Ismaila to Village Arayal;

2 from Ismails to Kultana;

3 from Khairawar to Dimana;

4 from Gari to Markheri; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likelty to be constructed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) तथा (ख) 1 जिला रोहतक में एक गांव अटैल नाम से जाना जाता है परन्तु अरायल नाम से कोई गांव नही है इस लिंका को पक्का बनाने का कोई प्रस्ताव नही है। अतः इसको पूरा करने के समय का प्र न ही नही उठता।

2 जी हां। इसके निर्माण के बारे अगले वर्श में विचार किया जाएगा।

3 जिला रोहतक में दिवाना नाम का एक गांव है न कि दिमाना। इस लिंक को बनाने का प्रस्ताव है, जो कि अगले वर्श में पूरा किया जायेगा।

4 जी नही।

चौधरी बलवंत सिंह मनाः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जिला रोहतक में अरायल नाम का कोई गांव नही है बल्कि अटैल नामक एक गांव है। मैने भी अटैल गांव ही लिखा था, यह छपने में गलती हो गई होगी।

श्री अध्यक्षः आपने ओरिजनल कवै चन में अरायल ही लिखा था।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः इसी तरह से मैने अपने सवाल में दिवाना गांव के बारे में पूछा था और उसको दिमाना लिख दिया गया।

श्री अध्यक्षः आपने ओरिजनल सवाल मे दिमाना ही लिखा था, इसको आपको चैक करना चाहिए था। आप जो पूछना चाहते है वह पूछें।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः मैने जव यह सवाल आपके अंडर सैक्रेटरी का दिया था, तो उसमे दिवाना ही लिखा था। खैर मै जानना चाहता हूं कि खैराबर से दिवाना तक की सडक को कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी अभी बताया कि जो गांव अटैल नाम से जाना जाता है यह गांव सडक से जुडा हुआ है। दोहरी सडक बनाने का प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन नही है। दूसरी सडक के बारे में मैने बताया कि जी हां, इसके निर्माण के बारे अगले वर्श में विचार किया जाएगा। तीसरी सडक के बारे मैने जवाब दिया था कि दिवाना नाम का एक गांव है न कि दिमाना। इस लिंक को बनाने का प्रस्ताव है, जोकि अगले वर्श मे पूरा किया जाएगा।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में मटलोडा से छेरा गांव तक का पांच किलोमीटर सडक का टुकडा है। पूर्व

सरकार ने उस पर मिट्टी और रोडी डला दी थी, उसको कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का मेन सवाल से कोई ताल्लुक नही है लेकिन मै इतना कह सकता हूं कि जिस सडक पर अर्थ वर्क हो चुका है, रोडी और रेत पड चुकी है, उस सडक को हम सब से पहले टेक अप करेंगे।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि इस्माइला से कुलताना सडक के निर्माण के लिए अगले साल विचार किया जाएगा। क्या ये बताएंगे कि इस पर कितनी रा ि ा लगनी है और क्या अब तक इस पर अर्थ वर्क हुआ है या नही?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 1990 मे यह सडक मंजूर हुई थी। पिछली सरकार ने इसको मन्जूर तो कर दिया लेकिन पैसा नही दिया। यह पांच किलोमीटर लंबी सडक है और इसको बनाने पर 25 लाख रुपया खर्च आएगा। इसके आधे किलोमीटर पर काम हुआ है और बाकी का काम करने के लिए अगले साल विचार करेंगे।

श्री दरियाब सिंह राजोराः स्पीकर साहब, झज्जर फारुखनगर सडक के बारे में मैने एस0 डी0 एम0 को दर्खास्त दी थी कि इस सडक के 16, 17 और 18 किलामीटर पर एक साइड में पत्थर उखाडा गया है और दूसरी साइड पर उसी प्रकार

कारपैट कर दी गई है और पत्थर दबा दिया गया है। कागजो में दोनो साइड पर पत्थर उखाड कर नया लगाया दिखाया गया है।

श्री अध्यक्षः अब सवाल पूछें।

श्री दरियाब सिंह राजोराः स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हूं कि कागजो में जो दिखाया जाता है, उसको असल में कब तक पूरा करेंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य पता नही क्या पूछना चाहते है। ये खुद तो कंफयूज है ही, दूसरो को भी कंफयूज करना चाहते है। मै इतना तो कह सकता हूं कि माननीय सदस्य पिछली सरकार की बात तो कह सकते है जिसने अपने चार साल के टाईम में हरियाणा प्रदे ा के अन्दर किसी भी सडक को बनाने के लिए एक भी पैसा नही खर्च किया। किसी भी सडक की मुरम्मत के लिए रोडी तक नही लगाई। इस सरकार ने बनते ही सबसे पहले यह फैसला लिया कि हरियाणा प्रदे ा की हर सडक की मुरम्मत करके 31 मार्च तक नई जैसी बना देंगे और सडको की मुरम्मत करने का काम चालू है। आने वाले एक सप्ताह के बाद हरियाणा प्रदे ा की ऐसी कोई सडक नही मिलेगी जिसकी मुरम्मत नही हुई होगी। इस साल में भी हमने हरियाणा प्रदे ा के अन्दर 162 किलोमीटर लम्बी नई सडके बनाई है। अगले साल भी हम नई सडके बनाने का काम टेक अप करेंगे। जब मै पहले मुख्य मंत्री था उस समय मैने हरियाणा प्रदे ा के हर गांव को सडक के

साथ जोडने का फैसला किया था और मैने हर गांव को सडक के साथ जोडा। जिस गांव में बहुत दूर से रास्ता काट कर आना पडता हो या किसी गांव के बीच में दूसरे गांव तक कोई थोडा गैप रह गया हो, उनको हम अगले साल पूरा करैगे। जो बडे बडे गांव है, उनमें भी सडके बनाना जरुरी है। इसलिए हम उनमें भी अगले साल सडके बनाने का काम टेकअप करेंगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हरियाणा प्रदे ा का हर गांव सडक से जुडा हुआ है। मै मुख्य मंत्रीजी का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि मेरे हल्के के गांव बौंद खुर्द में 1068 वोटर है और उससे दो किलोमीटर दूर गांव बौंद कलां है। बौंद खुर्द की आबादी लगभग 3 हजार है। बौंद खुर्द गांव सडक से जुडा हुआ नही है जबकि बौंद खुर्द रेवेन्यू ऐस्टेट है। मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उन दोनो गावो को सडक से जोडने का सरकार का कोई इरादा है? इसके साथ साथ मै एक सवाल और पूछना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी बार बार कहते है कि 31 मार्च तक हरियाणा प्रदे ा की सारी सडको की मुरम्मत कर दी जाएगी। मै कल ही अपने हल्के से आया हूं। मेरे हल्के मुंढाल खुर्द में लगभग 20 सडके है, उनमे से केवल एक सडक पर मुरम्मत का काम अव य चल रहा है लेकिन बाकी 19 सडको पर मुरम्मत का काम नही हो रहा है। क्या मुख्य मंत्री जी के पास ऐसा

कोई अलादीन का चिराग है कि ये 31 मार्च तक सडको की मुरम्मत का काम करा देंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने अपने हल्के के एक गांव का जिक्र किया और उस गांव में 1068 वोटर भी बताए है और उसकी आबादी तीन हजार के करीब बताई है। मै इनको बताना चाहूंगा कि या तो वह गांव बेचिराग है या रेवेन्यू ऐस्टेट नही है। अगर वह गांव रेवेन्यू ऐस्टेट है तो वह जरुर पक्की सडक से जुडा होगा। ऐसा हो नही सकता कि वह गांव सडक से न जुडा हो। जिस समय मै पहले मुख्य मंत्री था, उस समय हरियाणा प्रदे ा के 250 की आबादी वाले सभी गावो को सडक से जोड दिया गया था। ऐसी बात नही है कि उस समय 250 से ऊपर की आबादी के गावो को सडक से न जोडा गया हो। मुझे यह नही पता कि जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बने तो वह उस सडक को उठा कर कहां ले गए। माननीय सदस्य भिवानी जिले के है और चौधरी बंसी लाल जी की पार्टी के है, ये उनसे पूछ ले। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अगर उन दोनो गावों को सडक से नही जोडा हुआ है तो उस सडक को अप्रैल महीने से भाुरु करके तीन महीने के अन्दर अन्दर बना देंगे। इसके अलावा माननीय सदस्य ने अपने हलके को 20 सडको मे से केवल एक ही सडक पर मुरम्मत का काम हो रहा बताया है और यह कहा है कि बाकी सडको पर काम नही हो रहा है। मै इनको बताना चाहूंगा कि अगर वहां पर एक ही सडक टूटी हुई है तो

उस पर ही मुरम्मत का काम होगा बाकी सडको पर कैसे होगा। मै यह बताना चाहूंगा कि 31 मार्च के बाद आप जिस सडक पर चलेंगे आपको किसी सडक पर खदका नही लगेगा यानि झटका नही लगेगा। सभी सडको पर आपकी गाडी आराम से चलेगी। हमारे राज में चौधरी देवी लाल जी के वक्त की तरह नही होगा। गाडी चलनी तो चाहिए 80 किलोमीट की स्पीड से लेकिन चलती नही थी 20 किलोमीटर की स्पीड से। ऐसा 31 मार्च के बाद नही होगा।

चौधरी जिले सिंह जाखडः अध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार बनी है, तब से यह कह रही है कि 31 मार्च 1992 तक सारी सडक बना दी जाएगी। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जिला रोहतक की सडको की बहुत बुरी हालत है। प्रोपर रोहतक भाहर के हिसार रोड से लेकर बाई पास दिल्ली रोड जो है, उसकी बहुत बुरी हालत है। उसमें जगह जगह खड्डे है। वहां पर ऐसी बुरी हालत है कि खच्चर गाडियो का चलना भी मु कल हो रहा है। इसी प्रकार से झज्जर भाहर की सडको की बुरी हालत है। झज्जर भाहर की चुंगी से लेकर काठ मंडी तक जो सडक है वह जगह जगह पर टूटी पडी है। वहां पर 4–4 और 5–5 फुट लम्बे खड्डे पडे है। इसी प्रकार झज्जर भाहर के अन्दर जो सडक कचहरी तक जाती है, उसकी भी बुरी हालत है। बेरी की प्रोपर सडको जो गोच्छी से जहाजगढ की तरफ जाती है, उसकी बहुत ही बुरी हालत है और इस रोड पर कोई भी कार 10

किलोमीटर की स्पीड से ज्यादा नही चल सकती। मै वहां से हर सप्ताह आता जाता हूॅ। मै मुख्य मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या इतनी बुरी हालत सडको की जो हुई पडी है, उनको चार दिन में ठीक कर दिया जाएगा? अध्यक्ष महोदय, ई प्रकार से जो लिंक रोडज है, जो भाहरो से गावों की तरफ जाती है, उनकी बुरी हालत है। रोहतक–रेवाडी और नारनौल जो ने ानल हाईवे था, वह 18 फूट चौडा होना चाहिए था उसको 18 की बजाए 12 फूट कर दिया गया और फिर घटा कर 10 फूट ही रखा गया है। मै मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये सारे काम कब तक पूरे हो जाएंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सप्लीमैंटरी करने की बजाये पूरा भाशण दे दिया। ये नए मैम्बरहै। कोई बात नही क्योंकि इन्होने विकास की बात कही है। मै इनको बताना चाहता हूं कि दिल्ली से फजिल्का तक जो नै ानल हाई वे नं0 10 है, उसका जब इनकी सरकार चार साल तक रही तो दो मील का एक टुकडा पूरा नही कर पाई। ज्यों ही हमारी सरकार आई तो हमने कहा कि हम यह सडक 30 दिन के अन्दर फर्स्ट क्लास बना कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि वह दो मील का टुकडा हमने 30 दिन की बजाये 29 दिनो में पूरा कर दिया। यह टुकडा ने ानल हाई वे पर मेहम और हासी के बीच में पडता है। अध्यक्ष महोदय, एक दूसरी बात इन्होने भाहर की सडको की बाबत कही है। मै इनको

बताना चाहता हूं कि भाहर की सडको का दूसरा हिसाब किताब है और भाहर को जोडने वाली सडको का दूसरा हिसाब किताब है। जो सडके भाहर को जोडती है, उनको तो पी0 डब्लयू0 डी0 बनाता है और जो भाहर की अन्दर की सडके है उनको म्यूनिसिपल कमेटी बनाती है। सभी को पता है कि म्यूनिसिपल कमेटी के पास इतने फण्डज नही है कि वे भाहर की तमाम सडको को बना के या बनी हुई सडको की मुरम्मत कर सके। इसलिए इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने मार्किटिंग बोर्ड को इन सडको को बनाने के लिए कहा है। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि इन सभी सडको का, जो भाहर के अन्दर की है, ऐस्टिमेट पास हो चुका है। आने वाले 6 महीने के अन्दर अन्दर जिस सडक की हालत खराब है, उसको हम बढिया बना कर देंगें। आप सभी इस बात से नि चत रहे। इस सरकार का का विकास करने का है, कोई गलत काम करने का नही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः काम की स्प्रिट देखी जाती है।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने यह ब्यान दिया था कि जहां–जहां पर मन्दिर है, हर मन्दिर को सडको के साथ जोडा जाएगा। यह एक बहुत ही अच्छी बात है और सराहनीय काम है। मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो गरीब आदमी हरिजन गावों मे रहते है और उनकी चौपालो तक जाने का रास्ता नही है या गांव में जाने

का रास्ता नही है क्या वे वहां पर भी सडके बनवाने की कृपा करेंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने मन्दिरो को सडको के साथजोडने की बात कही थी लेकिन आप जानते है कि हर जगह पर मन्दिर बने हुए है, हर गली में मन्दिर है, हम मौहल्ले में मन्दिर है तो ऐसे सभी मन्दिरो को सडको के साथ जोडना सम्भव नही है। मेरे कहने का मतलब यह था कि जहां प्राचीन सभ्यता का मन्दिर हो और वहां पर धार्मिक नाते से हजारो यात्री जाते हो ऐसे हर मन्दिर, गुरुद्वारे ओर गिरजाघर को आने वाले एक साल में पक्की सडक के साथ जोडा जाएगा। जहां तक गांव की चौपालो को पक्की सडको से जोडने का ताल्लुक है, उसके लिए ग्रम विकास योजना के तहत अलग से कार्य होता है। गावों की गलियो को पक्का करने के लिए और उन्हे सुन्दर बनाने के लिए जवाहर रोजगार योजना और आई0 आर0 डी0 पी0 जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है,जिनके जरिये ऐसे काम हो रहे है। हम गावो को सुन्दर और स्वच्छ बनाएंगे और चौपालो तक की सडको को भी अव य पूरा करेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि हम सारी सडको को 31 मार्च तक पक्का कर देंगे। जी0 टी0 रोड की बात भी इन्होने कही है। इस रोड का 80 प्रति ात काम तो पिछली सरकार ने करवाया था। सडके बनती है, टूटती है और उनकी मुरम्मत का काम होता है, यह तो एक

कांटिनुआ प्रोसैस है। स्पीकर साहब, हिसार से चण्डीगढ तक वाया कैथल–नरवाना एक सडक आती है। मै कैटेगोरिकली 4–5 सडको के बारे मे मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं। मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि आदमपूर से सीसवाल तक जो सडक जाती है क्या यह बात इनके नोटिस में है कि इस सडक की रिपेयर नही हुई है। इसी तरह सरसौदसे जाखल तक एक सडक जाती है जो कि मेरे हल्के से भी गुजरती है और घिराय, बरवाला, टोहाना, फतेहाबाद आदि पांच हल्को से भी जाती है। इस सडक की रिपेयर भी नही हुई है। इसी तरह से करनाल से कैथल बहुत ही इम्पोटैन्ट सडक है जो कि जगह–जगह पर टूटी पडी है। मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या इस सडक पर कोई काम हुआ है?

श्री अध्यक्षः यह तो बडी अच्छी सडक है।

प्रो0 सम्पत सिंहः 10–12 जगहो पर एक–एक डेढ किलोमीटर सडक ऐसी है जो कि टूटी पडी है और वहां पर गाडी चल नही सकती है। स्पीकर साहब, अभी असैम्बली का सै ान खत्म होने के बाद आप दोबारा उस सडक पर जा कर देख लें तो आपको पता चल जाएगा। (विघ्न्)

श्री अध्यक्षः मै जो इस रास्ते से अक्सर आता–जाता रहता हूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या इस सडक पर कोई काम हुआ है और यदि नही तो क्या 31 मार्च तक इस काम को पूरा करवायेंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी बडे ही पुराने मैम्बर है और इन्हे आदमपुर और सीसवाल की बहुत फिक्र लगी हुई है। मुझे इस बात की खु ाी है कि ये मेरे हल्के की तरफ भी ध्यान दे रहे है। स्पीकर साहब, एक तरफ तो ये कहते है कि सारा पैसा आदमपुर हल्के मे खर्च कर दिया तथा दूसरी तरफ कहते है कि वहां पर विकास का कोई कार्य नही हुआ। ये कृप्या बताए कि इनकी कौन सी बात ठीक है? स्पीकर साहब, आदमपुर हल्का मेरा है। अगर वहां पर सडक की हालत कुछ खस्ता है तो वहां के लिए मै कुछ इन्तजार कर सकता हूं लेकिन दूसरे हल्को के काम पहले किये जाएंगे और उनको रोका नही जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आदमपुर और सीसवाल भी हरियाणा का ही हिस्सा है और उन में भी बराबर विकास होना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब से मै चुनाव लड रहा हूं, आदमपुर और सीसवाल दोनो ऐसे गांव है जहां पर दूसरे किसी महानुभाव को एक चौथाई वोट भी नही मिला है, वहां पर टोटल वोट भजन लाल को ही पडता है। तो क्या उन गावो

की हालत मै ठीक नही करुंगा। बाकी रही दूसरी सडको की बात, अध्यक्ष महोदय, एक तो उन्होने करनाल से कैथल की सडक की बात कही है कि खराब पडी है। पता नही इनको कहां से स्वप्न आता है और उस सपने मे इनका भजन लाल ही दिखाई देता है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जिन जिन सडको के बारे में इन्होने कहा है, उनके बारे में मै इन्हे कहना चाहता हूं कि मेहरबानी करके 31 मार्च तक ये अपने हल्के और अपने एरिया में जाए और देंखे कि क्या वे सडके खराब है? यह लीडरी कागज से नही चलती है, जमीन से चलती है।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये विरोधी पार्टी के हल्को में पैसा भी तो दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई विरोधी पार्टी की बात नही है और न ही हमारी पार्टी की बात है। हमने सब को एक समान समझा है। हमें हरियाणा का विकास करना है और विकास के नाते ही उन सारी सडको को जिनकी हालत बहुत खराब है, 31 मार्च तक बढिया बना देंगे चाहे वह किसी भी पार्टी के एम0 एल0 ए0 का हल्का क्यों न हो।

P.H.C. Building at Ballabgarh

***236. Shri Rajinder Singh Bisla:** Will the Minister for Helth be pleas3ed to state whether it is a fact that the buildings of Primary Health Centre in Ballabgarh constituency

are lying incomplete, if so, the time by which the building of these Primary Health Centres are likely to be completed?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): नही। प्र न ही उत्पन्न नही होता।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला: अध्यक्ष महोदय, अगर बहन जी मेरे प्र न का ध्यानपूर्वक उत्तर देती तो मुझे इतनी निरा ाा नही होती। मेरे क्षेत्र मे मोहाना पी0 एच0 सी0 है और यह पी0 एच0 सी0 15 गावों के बीच में है। अध्यक्ष महोदय, इस पी0 एच0 सी0 से 30–35 हजार नागरिको के दुख–दर्द तथा स्वास्थय की समस्या जुडी हुई है। मै बहन जी से निवेदन करुंगा कि ये खुद इस सै ान के बाद मोहाना गांव में जाएं और इसको देखें। अगर ये पी0 एच0 सी0 इन–कम्पलीट न हो तो आप जो भी सजा देंगै, मै उसको भुगतने के लिए तैयार हू। तो मै बहिन जी से कहूंगा कि 30–35 हजार नागरिको के स्वास्थय की समस्या को इतना लाइटली न लें। (विघ्न) तो क्या बहिन जी उसको अप्रैल के बाद पूरा करने की कृपा करेंगी?

बहन करतार देवी: अध्यक्ष महोदय, वैसे तो जहां पी0 एच0 सी0 बनती है वहां उसकी चार दीवारी भी बनती है। फिर भी अगर कही पर यह चार दीवारी अधूरी पडी है तो हम उसको पूरा करवा देंगे लेकिन अगर यह इसका पूरा विवरण चाहते है तो इसके लिए अलग से सवाल पूछें।

श्री अध्यक्ष: आप इनको जनरल ही बता दें।

मुख्य मंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै विवरण से बता देता हूं। चूंकि स्वास्थय भी इंसान के लिए बहुत जरुरी है इसलिए जहां पर भी पी0 एच0 सी0 बनी हुई है, वहा पर अच्छे डाक्टर, अच्छा स्टाफ और अच्छी बिल्डिंग होनी चाहिये। इन सबके लिए हमने अलग बजट मे पैसा रखा है और जहां भी पी0 एच0 सी0 है, जिनकी बिल्डिंग खस्ता हालत मे हो गयी है या वहां पर चार दीवारी नही है तो इनको हम ज्यादा ध्यान देकर अगले साल में बनवायेगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, वैसे तो मेरा सवाज जो इसी विशय से सम्बन्धित है इस लिस्ट के अंत में लगा हुआ है जिसका नम्बर आना आज मुि कल है, लेकिन यह सवाल चूंकि पी0 ए0 सी0 के बारे में है इसलिए मै अभी ही एक सप्लीमैंटरी पूछ लेता हूं। स्पीकर साहब, एक गांव नारनौंद है, वहां पर एक सी0 एच0 सी0 है जिसका कंस्ट्रक ान तीन–चार साल पहले भाुरु किया गया था लेकिन वह अभी तक रुफ लैवल तक ही बना है और पिछले डेढ साल से उसका काम रुका पडा है। अब मंत्री महोदय ने इस प्र न के उतर में लिखा है कि इस सी0 एच0 सी0 का निर्माण 30–9–93 तक कर दिया जायेगा। मै चाहता हूं कि जो बिल्डिंग अधूरी पडी है और उसका काम चालू नही है, उसको आप ऐक्सपीडाइट करके 30–9–93 तक ही पूरा करवा दीजिये क्योंकि मेरे हिसाब से इस बिल्डिंग का काम तीन–चार महीने का ही बाकी है।

बहन करतार देवी: अध्यक्ष महोदय, सी0 एच0 सी0 नारनौंद का काम चालू है। उसका मुख्य भवन बन रहा है, चार दीवारी पूरी हो चुकी है। इसमें एक कमरा तो पूरा हो चुका है और आठ कमरे 350 वर्ग फीट के अभी भाुरु किये जाने है। स्वास्थय विभाग की तरफ से ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल और धनरा ि लोक निर्माण विभाग को दी जा चुकी है। इस पर अभी कार्य चल रहा है और जैसा कि लोक निर्माण विभाग ने सुचित किया है यह 30—9—93 तक पूरा हो जायेगा। लेकिन फिर भी हमारी को ि ा ा होगी कि इस भवन को जल्दी ही पूरा करवाया जाए। उपरोक्त तिथि मैने लोक निर्माण विभाग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर बताई है।

220 K.V. Power House at Batain

***240. Sathi Lehri Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up 220 K.V. Power House at Babain; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Power House is likely to be set-up?

Irrigation & Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala):

(a) No, Sir, However 66 K.V. Grid Sub-Station at Babain has already been approved and is presently under construction.

(b) Question does not arise.

श्री अध्यक्षः पहले आप 132 के0 वी0 पावर हाउस के लिए पूछते। आपने तो सीधा ही 220 के0 वी0 का मंाग लिया।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मेरा कवै चन तो यह था कि 220 के0 वी0 का भााहबाद में जो सब–स्टे ान बन रहा है उसके साथ बबैन की 66 के0 वी0 की लाइनो को कब तक जोडा जाएगा लेकिन मेरे सवाल को तोड–मरोड कर पे ा किया गया है अब तो मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जो बबैन का पावर हाउस है, उसको 220 के0 वी0 की लाइनो से कब तक मिला दिया जाएगा? यह जो अब जीरी की फसल आयेगी, उस जीरी की फसल में क्या टयूबवैल का पानी इस लाईन से जुडने से आ जायेगा?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बबैन का 33 के0 वी0 का सब–स्टे ान है, उस को हम 66 के0 वी0 का सब–स्टे ान बनाने जा रहे है। इसी वक्त उसके सिविल वर्कस पूरे होने वाले है। कार्य ऐडवांस स्टेज पर है और इसका कंस्ट्रक ान का काम प्रोग्रैस में है। इस पर लगभग 3 करोड रुपये खर्च आएंगे। मार्च 1993 तक यह सब स्टे ान 66 के0 वी0 का कम्पलीट

हो जायेगा और यह 220 के0 वी0 सब–स्टे ान भााहबाद से उस वक्त ड्रा करेगा जब दोनो कम्पलीट होंगे।

श्री के0 एल0 भार्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने 220 के0 वी0 सब–स्टे ान की बात की है। मै उनको यह कहना चाहता हूं कि भााहबाद ढोलनमाजरा के 220 के0 वी0 सब–स्टे ान के लिये वहां की जनता की यह मांग थी कि इसको जल्दी पूरा कर लिया जाये। मुख्य मंत्री महोदय ने अपनी औफिसर्ज से भी यह कहा था कि इसको जल्दी पूरा करने की कोि ा ा करो लेकिन औफिसर्ज ने यह बताया था कि टाईम ि ाड्यूल के मुताबिक यह पूरा नही हो सकता, दिसम्बर 1992 तक इसको पूरा करने का टैन्टेटिव प्रोग्राम है और हम इसको पूरा कर लेंगे। मेरी इन्फर्मे ान के मुताबिक आज तक quantum of work done is not at par with the time schedule fixed.

श्री अध्यक्ष: अब क्वै चन पूछिये।

श्री के0 एल0 भार्मा: मै क्वै चन ही पुट कर रहा हूं। मै इनसे यही जानना चाहता हूं कि क्या यह 220 के0 वी0 का सब–स्टे ान दिसम्बर, 1992 तक टाईम ि ाड्यूल के मुताबिक पूरा हो जायेगा?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: हां, पक्की बात है, कम्पलीट हो जायेगा। ऐसा है कि भााहबाद में 220 के0 वी0 का सब–स्टे ान कम्पली ान की ऐडवांस स्टेज पर है। अगले 3–4

महीने में पैडी की फसल के बाद हमारा यह भरकस प्रयास है कि इसको पूरा कर लिया जाये क्योकि पैडी एरिया बीच में पडता है। हमारी कोि ा ा है कि इस काम को टाईम भाड्यूल से पहले ही पूरा कर लिया जाये। माननीय सदस्य श्री के0 एल0 भार्मा जी ने दिसम्बर 192 की बात पूछी है, मै इनको यह बताना चाहता हूं कि नवम्बर–दिसम्बर तक तो इसे पूरा करने में कोई भाक नही है।

श्री कृश्ण लालः मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या पानीपत थर्मल प्लांट का 33 के0 वी0 का सब–स्टे ान अपग्रेड करके मतलौडा में बनाने का मामला सरकार के विचाराधीन है? अगर है तो वह कब तक पूरा हो जायेगा क्योकि ऐसा होने से कई गावो को फायदा पहुंचेगा।

श्री अध्यक्षः असन्ध ऐटसैट्रा कहिये।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, थर्मल प्लांट पानीपत का सब–स्टे ान बनाने का तो सवाल ही नही है। इस वक्त जो सवाल चल रहा है, वह दूसरा है इसलिए इसकी इन्फर्मे ान मेरे पास अवेलेबल नही है। सवाल बबैन और भााहबाद का चल रहा है और यह थर्मल प्लांट की बात पूछ रहे है। इसके लिये ये अलग से सवाल पूछें।

चौधरी फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हू कि इस बात को ध्यान मे रखते हुए कि बराडा का जो सब–स्टे ान है वह छोटा है

और उनकी जो पावर सप्लाई है वह बहुत वीक है और वह खेडा से आती है, क्या भााहबादका 220 के0 वी0 का सब–स्टे ान पूरा होने के बाद उसको उसके साथ जोड दिया जायेगा?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में इस समय औफ हैड कहना बहुत मु कल है कि कितने सब–स्टे ांज चालू करेंगे। स्पीकर साहब, मै एक बात कहना चाहता हूं कि कुरुक्षेत्र जिले का जो यह सवाल था, उमें हम चार स्टे ांज कमी ान कर रहे है जिनमें से एक 132 के0 वी0 का सीबन में कमी ान कर रहे है, 132 के0 वी0 का कथैल में कमी ान कर रहे है, 132 के0 वी0 का पेहवा में कमी ान कर रहे है और 66 के0 वी0 का स्टे ान पीपली में कमी ान कर रहे है। अमीन में 132 के0 वी0 के स्टे ान पर काम चालू है और यह मार्च, 1993 तक कम्पलीट हो जाएगा। 66 के0 वी0 के स्टे ांज के लिए बसन्तपुर और नलवी में औगमैन्टे ान ऐप्रूव कर दी है जोकि कुरुक्षेत्र डिस्ट्रिक्ट में ही है।

Insurance of Permit for Private Buses in the State

***225. Prof. Ram Bilas Sharma:** Will the Minister of State for transport be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to issue permits for plying private buses in the State; and

(b) if so, the time by which aforesaid scheme is likely to be implemented?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) इस समय राज्य में प्रोईवेट बसो को चलाने के लिए परमिट जारी करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नही है।

(ख) उक्त (क) के दुश्टीगत प्र न ही नही उठता।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, सदन में माननीय मंत्री महोदय ने बताया था कि यात्रियो की संख्या के अनुसार बसिज़ की संख्या कम है और हम पांच सौ एक बसिज़ और खरीद रहे है और अपनी लाचारी जाहिर की है कि ज्यादा पैसे का प्रावधान परिवहन के लिए नही कर पा रहे है जिससे ज्यादा बसिज खरीदी जा सके। स्पीकर साहब, हम हरियाणा को देखते है और खास तौर पर गावों में देखते है कि जितनी बसिज़ ये चला रहे है, उससे अधिक मारुति और दूसरे वहिकल्ज जो प्राइवेट है, वे चल रहे है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यात्रियो की संख्या को देखते हुए और उनकी सुरक्षा को देखते हुए, यह जरुरी नही समझते कि बसिज़ की बढौतरी के लिए कोई नया प्रावधान करे?

श्री बलबीर पाल भााह: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस साल हमने 501 बसिज

खरीदने का प्रावधान किया है। मु कल हमारे लिए यह है कि सन् 1989–90 और 1990–91 में जब मण्डल कमी ान का झगडा चला तो काफी बसिज जला दी गई, काफी बसिज को तोड दिया गया और कुछ मिनि बसिज डाल दी गई। स्पीकर साहब, हमारी यह को ा ा है कि हर वर्ग के लिए सुविधाजनक यात्रा का प्रावधान किया जाए। गरीब के लिए, अमीर के लिए, भाहर में रहने वाले के लिए और गांव में रहने वाले के लिए यह सुविधा प्रदान करने में हम पूरी तरह से सक्षम है। स्पीकर साहब, अगर हम प्राईवेटाइजे ान की तरफ जाते है तो इस सम्बन्ध में मै एक बात बताना चाहता हूं कि हम इस वक्त लगभग बीस केटेगरीज मे से तेरह कैटेगरीज ऐसी है, जिनको फ्री सर्विस दे रहे है और सात कैटेगरिज ऐसी है, जिनको कंसै ानल रेट पर पासिज इ ू करते है। अगर प्राइवेटाइजे ान की बात होती है तो देखने वाली बात यह है कि क्या वे लोग इस ओबलीगे ान का मन्जूर करेगे और क्या ये लोग इन 13 कैटेगरीज़ को फ्री सफर करने देंगे? स्पीकर साहब, सैवन्थ फाइव ईयर प्लान में लगभग अस्सी करोड रुपये का प्रावधान किया गया था और अब 1992–93 में जो आठवी पंचवर्शीय योजना भ्रुरु हो रही है उसमें बेसिज खरीदने के लिए दो सौ करोड रुपये का प्रावधान किया गया है जोकि लगभग अढाई गुणा है। स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि और इस महान सदन का बताना चाहता हूं कि हम ज्यादा से ज्यादा बसिज़ चलाकर जनता को सुविधा देगे, ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाकर सरकार को देंगे। स्पीकर साहब, पिछले

दिनो जो घाटा हुआ, उसका कारण मै सदन के नोटिस में लाना चाहता हूं। लगभग दो हजार व्यक्ति ऐसे थे, एक हजार ड्राईवर और एक हजार कंडक्टर, जो वर्श 1989 में भर्ती किए गए थे। लेकिन 1990 में उनको बसिज़ दे दी गई। वे लोग 6–7 करोड रुपये का हरियाणा ऐक्सचैक्चर (ट्रांसपोर्ट विभाग) पर बोझ बने जिसकी वजह से हमारा ट्रांसपोर्ट विभाग 1990–91 में काफी घाटे मे रहा। इसके साथ साथ मै यहां एक और बात का भी जिक करना चाहता हूं कि इनके समय टैम्पोरेरी भर्ती भी हुई और उन लोगो के किसी न किसी तरह से 240 दिन पूरे करवा दिये गये। लगभग 1200 व्यक्ति इस तरह से भर्ती किये गये जिस की वजह से एक करोड रुपये का और घाटा ट्रांसपोर्ट विभाग में हो रहा है लेकिन आज हम चौधरी भजन लाल जी के नेतृत्व में रहकर आपको यह वि वास दिलाना चाहते है कि सरकार यात्रियो की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए हर सम्भव उपाय करेगी और कर भी रही है। 1990–91 में इस के लिए लगभग 20 करोड रुपये का प्रावधान किया गया था लेकिन हमने यात्रियो को सुविधाजनक बस सर्विस देने के लिए इस साल यानि 1992–93 में लगभग 30 करोड रुपये का प्रावधान किया है जोकि पिछले सात साल से डेढ गुणा ज्यादा है। आने वाले वर्श मै हम 636 नई बसे डाल रहे है और पुरानी बसो की रिप्लेसमैंट भी कर रहे है ताकि गांव में चलने वाले रुट्स जो पहले बन्द हो गये थे, उनका फिर से चालू किया जा सके और लोगो को सुविधा के अनुसार अच्छी बस सर्विस मुहैया की जा सके। जो 1200 के लगभग बसे टूट–फूट गई थी

उनकी अब रिप्लेसमैंट की जा रही है। इसलिए हमारी यह कोि ा ा होगी कि लोगो को हर लिहाज़ से सुविधाजनक बस सेवा दी जा सके।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी कहा कि हम लोगो को सुविधाजनक बस सेवा मुहैया करने का पूरा प्रबन्ध कर रहे है। एक तरफ तो ये कह रहे है और दूसरी तरफ ये कह रहे है कि हम 500 पुरानी बसो को रिप्लेस करेगे और 636 बसे नई इस साल डालने जा रहे है। पहले ही इनकी 1200 बसें बिल्कुल कंउम हो चुकी है। इस तरह से तो इनकी पिछली कमी की ही पूर्ति होगी लेकिन आगे के लिए ये क्या नार्मज़ अपनाएंगे ताकि जिन रुटो पर पहले बसें खराब होने या कंउम होने की वजह से कम पड गई है, उनकी पूर्ति भी हो सके? स्पीकर साहब, इन्होने बताया था कि पिछले साल 1991–92 में 137 नई बसे डाली जा चुकी है। अगर इस तरह से हर साल इतनी इतनी बसे ही डाली जाती रही, तो पिछला बैक लोग पुरा होने में लगभग पांच साल का वकफा लग जाएगा। सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिये कि पांच सालो के अन्दर आबादी भी बहुत ज्यादा हो जाएगी। इसलिए मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि बढती हुई आबादी को ध्यान में रखते हुए सरकार क्या पग उठाएगी ताकि लोगो को बसे कम पडने पर असुविाा न हो?

श्री बलबीर पाल भााहः अध्यक्ष महोदय, जहां तक बसो को रिप्लेस करने का सवाल है, वह तो हम रिप्लेस करेगे ही लेकिन इसके साथ साा हम यह भी ध्यान रखेगे कि हर साल बसो मे बढौतरी की जाए। इस वर्श हमने 137 बसो की बढौतरी की है और इसी तरह से अगले साल भी की जाएगी और हमारी यह कोि ा ा होगी कि ज्यादा से ज्यादानई बसिज रुट्स पर चलाई जाएं। हमारी यह भी कोि ा ा होगी कि जो रुट्स बसो की कमी के कारण बन्द हो गये थे, उनको सबसे पहले चालू किया जाए। इसलिए मेरी इस सदन के सभी माननीय सदस्यो से यह रिकवैस्ट है कि जहां–जहां भी वे बसें चलाने की आव यकता समझते हो, उस बारे में हमें लिखित रुप में भेजे। हम पूरी कोि ा ा करेंगे कि अगर वहां वायेबल होगा तो उनकी रिकवैस्ट के अनुसार बसो को चलाया जाएगा, नही तो उन्हे पूरी तरह से सही जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

New Ludana and Nidani Minors

***261.Chaudhri Suraj Bhan Kajal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to State-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the new Ludana minor, and Nidani minor; and

(b) if so, the time by which the aforesaid minors are likely to be constructed?

Irrigation and Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala):

(a) The proposal regarding Nidana (Not Ludana) is under re-examination.

(b) Depends on the availability of funds.

चौधरी सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो नई निदाना माइनर और निदानी माइनर की स्कीम है क्या यह पहले सैक ान हो चुकी है? अगर हां, तो रि–ऐग्जामिन करने की क्या आव यकता पड गई?

श्री भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, निदाना सब माइनर आ0 डी0 जीरो से आर0 डी0 11840 तक बनाने की योजना साढे आठ लाख रुपए की जागत से सैक ान हो चुकी है और इसपर अभी काम भाुरु नही हुआ है। यह चार पांच साल पहले सैक ान हुई थी लेकिन पिछली सरकार ने इस पर कोई काम नही किया। उसके बाद इस दौरान में इस माइनर की पोजी ान यह है कि एक तो जहां से यह निकलती थी, उस रजवाहे को रि–कंडी ान कर दिया। पहले उससे 50 प्रति ात इरीगे ान होती थी और अब 100 प्रति ात होती है। हम इसकी लाइनिंग भी करने लग रहे है। उसके बाद इसमें बहुत ज्यादा इम्प्रूवमैंट हो जाएगी। इसलिए हम इसको दोबारा ऐग्जामिन कर रहे है। जहां तक निदानी माइनर का सवाल है, यह भी जींद डिस्ट्रीब्यूटरी से निकलती है। यह भी पिछले चार पांच साल से

सैंक ांड है। जब भी इस स्कीम के लिए पैसा उपलब्ध होगा, इस पर काम भ्ाुरु कर दिया जाएगा।

Mewat Development Bard

***252. Chaudhri Zakir Hussain:** Will the Chief Minister be pleased t state-

(a) the yearwise amount of funds, if any, allocated t the Mewat Developmen Board from the date of its inception to-date; and

(b) whether the amount allocated as referred to in part (a) above was fully utilized for the purpose it was allocated?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) वर्श 1980–81 से आज क अलौट की गई रा ि ा का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) जी हां। लगभग पूर्णतः उपयोग कर लिया गया है।

विवरण

वर्श	रा ि ा (लाखो में)
1980.81	127.13
1981.82	134.80

1982.83	199.25
1983.84	189.56
1984.85	185.69
1985.86	200.00
1986.87	231.85
1987.88	200.00
1988.89	225.00
1989.90	225.00
1990.91	240.00
1991.92	330.0

चौधरी जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, स्टेटमैंट मे द र्ाया गया है कि 1991–92 में 330 लाख रुपया मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड को ऐलोकेट किया गया लेकिन हमारे नोटिस में यह बात आई है कि इसमें से 260 या 270 लाख रुपया ही खर्च हुआ है। तो क्या ये बताने का कश्ट करेगे कि इसमे से कितना पैसा खर्च हुआ है? दूसरी बात यह है कि इस बोर्ड का गठन 1980 में किया गया था और उसका मकसद था कि बजट की

ऐलोके ान के अलावा भी इस इलाके में पैसा खर्च किया जाएगा। क्या मुख्य मंत्री जी के नोटिस में है कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट और पी0 डब्ल्यू0 डी0 ने अपने बजट में से खर्च न करके बोर्ड का पैसा खर्च किया है? अगर ऐसा हुआ है तो क्या आगे के लिए इस पर रोक लगाएंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब मै पहले 1979 मे मुख्य मंत्री था तो मैने सब से पहले 1980 मे मेवात की तरफ ध्यान दिया जो आज तक किसी ने नही दिया था। वह बहुत पिछडा हुआ एरिया है, वहां के लोगो में बडी गुरबत है और साधनो की बडी भारी कमी थी। इसी बात को लेकर मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गया था। लगातार इस बोर्ड को हमने पैसा दिया। माननीय सदस्य ने जो खद ाा जाहिर किया, उसके बारे में मै बताना चाहता हूं कि 1991–92 में 330 लाख रुपये में से अब तक के, यानि 23–3–92 तक के मैने आंकडे मंगवाए है और 223.85 लाख रुपये खर्च किए जा चुके है। इसके अलावा अभी कुछ बिल देने बकाया है और मै वि वास दिलाता हूं कि इस साल में हम पूरा पैा वहां के विकास के लिए खर्च कर देंगे। जहां तक पैसे के लैप्स होने का ताल्लुक है, यह पैसा लैप्स नही होता। यह ग्रांट इन एड होती है और पैसा अगले साल में चला जाता है। जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि जो पैसा मेवात विकास बोर्ड को दिया जाता है, उस पैसे में से कुछ महकमो की ऐसी स्कीमे है जिनको ऐडजैस्ट कर दिया जाता है, जैसे पीने के पानी की स्कीम

है उस स्कीम के लिए मेवात विकास बोर्ड को जो पैसा दिया जाता है, उसमें से कुछ पैसा खर्च करने की कोि ा ा की जाती है। माननीय सदस्य की इस बात में कुछ हद तक वनज है, सच्चाई है। पिछले चार साल में उस समय की सरकार ने ऐसा किया है। हमने अब ये हिदायते दी है कि मेवात विकास बोर्ड के लिए जो पैसा दिा है, उसमे से दूसरी स्कीमो पर कोई पैसा खर्च नही करना है। मै माननीय सदस्य को और सारे हाउस को यह वि वास दिलाना चाहता हूं कि मेवात विकास बोर्ड को जो पैसा दिया है, वह मेवात के विकास के लिए ही खर्च किया जाएगा।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस पैसे मे से हथीन ब्लौक को कितना पैसा दिया गया है। इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहूगा कि जो 107 लाख के करीब बाकी पैसा रह गया है यह मेवात विकास बोर्ड के पास कब तक चला जाएगा क्योंकि 31 मार्च नजदीक आ गया है। अब तक वह पैसा मेवात विकास बोर्ड के पास नही पहुंचा है। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूंगा कि मेवात विकास बोर्ड का दफ्तर गुडगांव मे है, उसका दफ्तर नूंह में होना चाहिए। नूंह में दफ्तर खोल दिा जाए तो वहां के लोागे को यह जानकारी रहेगी कि वहां पर विकास के कामो पर पैसा खर्च हो रहा है या नही।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेवात एरिया के अन्दर 6 ब्लौकस है और उनमें से 5 ब्लौक गुडगांव डिस्ट्रिक्ट में

है इसलिए उसका हैड आफिस गुडगांव में है। मेवात विकास बोर्ड का हैड आफिस गुडगांव में हाना मेवात के हित मे है। अगर हम मेवात विकास बोर्ड का हैड आफिस हथीन में बना देंगे तो वहां पर कोई सीनियर अधिकारी नही जाएंगे क्योंकि वे किसी छोटी जगह पर रहना पसंद नही करते। यह मेवात के हित में है कि मेवात विकास बोर्ड का हैड आफिस गुडगांव में ही रहे। यह मै पहले ही अर्ज कर चूका हूं कि मेवात विकास बोर्ड के अन्दर 6 ब्लाकस है। हमारी यह कोि ा ा रहती है कि उन सभी ब्लाकस में बराबर पैसा बांटा जाए। इसके अलावा यह भी देखने वाली बात है कि कौन से ब्लाक में किस काम की ज्यादा जरुरत है और जिस ब्लाक में जिस काम की ज्यादा जरुरत होती है, उसमें कुछ ज्यादा पैसा खर्च हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हथीन फरीदाबाद जिले में पडता है। लेकिन हमने उस समय यह सोचा कि हथीन का एरिया भी मेवात एरिया के साथ लगता हुआ है इसलिए हथीन ब्लाक को मेवात विकास बोर्ड के अंदर दिया जाए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, यदि कोई इंडस्ट्रियलिस्ट मेवात एरिया में इंडस्ट्री लगाएगा, उसको इंडस्ट्री लगाने के लिए हमने स्टेट की तरफ से सबसिडी देने का फैसला किया है। जो इंडस्ट्रिलिस्ट मेवात के एरिया में इंडस्टरी लगाएगा, उसको 25 परसैंट सबसिडी देंगे और ज्यादा से ज्यादा 25 लाख रुपए की सबसिडी देंगे ताकि उस एरिया में ज्यादा से ज्यादा इंडस्ट्री लग सके और उस एरिया के नौजवान लडके–लडकियों को रोजगार मिल सके। इसके अलावा मेवात एरिया में हमने स्कूल

खोले है, कालेज खोले है, आई0 टी0 आईज खोले है। उस एरिया को सभी सुविधाएं देने की हमारी पूरी कोि ा ा है ताकि वह इलाका भी हरियाणा प्रदे ा के दूसरे इलाको के बराबर आ सके।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेवात विकास बोर्ड बनने के बाद क्या वहां के लोगो का ि ाक्षा का स्तर, सैनीटे ान का या लोगो का जीवन स्तर उपर उठा है, यह उसमें कोई सुधार हुआ है? जहां तक मैने उस बोर्ड की फिगर देखी है, उस बोर्ड को जो पैसा दिया जाता है, वह सारे का सारा उसके ऐस्टेब्लि ामैंट पर खर्च कर दिया जाता है या टी0 ए0 डी0 ए0 पर खर्च कर दिया जाता है। वह पैसे लोगो की ि ाक्षा का स्तर पर या सैनिटे ान पर या लोगो के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए या वहां का विकास करने के कार्यो पर खर्च नही किया जाता है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेवात के एरिया में हमने काफी स्कूल खोले है, आई0 टी आईज0 भी खोले है और पोलिटैक्निक्स भी खोले है ताकि वहां के लोग टैक्नीकल ज्ञान प्राप्त कर सके। इसके अलावा वहां पर जे0 बी0 टी0 सैंटर भी खोला है। वहा ंपर उर्दू की ट्रेनिंग भी दी जाती है और सारे हिन्दुस्तान में जहां पर भी लोग उर्दू पढना चाहते है, उनके लिए मेवात से उर्दु के टीचर तैयार करके भेजे जाते है। हमने वहां पर लोगो को काफी सुविधाएं दी है ताकि उस एरिया के लोगो का जीवन स्तर उपर उठ सके। आप मेवात मे जा कर देखेगे तो पहले

के जमाने के यानि 19820 से पहले के मेवात मे और आज के समय में वहा पर काफी अन्तर मिलेगा। हम इस बात को महसूस करते है कि इस इलाके में तभी ज्यादा विकास हो पायेगा, जब वहां पर राबी ब्यास का पानी मिलेगा। वहां पर रावी ब्यास का पानी पहुंचाने के लिए हमने मेवात कैनाल बनाने की योजना बनाई है और इसके लिए पैसे का प्रावधान भी किया है। ज्यों ही हमे राबी–ब्यास का पानी मिल जायेगा, वह इलका और अधिक उपजाऊ होगा क्योंकि वहां की जमीन बहुत ही उपजाऊ और महवार है। किसी इलाके का अच्छा विकास तभी हो पाता है जब वहां पर खेती और उद्योग दोनो में बराबर का विकास हो। इस विकास के बाद किसी इलाके में परिवर्तन की बात हो सकती है। इसके लिए हमारी बराबर कोि ा ा जारी है।

Auction of Custodian Land

***248. Shri Mani Ram Keharwala:** Will the Minister for Revenuce be pleased to state-

(a) whether any custodian land in Patti taraf insar Panipat (Now Distt Panipat) was auctioned in the month of August and November 1990 separately; if so, the details thereof; and

(b) whether any complaint/representation has been received by the Govt. with regard to the auction of the land as referred to in part (a) above; if so, the action taken thereon?

Revenue Minister (Chaudhri Birender Singh):

(a) Yes, Sir 15 Biswas (1 Kanal 5 Marla) evacuee land was put to auction in August, 1990 and 22 Bighas 17 Biswas (4 acre 6 kanals 2 marlas) land was auctioned in November, 1990.

(b) Yes Sir, An objection was received against the auction conducted in November 1990 only in respect of 22 Bighas 17 Biswas of land as referred in part (a). This objection was dismissed by the then Chief Settlement Commissioner on 2-5-1991.

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पहले इस रकबे को कौन का त करता था और उनकी का त कितने साल से थी? दूसरी बात मै यह पूछना चाहता हूं कि क्या औक ान करते वक्त पिछले का तकारो को भी प्रैफरैंस देने का कोई काईटेरिया है?

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस रकबे में कुछ छोटे से हिस्से के अन्दर एन्कोचमैंट थी और बाकी सारी जमीन खाली थी। जो आदमी इस जमीन पर पहले से ही बैठे हुए है, उनके बारे में उनकी जमीन देने के लिए डिपार्टमैंट ने क्लीयर स्कीम बनाई हुई है कि उनको नैगोि ाएट करके जमीन दी जा सकती है, अगर उनका उस जमीन पर पुराना कब्जा है।

श्री मनी राम केहरवालः अध्यक्ष महोदय, मै पूछना चाहता हूं कि ये पुराना कब्जा कितने साल का मानते है यानि कितने साल की गिरदावारी कम से कम चाहिए? दूसरा मै यह पूछना चाहता हूं

कि इस तरह की जमीन को यदि हरिजन का त करते हो, तो क्या उनके लिए कोई अलग से क्राईटेरिया है?

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः सर 1985 मे जिनका कब्जा था और उसके बाद जिनका उस जमीन पर बराबर कब्जा बरकरार रहा है, उनको यह जमीन दी जा सकती है। इसके लिए उनको टोटल जमीन की कौस्ट का 25 परसैंट तो एक साथ जमा करवाना पडेगा और बाकी 10 हाफ इयरली किस्ते ली जाएंगी। जो नान–ि ाडयूल्ड कास्ट लोग है उनके लिए इस जमीन की कीमत 30 हजार रुपये प्रति एकड फिक्स की है और जो ि ाड्यूल्ड कास्ट के लोग है, उनके लिए इस जमीन की कीमत 20 हजार रुपये पर एकड फिक्स की है।

Mr. Speaker: Question Hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Setting up of Sugar Mill at Gohana

***276. Shri Ramesh Kumar:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up a Sugar Mill at Gohana; and

(b) if so, the time by which the said Mill is likely to be set-up?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क) जी हां।

(ख) भारत सरकार के आ ाय पत्र प्राप्ति के बाद लगभग तीन वर्शो में।

Salary to Class IV employees of Municipal Committee, Bhiwani

***271. Shri Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state whether it is a fact that the Class IV employees of Municipal Committee Bhiwani have not been paid their salaries for the last few months; if so, the reason thereof?

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा): जी नही।

Confed Stores in the State

***247. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) the district wise number of Confed Stores together with the number of Managers or Salesman working therein as at present in the State; and

(b) the district wise number of distribution centres togetherwith the names of the consumer items available therein?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क) व (ख) प्र न का उतर विधान सभा के पटल पर रखा गया है।

कान्फैड भण्डार और बिक्री केन्द्र

क	जिला नाम	क्षेत्रीय कार्यालयो सहित कान्फैड भण्डारो की संख्या	बिक्री केन्द्रो की संख्या	प्रबन्धको और सहायक प्रबन्धको की संख्या	सेल्जमैनो की संख्या	बिक्री केन्द्रो पर मिलने वाली उपभोक्ता वस्तुओ के नाम
1	अम्बाला	8	15	3	19	
2	भिवानी	8	41	3	68	
3	फरीदाबाद	5	46	4	60	
4	गुडगांव	11	33	4	41	
5	हिसार	11	83	5	101	
6	जीन्द	7	48	5	90	
7	करनाल	3	13	3	19	
8	कैथल	5	23	2	24	

9	कुरुक्षेत्र	5	21	4	28	
10	महेन्द्रगढ	5	33	3	62	
11	पानीपत	4	18	1	30	
12	रेवाडी	5	19	1	24	
13	रोहतक	10	53	5	80	
14	सिरसा	8	38	3	37	
15	सोनीपत	7	14	3	25	
16	यमुनानगर	5	6	2	8	
	जोड	107	504	51	716	

Community Health Centre

***273. Chaudhri Verender Singh:** Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a Community Health Centre in village Narnaund District Hisar, if so, the time by which it is likely to be constructed/completed?

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी): हां। सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र, नारनौंद का निर्माण कार्य 30–3–93 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

अतारांकित प्र न एवं उतर

Construction of Road by Agricultural Marketing Board

37. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) the yearwise total number of kilometers of roads sanctioned for construction by the Agricultural Marketing Board during the years 1989-90, 1990-91, 1991-92 in rural and urban areas separately; and

(b) the yearwise total number of kilometers of roads constructed out of those referred to in part (a) above during the above said period?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

विवरण

वर्श	ग्रामीण सडके		भाहरी सडके	
	स्वीकृत (किमी0 मे)	निर्मित (किमी0 मे)	स्वीकृत (किमी0 मे)	निर्मित (किमी0 मे)
1989—90	817	43	3.51	0.20
1990—91	56	361	2.56	3.96
1991—92	180	264	2.38	—

(29—2—92तक)				

P.H.C at Chuli Bagrain

38. Prof. Sampat Singh Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a building for P.H.C. at village Chuli Bagrain in District Hisar; and

(b) if so, the time by which its construction is likely to be started/completed?

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी):

(क) हां।

(ख) इस स्तर पर समय सीमा नही दी जा सकती।

Sub-stationn in the State

39. Prof Sampat Singh: Will the Minister for Irrigation and Pwer be pleased to state-

(a) the names of 33 K.V., 66 K.V., 132 K.V. and 220 K.V. sub-stations sanctioned in the years 1987-88, 1988-89, 1989-90 and 1991-92 separately in the State; and

(b) the yearwise names of sub-stations out of those referred to in part(a) above completed; and

(c) the yearwise amount spent on the construction of these sub-stations?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला):

(क) उप–केन्द्रो को पंचवर्शीय प्रसार परियोजना के अन्तर्गत निरन्तर कार्यक्रम के रुप में सुनियोजित किया जाता है। उप–केन्द्रो को कोई भी स्वीकृति वर्श का आधार मानकर पृथक रुप से नही प्रदान की जाती।

(ख) वर्श, 1987 से वर्श, 1992 के दौरान तक चालू होने वाले उप–केन्द्रो के नाम निम्न प्रकार है:–

	1987–88	1988–89	1989–90	1990–91	1991–92 (फरवारी 92 तक)
220 के वी	रिवाडी	–	पलवल पंचकूला	पानीपत थर्मल प्लांट	भिवानी
132 के वी	पुन्डरी डींग	गढी इन्दरी मातनहेल	नारनौंद कनीनाखास	हिसार छावनी कौल जुन्डला भोर	सीवन धारसूल मधुबन रानियां

				बहादुरगढ	
66 के वी	धौज फोर्ड, फरीदाबाद भाहा झारसेतली	एफ सी आई फरीदाबाद	––	नलवी मन्डकोला अधोया	ज्योली विलासपुर
33 के वी	भाहपुर–वेगू अलीकाबोरा भाडावास ई रवाल औद्याोगिक क्षेत्र रोहतक बाबेपुर पाई तरावडी	आर्यनगर हिसार, लोहानी सफीदो मदीना मान्डू पिन्डारा लहरिया लाखनमाजर चिडिया मकराना भाकरपुर पिंगावास नौलवा वाल्ला बोधनी	दुराला लघुसचिवालय सोनीपत नौच इन्जीनियरिंग कालेज मुरथल कौठकलां भोजावास भारवा आ ा खेडा डिंगोह	सतौन्दो कुटेल दुल्हेडा कदमा बाईपास सोनीपत भालौट मन्डी	पपरेला बेगा पानीपत औद्योगिक क्षेत्र सिसवाल किनाना

		बारना डाबा			

(ग) परिव्यय के वर्शानुसार तथा सब–स्टे ान अनुसार आंकडो का हिसाब क्षेत्रीय कार्यालयो द्वारा रखा जाता है। इस तरह की सूचना को इकट्ठा करना तथा संकलित करके प्रस्तुत करना समय लेने वाली प्रकिया है।उप केन्द्रो पर खर्च की जाने वाली रा ि ा निम्न प्रकार थीः–

वर्श	रा ि ा (करोडो में)
1987.88	16.3
1988.89	14.45
1989.90	17.00
1990.91	28.75
1991.92 (फरवरी, 92)	25.5

Lengthwise Construction of Roads

40. Prof Sampat Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the lengthwise number of roads sanctioned/constructed in Bhattu Kalan, Meham, Narwana, Jind, Ghirai and Adampur constituencies during the year 1991-92 togetherwith the expenditure incurred thereon separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मांगी गई सूचना इस प्रकार है:—

क्र स	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	निर्माणाधीन / स्वीकृत सडको की संख्या	इन सडको की लम्बाई (किमी0)	खर्चा 1991—92 (29—2—92 तक रु लाखो में)
1	भट्टूकलां	3	7.30	8.35
2	महम	14	31.72	22.74
3	नरवाना	3	15.37	4.79
4	जींद	4	20.56	9.15
5	घिराई	4	21.59	9.55
6	आदमपुर	25	62.73	19.21

Cooperative Stores in the State

34. Shri Ram Bhajan Aggarwal:Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the employees working in any Cooperative Consumers Stores in the State have not

been paid their salary for the last two years; if so, the reasons therefore; and

(b) whether it is also a fact that the payments have not been made to the suppliers for the goods supplied by them to the stores as referred to in part (a) above; if so, the reasons thereof?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क ख ग): हां। जिन केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डारो द्वारा अपने कर्मचारियो के वेतन तथा सप्लायरो से खरीदे गये सामान का भुगतान नही किया गया, उसका विवरण ''अ'' पर दिया गया है, जो संलग्न है।

विवरण ''अ''

क0 सं	केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डार का नाम	कर्मचारियो का 29–2–92 तक देय कुल वेतन जिसका भुगतान नही किया गया है	सप्लायर की 29–2–92 तक कुल देय रा ि जिसका भुगतान नही हुआ है	टिप्पणी

1	हिसार	0	12070.00	
2	हांसी	11590.12	0	
3	फतेहाबाद	137006.34	0	
4	जीन्द	0	75000.00	
5	सफीदो	4619.45	68760.14	
6	नरवाना	44606.40	36878.68	
7	रिवाडी	18467.70	169109.55	
8	गुडगांव	142289.09	228258.32	
9	फिरोजपुर झिरका	54484.85	34229.72	
10	नूंह	48399.08	47000.00	
11	कुरुक्षेत्र	127645.97	440865.00	
12	अम्बाला	260950.00	663749.02	
13	नारायणगढ	299075.94	42216.00	
14	फरीदाबाद	0	465000.00	
15	पलवल	3552.50	115000.00	

16	यमुनानगर	291239.50	52000.00	
17	करनाल	0	1111866.99	
18	कैथल	268550.25	71741.12	
19	पानीपत	22228.00	94637.00	
20	सोनीपत	0	87000.00	
21	रोहतक	0	0	
22	बहादुरगढ	42804.20	142368.97	
23	झज्जर	230019.40	34270.44	
24	लोहारु	5890295.00	0	
25	भिवानी	386593.55	30588.44	
26	महेन्द्रगढ	3615.00	10952.03	
27	नारनौल	83748.30	158262.10	
28	गोहाना	34634.44	सूचना उपलब्ध नही	
29	गुल्हा चीका	59455.20	32000.00	

30	चरखी दादरी	121638.05	0	
31	सिरसा		130000.00	
32	डबवाली	281430.48	35000.00	

कर्मचारियो एव ंसप्लायर को वेतन एवं प्राप्त सामान के भुगतान न किए जाने के कारणः–

1. केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डारो में स्टाफ की अधिकता।

2. स्टोरो के पास नियमित कार्य न होना।

3. स्टोरो की आर्थिक स्थिती का कमजोर होना।

4. अधिकतर स्टोर बंद पडे हुए है तथा वहां पर कोई व्यापार नही किया जा रहा है, लेकिन इन स्टोरो में स्टाफ की छंटनी नही की गई है। परिणाम स्वरुप वेतन का भार बढता चला जा रहा है।

Haryana State Level Legal Service and advice Committee

35- Shrimati Chandravati: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of cases in which the Haryana State Level Legal Service and Advice Committee rendered legal assistance during the period from 1987 to 1991 and from 1991 to-date; and

(b) the yearwise expenditure if any, incurred thereon?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

(क) 1. जनवरी 1987 से दिसम्बर, 1991 तक 2616 मामलोमें कानूनी सेवा तथा सलाह प्रदान की गई।

2. जनवरी व फरवरी 1992 में 123 मामलो में कानूनी सेवा तथा सलाह प्रदान की गई।

3. जनवरी 1987 से दिसम्बर 1991 की अवधि में 120561 मामले लोक अदालतो के माध्यम से निपटाए गए तथा इन लोक अदालतो में मोटर दुर्धटनाओ के मामलो में 17.26 करोड की राि ा क्षतिपूर्ति के रुप में दिए जाने के निर्णय सुनाए गए।

4. जनवरी से फरवरी 1992 तक 2653 मामले लोक अदालतो के माध्यम से निपटाए गए तथा 81.84 लाख रुपये की राि ा बतौर क्षतिपूर्ति दिए जाने के निर्णय सुनाए गए।

(ख) 1. कानूनी सेवा तथा सलाह के लिए वर्शवार खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

वर्श	खर्च रुपयो में
1987	40980.00
1988	5619.00
1989	47679.00
1990	52855.00
1991	40516.00
1992 (फरवरी तक)	18610.00

2. लोक अदालत लगाने पर वर्शवार खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

वर्श	खर्च रुपयो में
1987	92500.00
1988	72900.00
1989	62154.00

1990	112300.00
1991	95000.00
1992 (फरवरी तक)	29000.00

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा जींद में श्री अजीत सिंह, कनिश्ठ अभियन्ता एम0 आई0 टी0 सी0 की मृत्यु सम्बन्धी

Mr.Speaker: Hon'ble Members, on 23rd March, 1992 the Chief Minister had assured the House to make a statement regarding death of Shri Ajit Singh J.E. M.I.T.C at Jind with reference to calling attention motion No.20 given notice of by Shrimati Chandravati, M.L.A. Now the Parliamentary Affairs Minister Will make the statement thereon.

Irrigation and Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala): Sir, it has been alleged in the calling attention motion that Shri Ajit Singh Gill, Junior Engineer, committed suicide as a result of torture by Shri S.K.Gupta, Superintending Engineer, who wanted illegal gratification when he was working as S.E. (Vigilance), HSMITC, Chandigarh and again as S.E. Kaithal MITC, Lining Circle Kaithal. It is further alleged that on 18th March, 1992, Shri S.K. Gupta asked Shri Nachhatar Singh to go to Delhi along with Rs. 5000 to purchase some material to which the J.E. refused. It has also been mentioned that Shri S.K. Gupta is being protected b Shri J.P. Gupta, Managing Director, who was earlier working

as Chief Engineer (Drainage) in the Irrigation Department and was involved in “Drainage Scandal” in which a former Engineer-in-Chief, Shri Khosla, was arrested and many XENs S.D.Os and J.Es are still under suspension.

The detailed position in the matter is explained as under:-

Shri A.S. Gill, J.E. was working in Jind, since 2nd April, 1986 and he was transferred from Jind to Hisar Lining Circle M.I.T.C, Hisar on 3rd October, 1991 on the basis of the report received from Shri S.K. Gupta S.E. that he and another J.E. Shri S.K.Vasudeva were running their own transport and Jind and were not attending to the office work properly and the progress of lining and repairs of the water courses in there sections were very poor.

The then Managing Director, Shri Sehgal, had transferred Shri A.S. Gill and other j.E. on 3rd October, 1991. Shri J.P. Gupta joined as M.D. in HSMITC on 4th November, 1991. The question of Shri J.P. Gupta’s having influenced and helped the S.E. in getting him transferred from Jind is not correct. Sir, again the facts are like that, after J.P. Gupta joined as M.D. on 4th November 1991, he reviewed the progress of work of lining and repairs of water courses in the State and found that there was shortage of J.Es in the Lining Circle at Hissar. As a result of that, he ordered that the previous cancellation orders of J.Es of Hisar Circle, be withdrawn and all the J.Es may be asked to proceed and join at Hisar. So, as a consequence of that, on 16th November, 1991, Shri Ajit Singh Gill and other J.Es were asked to go to Hisar and on 25th November, 1991, Shri A.S. Gill was

considered to be relieved. He did not joind there. On 28th November 1991, he died and on 29th November, 1991 the post-morten of his body was conducted by a Medical Officer at Jind and it was found that he was havein some drugs. The death was on account of consumptionof some sort of drugs. His visra was sent to the Laboratory and the result is still awaited. The information regarding this case is being collected from the police and whenever it is available, it can be passed on the Hon'ble member.

As far as the other allegation that the death of the J.E. was caused by threatening or torture by the S.E., is concerned, as alleged in the calling attention motion, no injuries were found and there was no trace of any physical torture on the body. As far as the mental torture is concerned, it was not mentioned, and therefore, I am explaining those which were mentioned in the Calling Attention Motion. As far as the mental torture is concerned, the union met the Chief Engineer, lining and the M.D. at Jind and asked for action against the S.E. and they had been advised to go to the police and pursue the case at the level of the police. As soon as the police investigation and the verdict of th court will reveal anything against the S.E. certainly action will be taken. However, I have been informed that Shri A.S. Gill did not file any complaint against the S.E. and there is nothing on record. As regards the involvement of Shri J.P. Gupta, as I have already stated, he joined later on i.e. after his transfer and his involvement in the Karnal Drainage Scandal. He infact, held the charge of Chief Engineer, Drainage as an additional charge, as he was the Chief Engineer, Running Canal at that time and for a very short time, he held the charge of Chief

Engineer, Drainage. He was no where commented upon by the Vigilance Department and there was nothing on the record about the involvement of Shri J.P. Gupta in that scandal and, therefore, no action was taken against him.

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै इस पर बोलना चाहती हूं।

श्री अध्यक्षः इस बारे में कोई डिस्क ान नही हो सकती है। आप बैठिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै तो मुख्य मंत्री जी से और इरीगे ान मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहती हूं कि एक आदमी को मैंटली टोर्चर करना और उसको सुसाईड करने पर मजबूर करना बहुत गलत बात है। अध्यक्ष महोदय, इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए तथा साथ ही उस आदमी के परिवार को पूरी सहायता देनी चाहिए। उस एस0 ई0 से हमें कोई पर्सनल रंजि ा नही है। अध्यक्ष महोदय, एक आदमी को तो मरने के लिए मजबूर कर देते है और दूसरा जो वहो जे0 ई0 है, उसको धमकी देते है, उसे धक्के मारकर निकालते है। तो उस एम0 ई0 को जींद में रखना उचित नही है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहती हूं ि कवे पहले तो आदमी को घर में बुलाते है फिर धमकी देते है कि तेरे को देख लूंगा। तो उनके खिलाफ इन्कवायरी करके, जो भी सजा बनती हो, उन्हे दी जाए ताकि इस तरह का वाक्या दोबारा न हो।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप बैठिए।

Shri Shamsher Singh Surjewala: Speaker Sir, the Government will never defend a guilty officer. If the madam or some other relative of the deceased J.E. will be forwarding anything with certain allegations to the Government, the Government is ever ready to take actions against the S.E. or anybody else who is found guilty in any manner. As far as the second allegation that he is also coercing of mal-treating Shri Nachhatar Singh is concerned. I have been told by the Managing Director and the Chief Engineer that Shri Nachhatar Singh went to the S.Es house and threatened to beat him. I think, the matter is being pursuded either at the district administrator level or some where else. There was some incident in which, I have been told, the J.E. went to the house of S.E.and he threatened him.

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, उसने उसको पैसे लेने के लिए बुलाया था।

श्री अध्यक्षः इस पर और कोई डिस्क ान नही होगी। अब आप बैठिए। (विघ्न)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि अगर कोई कत्ल करता है तो उसके खिलाफ 302 का केस दर्ज होना चाहिए। तो मै इनको बता दूं कि सरकार की नीयत किसी को डिफैंड करने की नही है। सवाल यह है कि आप पूरी तरह से फैक्टस से तैयार नही है। यह आपने कल ही बात कही थी और हम आज इतने कम पीरियड में जो भी इन्फर्मे ान

इकट्ठी कर सकते थे वह हमने सदन मे दे दी है और बाकी की इन्फर्मे ान देने के लिए हम हाउस में और हाउस के बाहर भी तैयार है।

वि ोशाधिकार भंग का प्र न

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी कुछ बोलना है। मैने एक प्रिविलेज मो ान दिया है जो मेरे प्रति अधिकारियो के गलत ऐटीच्यूड के बारे में है। (विघ्न्)

श्री अध्यक्षः आपकी मो ान आ चुकी है और मै उसके बारे में आपको बाद में बता दूंगा।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, यह बडा सीरियस मामला है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है, आपको जब बोलने का टाईम देंगे, तब आप इस बारे में बोल लेना अभी बैठियें। (इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हो गये)

श्री अध्यक्षः पहले मै कालिंग अटैन ान मो ान्ज के बारे में बता दूं। इसलिए अब आप सब बैठ जाईये।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी किताब सिंह मलिक ने जो सवाल उठाया है, वह बहुत ही गम्भीर मामला है। अध्यक्ष महोदय, आपने यह फर्माया था कि वे अपनी स्पीच में इसकी चर्चा कर लें। इसकी स्पीच में चर्चा करने से काम नही

चलेगा। अगर कोई आफिसर, डिस्ट्रिक्ट के आफिसर्ज एक एम0 एल0 ए0 के बारे में यह ऐटीच्यूड लेते है, जो कि बिल्कुल गलत है, तो मै समण्ता हूं कि यह बहुत सीरियस बात है। it should not be taken so lightly.

श्री अध्यक्षः ठीक है। अब आप बैठिए।

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो एम0 एल0 ए0 का जिक किया है, वह कोई एम0 एल0 ए0 की बात नही है वह एक आदमी की बात है। इसके बारे में किताब सिंह जी लिखकर दे दे ंतो उस पर हम जांच करवायेंगे और कार्यवाही करेंगे। अगर कोई भी व्यक्ति दोशी पाया गया तो कोई और दोशी पाया गया तो उसको माफ नही किया जाएगा और किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नही दी जाएगी।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत में आज तक किसी भी एक0 एल0 ए0 के पास ग्रीवैंसीज कमेटी का एजैन्डा नही पहुंचा है। एक दि मै उस कमेटी में चला गया तो वहां पर मुझ पर तरह तरह के आरोप लगाए गए। वे क्यों लगाए गए क्योंकि वहां पर भ्रश्टाचार फैला हुआ है। लोग पैसे ले रहे है। जब मैने यह कहा तो यह कहा गया कि किताब सिंह की मैम्बरि ाप कैंसल कर दी।

श्री अध्यक्षः यह मामला आज ही यहां पर आया है और इस को ये एग्जामिन कर रहे है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाया था कि गोहाना में एक एस0 एच0 ओ0 है उसने एक गरीब आदमी से 11000 रु ले लिये है। मैने यह सारी बात बताई और एक ऐफिउेविट भी दिया लेकिन आज तक इन्कवायरी नही हुई बल्कि उसके एवज में यह हुआ कि वही एस0 एच0 ओ0 12 दिसम्बर की भााम को गोहाना मेरे आफिस में आया। उस समय मेरे पास एक पत्रकार, एक वकील और पांच सात लोग और बैठे हुए थे। उसने कहा कि मै आपसे अलग से बात करना चाहता हूं। हम कमरे में बैठ गए और चिटकनी लगा दी। उसके बाद उसने पांच हजार रुपये मेरी जेब में डाल दिये। जब मैने उससे कहा कि यह पैसे अपने हाथे से वापस निकाल ले वरना बहुत बुरा हो जायेगा तो उसने उन्ही हाथो से वे पैसे वापस निकाल लिये। वह 12 दिसम्बर की बात है। फिर 13 तारीख को मैने सी0 एम0 साहब को बताया। इन्होने आदे ा कर दिये कि उसको सस्पैंड करके लाइन हाजिर कर दें। लेकिन अगले दिन डी0 सी0 और एस0 पी0 साहब सी0 एम0 साहब के पास चले गये और उसके बाद न तो उसको सस्पैंड किया गया और न ही उसके खिलाफ कोई कार्यवाही हुई। स्पीकर साहब, यह बहुत गम्भीर मामला है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी किताब सिंह जी ने एक एस0 एच0 ओ0 के बारे में जिक्र किया है कि उसने

इनकी जेब में पांच हजार रुपये डाल दिये। जब इन्होने मुझे बताया तो मैने इनसे कहा कि आपको फौरन ही वह पांच हजार रुपये डी0 सी0 या एस0 पी0 को लाकर देने चाहिये थे और अगर आप उस एस0 एच0 ओ को नही ला सकते थे तो फिर आपको उनको लिखकर देना चाहिये था। इन्होने कहा कि मैने तो ऐसा नही किया।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह फिंगर प्रिन्टस से डर गये होंगे। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, फिर भी हमने उसी वक्त उस एस0 एच0 ओ0 को तबदील करके लाइन हाजिर किया और बकायदा उसके खिलाफ जांच चल रही है। जांच की रिपोर्ट अभी तक हमारे पास नही आयी है जैसे ही वह रिपोर्ट हमरे पास आयेगी वैसे ही उस एस0 एच0 ओ0 के खिलाफ सख्त ऐक ान लेंगे। उसको माफ करने का तो सवाल ही पैदा नही होता। दूसरे इन्होने किसी हरिजन के ऐफिडेविट देने के बारे में कहा तो हमने बकायदा एक जांच अधिकारी के जिम्मे यह काम सौप दिया है ि कवे इ ऐफिडेविट की जांच करे। जब तक किसी के खिलाफ जांच रिपोर्ट नही आ जाती तब तक किसी भी आदमी के खिलाफ कोई कार्यवाही होना संभव नही है क्योंकि कल को वह हाई कोर्ट में चला गया तो हमारे पास क्या जवाब होगा? इसलिए मै केवल इतनी बात कह सकता हूं कि हम इंकवायरी अधिकारी से कहेंगे कि वह 15 दिनो के अन्दर अन्दर इसकी रिपोर्ट हमारे पास भेजे

और जैसे ही वह रिपोर्ट आएगी वैसे ही हम उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेंगे। लेकिन इसका मतलब यह नही है कि कोई मैम्बर बिना किसी आधार के किसी के खिलाफ यो ही ऐलीगे ान लगाये। अगर कोई आधार हो तो ऐलीगे ान लगायें।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, बिना किसी आधार के कोई मैम्बर आरोप नही लगाता है।

श्री अध्यक्षः धीरपाल सिंह जी, आप बैठिए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मै किसी मैम्बर को झूठा नही बता रहा हूं।हमने तो उसी वक्त एस0 एच0 ओ0 को लाईन हाजिर किया तथा आगे जो भी जांच रिपोर्ट आएगी उसके अनुसार हम कार्यवाही करेंगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौ0 किताब सिंह मलिक ने स्पश्ट तौर पर कहा है कि कमरे को अन्दर से कुन्डी बंद थी और वहां पर केवल दो ही लोग थे। एक तो वहा थानेदार था और दूसरे किताब सिंह मलिक थे। वे इस सदन के माननीय सदस्य हैं। उन्होने मुख्यमंत्री जी को ऐफिडेविट भी दिया तो इसके अलावा और क्या जांच हो सकती है?

चौधरी भजन लालः इस बात का ऐफिडेविट नही दिया है? ये कहते है कि बाहर वकील भी बैठे थे और पांच सात लोग और भी बैठे थे तो इन्होने उसी वक्त उस थानेदार को पकड कर लोगो के सामने पैसा निकालकर क्यों नही रखा था? ये लोगो के

सामने पैसा निकालकर रखते और पांच आदमी उसको वहां से पकड कर ले जाते। (ाोर एवं व्यवधान)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब आप सब बैठिए पहले मै सभी की कालिंग अटैं ान मो ान के बारे में बता दूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिये समय नही दिया (ाोर)

श्री अध्यक्षः अभी आप बैठिए। पहले मै कालिंग अटैं ान मो ान के बारे में बता दूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः इसका मतलब आप हमें बोलने ही नही देंगे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बार बार आपके आदे ा की अवहेलना कर रहे है। इस बात को हाउस कभी बर्दा त नही कर सकता। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत जी, आपकी यह बात ठीक नही है। पहले मै कालिंग अटैं ान मो ान के बारे में कहूंगा फिर आप कह लेना।

प्रो0 सम्पत सिंहः मुझे केवल दो मिनट बोलने कि इजाजत दे दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि कालिंग अटैं ान मो ान के बाद आपको बोलने का टाइम देंगे। आप नाजायज असर्टन न करें। जब मैने आपसे कह दिया है कि आपको बोलने का समय दिया जायेगा तो अब आप कृप्या बैठें।

श्री अमर सिंहः सर, मेरा एक कालिंग अटैं ान मो ान है जो बहुत ही जरुरी है। दो हजार के करीब बी0 टी0 एम0 के मजदूर खाली बैठे हुए है। बी0 टी0 एम0 मिल भिवानी ने लाक–आउट की वजह से वे बेकार कर दिये है। पुलिस ने उनको धक्के मार कर वहां से निकाल दिया है। सरकार की तरफ से उनकी कोई बात नही सुनता। डी0 सी0 भी उनकी कोई बात नही सुन रहा है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः श्री अमर सिंह जी, आप बैठिए। मै कालिंग अटैं ान मो ान के बारे में ही बता रहा हूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः हमारा भी एक कालिंग अटैं ान मो ान है। हमें भी अपनी बात कहने का मौका दीजिए।

श्री अध्यक्षः कालिंग अटैं ान मो ान के बारे में बताने के बाद आपको टाईम देंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप ऐसा न करें। हमे टाईम दें। (व्यवधान एवं भाोर) मुझे अपनी बात कहने का मौका तो दें।

श्री अध्यक्षः अभी आप बैठिए। आपको बाद में टाईम दूंगा।

Hon'ble members Calling Attention motion No. 18 given notice of by Sarvshri Amar Singh, Chhatar Singh Chauhan, Dharam Pal Singh and Ram Bhaja Aggarwal M.L.As regarding lockout of spinning Branch of B.T.M Bhiwani has been disallowed on the following grounds:-

(1) That lock-outs do not form the subject matter of a calling attention notice; and

(2) that the members will have ample opportunity to raise the matter during general discussion on Budget and demands.

Calling Attention motion No. 21, given notice of by Shri Kitab Singh, M.L.A. regarding arrest of Shri Partap singh, Teacher has also been disallowed on the following grounds:-

(1) that the matter relates to dayto-day administration of law and order; and

(2) that the aggrieved party can go to the Court of law for seeking remedy.

Calling Attention Motion No. 19, given notice of by Sarvshri Amar Singh and Chhatar Singh Chauhan, M.L.As regarding copying in Examination Centres of Haryana School Education Board is under consideration.

Calling Attention motion No. 22, given notice of by Sarvshri Amar Singh, Karan Singh Dalal, Chhatar Singh

Chauhan, Ram Bhajan Aggarwal, Lehri Singh and Pir Chand, M.L.As regarding auction of vends is also under consideration.

Calling attention motion No. 23, given notice of by Shri Kitab Singh Malik, M.L.A regarding mass copying in Examination is also under consideration.

Calling Attention Motion No. 24, given notice of by Shri Ram Bias Sharma, M.L.A rgarding terror in Mewat area is also under consideration.

Calling attention motion No. 25 given notice of by Sarvshri Sampat Singh, Bharath singh, Krishan Lal, Ram Kumar Katwal and Ramesh Kumar M.L.As regarding non-lifting of sugar cane by Shahabad Sugar Mill is also under consideration.

Calling attention motion No. 26 given notice by Shri Jai Singh Rana, M.L.A regarding providing of vaccine for Bocha disease to animals in District Kurukshetra is also under consideration.

वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी आदरणीय श्री किताब सिंह` जो प्वायंट रेज़ किया है वह बहुत ही सीरियस मैटर है। एक तरफ तो एम0 एल0 ए0 अपने साथ बीती हुई बात बता रहा है और दूसरी तरफ सरकार इस बारे में कोई ऐक ान नही ले रही है। स्पीकर साहब, जब उन्होने एक अधिकारी के खिलाफ आवाज उठाई यह ठीक है कि उस अधिकारी के पोलिटीकल लिंक

होंगे और उसकी ऊपर तक पहुंच होगी, तो उसका मुह बन्द करने के लिए पांच हजार रुपया देने की कोि ा ा की गई और जब उ एम0 एल0 ए0 ने लेने से इन्कार कर दिया तो उन्होने एक प्रस्ताव पास यिा कि उसको डिस्ट्रिक्ट गिवैंसिज कमेटी की सदस्यता से हटा दिया जाए। स्पीकर साहब, श्री किताब सिंह वाई वरचू आफ एन एम0 एल0 ए0 ग्रिवैंस कमेटी के मैम्बर हैं। वे पब्लिक के नुमाइंदे है। जिन अफसरो के खिलाफ उन्होने आवाज उठाई वही अफसर जिले के अफसरो की मिटिंग करते है और प्रस्ताव पास करते है कि उस एम0 एल0 ए0 की मैम्बरि ाप हटा दी जाए। स्पीकर साहब, दिसम्बर महीने की यह कम्पलेंट है और बात मानी गई है। स्पीकर साहब, यह छोटे मोटे कर्मचारी की बात नही है। एम0 एल0 ए0 को खुद करप्ट करने की कोि ा ा की गई। उसको पैसा देने की कोि ा ा की गई। इससे ज्यादा और क्या ऐवीडैंस हो सकती है कि एम0 एल0 ए0 खुद यह बात कह रहा है। स्पीकर साहब, इस बात को तीन महीने हो गए और अब कह रहे है कि पन्द्रह दिन और इंक्वायरी करेंगे। क्या इस तरह से किसी एम0 एल0 ए0 की मैम्बरि ाप खत्म की जा सकती है? यह ठीक है कि इनका लगाव सरकारी पार्टी से रहा होगा, उनका संबंध सरकारी पार्टी से रहा होगा। यह उनकी इच्छा है कि वे किसा पार्टी में रहे सरकारी पार्टी में रहे या अपोजी ान में रहे। अगर एक एम एल ए के साथ इस तरह से व्यवहार होता है तो आम आदमी की क्या हालत होगी? स्पीकर साहब, आपको प्रिविलेज मो ान भी दिया है। आप हमारे प्रिविलेजिज और राईटस के

कस्टोडियन है। आप ही हमारी बात नही सुनेंगे तो और कोई क्या सुनेगा। ये तो सत्ता के न ो में मदमस्त हो रहे है। स्पीकर साहब, एक एम0 एल0 ए0 एक आवाज उठा रहा है और सरकार इस बारे में कुछ नही कर रही है। यही हालत आज इन वजीरो की हो रही है। इनकी बात भी कोई नही सुनता। आज इस तरह के हालात इन ब्लू आईड ब्वायज ने कर रखे है। स्पीकर साहब, यह प्रिविलेज मो ान आप ऐडमिट करे, यही मेरी आपसे रिक्वैस्ट है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जो कुछ अभी चौधरी सम्पत सिंह जी ने कहा, मै उस बात की ताईद करता हूं। मुख्य मंत्री जी यह कह रहे है कि उन्होने ऐफीडेविट नही दिया। तो मै समझता हूं कि किसी आनरेबल मैम्बर का आन दि फ्लोर आफ दि हाउस कोई बात कहना किसी ऐफिडेविट से कम नही है। दूसरी बात यह है कि अगर एक एम0 एल0 ए0 को रि वत देने की कोि ा ा करके मुहं बन्द किया जाता है और यह बात मंत्री के नोटिस में आ जाती हैऔर मुख्य मंत्री यह कहते है कि इंक्वायरी करा रहा हूं तो यह कोई बात नही हुई। अगर एक एम0 एल0 ए0 को रि वत दी जा सकती है तो आम आदमी के लिये लॉ एंड आर्डर की हालत क्या होगी?

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ दूसरी तरफ चौधरी किताब सिंह ने बताया है कि वहां के अधिकारी कहते है कि इनको ग्रिवैन्स कमेटी की सदस्यता से खारिज किया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह किसको अधिकार है? न तो किताब सिंह, एम0 एल0

ए0 सरकार के रहम से जीत कर आए है, न उन आफिसर्ज के रहम से जीत कर आए है और न हमारे रहम से जीत कर आए है। अध्यक्ष महोदय, वे एक इंडिपैन्डैन्ट मैम्बर है ओर अपनी भाक्ति से जीतकर आए है। किसी को क्या अधिकार है कि उनकी ग्रिवैंस कमेटी की सदस्यता खारिज कर सके। अध्यक्ष महोदय, चाहे चौधरी किताब सिंह हमारे अपोजिट गुट के है लेकिन मै इस बात को कहे बगैर नही रह सकता कि वे एक ईमानदान व्यक्ति है और झूठ नही बोलते। उन्होने बेईमानी अपनी उम्र में नही सीखी। ऐसे व्यक्ति के बारे में अगर ऐडमिनिस्ट्रे ान कहता है कि इनकी मैम्बरि ाप डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैंसिज कमेटी से खारिज की जाए तो इसका मतलब है कि एक थानेदार पांच हजार रुपया देकर इनका मुहं बन्द करना चाहता है और उस औफिसर को सरकार प्रोटेक ान दे रही है। लाइन में भेजने से क्या हो गया, तन्ख्वाह तो उसको मिल रही है। होना तो यह चाहिए था कि उसी वक्त केस उसके खिलाफ रजिस्टर करके हवालात में देना चाहिए था। लेकिन औफिसर्ज की तरफ से यह किया जा रहा है कि ग्रिवैसिज कमेटी से उनकी सदस्यता खत्म की जाए जिससे कि वे उनकी गलतियो को प्वायंट आउट न कर पाए। उनको ग्रिवेन्सिज कमेटी में न आने दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह है कि ये करप्ट औफिसर्ज को प्रोटेक ान देते है। इसलिए इस मामे को बडी गम्भीरता से लिया जाना चाहिए।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय साथी श्री बंसी लाल जी और प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने श्री किताब सिंह मलिक के प्रिविलेज मो ान के सम्बन्ध में जो विचार इस हाउस मे व्यक्त किये है, वे बिल्कुल सही है और यह मामला बउा ही सीरियस है। यह मामला बिल्कुल प्रिविलेज के अधीन आता है। अध्यक्ष महोदय, मे रुल्ज़ औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस इन हरियाणा असैम्बली के रुल 261 तथा 263 पढ देता हूं, जिन में यह लिखा है—

Rule 261 reads as under:-

A member may with the consent of the Speaker raise a question involving a breach of privilege either of a member or of the House or of a Committee thereof.

Rule 263 reads as under:-

The right to raise a question of privilege shall be governed by the following conditions:-

(i) not more than one question shall be raised at the same sitting;

(ii) the question shall be raised to a specified matter of recent occurrence; and

(iii) the matter requires the intervention of the Assembly.

मेरी गुजारि ा है कि कमरे के अन्दर मीटिंग में एक विधायक बैठा है और एस0 एच0 ओ0 पहले आता है और विधायक

को कहता है कि आपसे अलग से बात करनी है। उसको अन्दर कमरे में ले जाकर अन्दर से कुन्डी लगा ली जाती है। वहां उसको आफर कर दिया गया। उसी वक्त 13 दिसम्बर के दिन मुख्य मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात लाई जाती है। अध्यक्ष महोदय, इससे पहले उसी थानेदार के खिलाफ यदि कोई ि ाकायत हुई हो या कोई और मेलाफाइडी का मसला हो या किसी मैम्बर की उसके प्रति कोई मैलिस नजर आती हो तब तो बात दूसरी थी लेकिन ऐसी कोई बात नही थी। आनरेबल मैम्बर ने उसके खिलाफ मुख्य मंत्री जी के नोटिस में सारी बात ला दी थी कि मेरे साथ ऐसा हुआ है। आप इस की जांच करवा लें। आगे से मुख्य मंत्री महोदय क्या कहते है कि आप उस थानेदार को मेरे पास खिंच कर क्यो नही लाए? मुख्य मंत्री जी आपको पता होना चाहिए कि विधायक तो जनता के नुमाइंदे होते है। इस तरह की बातो को वे ऐकसैप्ट नही करते कि वे आपस में खिंचातानी करे। किसी को खिंच कर लाना, यह विधायक का काम नही है। यह तो पुलिस ऐडमिनिस्ट्रे ान का काम है। मलिक साहब ने जो कुछ कहा है, वह बिल्कुल सही कहा है कि उनके साथ ऐसा ऐसा हुआ है। मुख्य मंत्री महोदय जी ने अपने पोलोटिकल जीवन में कभी भी ऐसी कोई ि ाकायत किसी विधायक से नही सुनी होगी जैसी कि किताब सिंह जी से सुनी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि वे कौन अधिकारीगण है जिन्होने विधायक को कहा हैं कि वे राईटस को ग्रेविंस कमेटी से खत्म कर दैंगें। वह होते कौन हैं यह बात कहने वाले? क्या मुख्य

मंत्री महोदय ऐसे अधिकारियो के खिलाफ कोई ऐक ान लेंगे? यह बडा ही गम्भीर मामला है। वही अधिकारी सोनीपत जिले के विधायक श्री किताब सिंह जी को मीटिंग का एजेण्डा भी न दें यह बडी गलत बात है। आज लगभग 9 महीने इस सरकार को बने हुए हो गए है, लेकिन जिला ग्रेविंस कमेटी का जो एजेण्डा है, वह उन्हे आज तक नही मिला। इसी तरह से कई दूसरे विधायक भी है जैसे श्री जयपाल जी, श्री रमे ा जी जिनको कभी भी आज तक डिस्ट्रिक्ट ग्रीवेंसिज कमेटी का एजेण्डा ही नही दिया जा रहा है। हम तो यह सुनकर हैरान हो रहे है कि इस सरकार के राज्य में यह हो क्या रहा है, मुख्य मंत्री जी, यह बडा ही गम्भीर मामला है। इतनी छूट मुहं लगे आफिसरो को नही देनी चाहिए। यदि छूट दोगे तो उसका कोई खास लाभ नही होगा बल्कि आपकी बदनामी ही होगी। इसलिए मेरी रिकवैस्ट है कि उस एस0 एच0 ओ0 के खिलाफ कार्यवाही कर के उसको सस्पैंड किया जाए। जो संबंधित अधिकारी, विधायको को जिला ग्रेवैंसिज कमेटयो में रखा जाने वाला एजेण्डा नही देते है, उनके खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिये और उस कार्यवाही की इंफर्मे ान सारे माननीय सदस्यो को भेजी जाए क्योंकि यह बडा ही सीरियस मामला है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, यह सदन हरियाणा का सब से सर्वोच्च सदन है। चौधरी किताब सिंह जी मलिक, कोई पहली बार ही यहां पर विधायक चुनकर नही आए है बल्कि बहुत पूराने समय से वे राजनीति में है और इनहोने जो

बात कही है, उसे गम्भीरता से लेना चाहिए। स्पीकर साहब, अगर हमारे साथ कोई भी बात होती है तो आपसे बडा हमारा कोई कस्टोडिन नही है। मुख्य मंत्री जी के नोटिस में उन्होने यह बात दिसम्बर के महीनेमें ला दी थी लेकिन उस एस0 एच0 ओ0 को केवल लाइन हाजिर ही किया गया है। यदि चुने हुए प्रतिनिधियो की प्रतिश्ठा नही रहेगी तो यह अच्छी बात नही है। हम मे से कभी कोई सत्ता में हो सकता है और कभी विपक्ष में हो सकता है लेकिन ऐसा होने से हमको काम करना बहुत कठिन हो जाएगा। मै रुल 261 के तहत आपसे रिक्वैस्ट करुंगा कि आज ही इस प्रिविलेज मो ान की स्वीकार करके मुख्य मंत्री जी अपनी ग्रेस दिखाएं और आज ही उस अधिकारी को गिरफ्तार किया जाए। माननीय सदस्य ने जो कहा है, उसी को ही सबूत माना जाए।

स्पीकर साहब, इसके अलावा मेरा एक कालिंग अटैन्ा ान मो ान था। पुनहाना मे म्युनिसिपल कमेटी के सैक्रेटरी को इनके एक मुख्य मंत्री ने थप्पड मारा था। वहां पर लोगो का धर्म परिवर्तन हो रहा है। हिन्दुओ को भाम ाान भूमि भी हडप ली गई है। मैने अपने कालिंग अटैन्ा ान मो ान के साथ अखबारो की कटिंग्त भी लगाई है।

श्री अध्यक्षः आपका वह काल अटैन्ा ान मो ान अंडर कंसिड्रे ान है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री द्वारा

सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री (श्री मुहम्मद इलियास): आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान सर। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहता हूं कि हमारे माननीय सदस्य श्री सम्पत सिंह जी ने भी जब हाउस में यह बात कही थी तो उस वक्त भी मैनेइस बात का जवाब दिया था। उन्होने कहा था कि मुख्य मंत्री, एस0 पी0 और डी0 सी0 वहां मौजूद थे। पहली बात तो यह है कि पुनहाना के अन्दर इस तरह का कोई हादसा नही हुआ। न तो कोई धार्मिक प्वायंट पर हुआ और न किसी अफसर की पिटाई की गई। जैसा कि हमारे माननीय सदस्य श्री राम बिलास भार्मा ने कहा, मैने उस वक्त भी कहा था और आज भी कह रहा हूं कि अगर श्री सम्पत सिंहऔर श्री राम बिलास भार्मा यह बात साबित कर दे तो बाकी विधयको के बारे में तो मै नही कह सकता कि वे किसा फारमेलिटी से कह रहे है लेकिन मै अ योर करता हूं कि अगर वे ऐसा साबित कर देंगे तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं वरना ये दोनो इस्तीफा दे दें।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, 9 मार्च 1992 के अखबार में आया था खबरो के हैडिंग में लिखा है कि मेवात में हिन्दुओ को नंगा करने की साजि ा 'हिन्दुओ का धर्म परिवर्तन'। मुख्य मंत्री को ज्ञापन भी दिया गया।

श्री अध्यक्ष: अखबारो मे तो कुछ भी छप सकता है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, उसमें सच्चाई है वैसे ही अखबारो में नही छप सकता।

श्री अध्यक्ष: आप कृप्या बैठिए।

वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, श्री किताब सिंह मलिक ने जो प्रिविलेज मो ान दिया है, मै चाहती हूं कि उस मो ान को आप ऐडमिट करें। अखबारो में खबर आई है कि अफसरो ने एक प्रस्ताव पास किया है कि श्री किताब सिंह मलिक की ग्रीवैंसिज कमेटी से मैम्बरि ाप खत्म की जाए। स्पीकर साहब, एक एम0 एल0 ए0 का इस तरह से अपमान नही होना चाहिए। मै यह नही कहती कि सारे अफसर करप्ट है, इनमें ईमानदार भी है लेकिन जो करप्ट ब्यूरोकेसी है परमात्मा के लिए उनको उनसे संरक्षण नही देना चाहिए ओर उनको इस तरह से बढावा नही देना चाहिए। अगर कोई एम0 एल0 ए0 करप्ट होता है तो वह चुनाव में हार जाता है, वह अपनी कोई व्यक्तिगत बात कहने के लिए नही जाते है। उसमे ंतो एम0 एल0 एज0 लोगो के गिवैसिज की बात करते है और ग्रवैंसिज़ कमेटी होती ही इसलिए है कि उसमें लोगो के ग्रिवैंस की बात की जाए। इसलिए स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि माननीय सदस्य ने जो प्रिविलेज मो ान दिया है उसको ऐडमिट करें। जिस किसी औफिसर ने इस एम0 एल0 ए0 का

अपमान किया है, उस औफिसर के खिलाफ मुख्य मंत्री जी फौरन सख्त से सख्त एक ान ले। इसमें इंकवायरी की क्या जरुरत है?

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, आज की मौजूदा सरकार के होते हुए जिस तरह से एक एम0 एल0 ए0 के साथ ग्रेवैंसिज कमेटी की मिटिंग में दुर्व्यवहार किया गया, वह कोई अच्छी बात नही है। यदि किसी जगह पर ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग होगी तो उस मिटिंग में उस एरिा का एम0 एल0 ए0 तो जरुर आएगा क्योंकि वह उसका मैम्बर होता है। अगर उस एरिया का एम0 एल0 ए0 ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग में अपने लोगो की ग्रिवैंसिज नही रखेगा तो और कौन रखेगा? गोहना को ग्रिवैंसिज कमेटी के सभी औफिसर्ज ने आपस में मीटिंग करके श्री किताब सिंह मलिक की ग्रिवैंसिज कमेटी से मैम्बरि ाप खत्म करने के लिए कहा है। स्पीकर साहब, कोई व्यक्ति एम0 एल0 ए0 या एम0 पी0 वार्ड वरच्यू आफ वोटस बनता है इसलिए सभी ग्रिवैंसिज कमेटीज में उस एरिया के एम0 एल0 ए0 या एम0 पी0 को ग्रिवैंसिज कमेटी का मैम्बर बनाया जाता है। इसके अलावा मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि माननीय सदस्य मलिक साहब मुख्य मंत्री जी के नोटिस में यह बात 13 दिसम्बर को लाए थे लेकिन आज तीन महीने बीत गए इन्होने उस बारे में कोई नोटिस नही लिया। 'जस्टिस डिलेड इज़ जस्टिस डिनाइड' यह बात इस सरकार पर और मुख्य मंत्री जी पर लागू होती है। स्पीकर साहब, एम0 एल0 एज0 के हितो की रक्षा सरकार को अव य करनी चाहिए।

स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने आपकी सेवा में जो प्रिविलेज मो ान दिया है उसको आप ऐडमिट करें।

इसके अलावा स्पीकर साहब, गोहाना में एक भोर सिंह नाम का व्यक्ति है और उसके लडके का नाम प्रताप सिंह है। उसने वहां के पब्लिक रिले ान औफिसर को जलील किया ओर उसके जुर्म में पुलस ने उस लडके को अन्दर कर दिया। उसकी एवज में 18 तारीख को, मौजूदा सरकार के एक एम0 एल0 ए0 श्री आनन्द सिंह डांगी जिनकी लडकी का वह लडका रि ते में जेठ लगता है, उस पब्लिक रिले ान औफिसर को धमकी दे कर आए है। यह उस औफिसर की तौहीन है। इस तरह से किसी औफिसर को डिमोरेलाइज नही करना चाहिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दे।

जेल राज्य मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। कादयान साहब ने अभी आपके सामने अपनी बात बताई। मै इनका ध्यान इस बात की और दिलाना चाहता हूं कि इनकी सरकार के समय में कोसली के अन्दर एक अबला नारी के साथ दुर्व्यवहार किया गया। इन्होने उस वक्त उस बारे में किसी के खिलाफ कोई ऐक ान नही लिया। मै इस बात का सबूत देने के लिए तैयार हूं। (ाोर)

चौधरी अजमत खां: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। श्री राम विलास भार्मा ने यह कहा कि मेवात में लोगो का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। मेवात के लोगो पर इस

किस्म के इल्जाम लगाना ठीक नही है। हमारा सारे हिन्दुस्तान के लोगो के साथ भाईचारा है। इस तरह का इल्जाम लगाना हमारे उपर एक धब्बा है। यदि माननीय सदस्य यह बात साबित कर दें कि वहां पर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है तो इनकी बात सही होगी। इस तरह से इनका हमारे इलाके के लोगो के बारे में इल्जाम नही लगाने चाहिए। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैने आपसे यही पूछा है कि आपने मेरी कालिंग अटैं ान मो ान के नोटिस के बारे में क्या फैसला किया है और आपने फरमाया है कि वह अंडर कंसिड्रेसन है। Sir, if after you admit my calling attention motion and then you may allow him to speak, otherwise not.

चौधरी अजमत खां: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने हमारे उपर बहुत ही गलत इल्जाम लगाया है। इनको इस तरह से गलत बात नही करनी चाहिए। (ाोर)

श्री मोहम्मद इलियास: स्पीकर साहब, मेवात एरिया में आज क कोई धर्म परिवर्तन नही हुआ है। इनको हाउस के अन्दर इस तरह से नही बोलना चाहिए। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: आप लोग वहां पर हरिजनो को आतंकित कर रहे है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हमारे माननीय सदस्य श्री किताब सिंह मलिक के साथ जो घटना हुई है..... (ाोर)

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, हमारे इलाके के बारे में माननीय सदस्य को ऐसे इल्जाम नही लगाने चाहिए। यह बिल्कुल गलत बात बोल रहे है। (ाोर) हमारे इलाके मे कोई किसी को धर्म परिवर्तन के लिए आतंकित नही कर रहा है। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्माः आप लोग हरिजन लोगो को आतंकित कर रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हमारे एक माननीय सदस्य के साथ जो घटना हुई है, उसके बारे में आपकी सेवा में एक प्रिविलेज मो ान दिया गया है आप कृपा करके उसको ऐडमिट करे और उन औफिसर्ज के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। इसके अलावा, मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि ग्रिवैंसिज कमेटी का जो मामला है यह केव गोहाना और सोनीपत का ही नही है। इस तरह की घटना के बारे में मै आपका फरीदाबाद जिले की बात भी बताना चाहता हू। माननीय मंत्री जी जगदी ा नेहरा जी यहां हाउस मे बैठे है। बार बार मंत्री जी के कहने के बावजूद भी वहां पर ग्रिवैंसिज कमेटी की जो

मीटिंग होती है उसकी प्रोसिडिंग्ज नोट नही होती। आज तक हमारे पास सिर्फ एक मीटिंग की प्रोसिडिंग्ज भेजी गई है जबकि अब तक 10 मीटिंगे हो चुकी है। अगर किसी विधायक को उस द्वारा अटैंड की गई ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग प्रोसिडिंग्ज न मिले तो फिर और क्या हो सकता है जबकि इस बारे में मंत्री भी कह चुके हो कि प्रोसिडिंग्ज भेजी जाए। हम उस मीटिंग में भ्रश्टाचार के बारे में बोलते है। क्या एम0 एल0 ए0 को भ्रश्टाचार के बारे में बोलने का अधिकार नही है? जब मै वहां पर इस बारे में बोलता हूं तो अधिकारी मुझ से अलग बात करते है कि आप क्यों सब अधिकारियो से पंगा लेते हो। हम आप के साथ सहयोग नही करेंगे। अगर हम लोगो की ि ाकायतें ग्रिवैंसिज कमेटी में नही कहेंगे तो और कहा कहेंगे। अधिकारी एम0 एल0 ए0 को एम0 एल0 ए0 नही समझते। वे अपने को एम0 एल0 ए0 से ज्यादा ऊंचा समझते है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, पिछले 2 महीनो से भिवानी जिले में भी दु:ख निवारण समिति की मिटिंग का कोई एजेंडा हमें नही मिला है। मै गुजारि ा करुंगा कि सभी मैम्बर्ज को एजेंडा समय पर मिलना चाहिए ताकि वे मिटिंग में ठीक से पार्टिसिपेट कर सके। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, आप भी हिसार जिले के विधायक है आपके पास भी एजेंडा जाता होगा (विघ्न)। अध्यक्ष महोदय, चौधरी अमर सिंह जी ने कहा है कि उन्हे

2 महीने से मीटिंग का एजेंडा नही मिला। हो सकता है कि इन्हे एजेंडा न मिला हो लेकिन सभी को पता है कि महीने के आखिरी भाुक्रवार को मीटिंग होती है। अध्यक्ष महोदय, मै इनकी बात को गलत नही कहता हूं। (विघ्न एवं भाोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। बहन करतार देवी जो यहां पर बैठी हुई है और वे माननीय मंत्री भी है। हम 6 सदस्यो ने इनको बार बार यह कहा कि डी0 सी0 हमारे पास एजेंडा नही भेजता है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बहन करतार देवी से आप इस बारे में पूछ लें। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, मीटिंग में मंत्री बैठता है, उसके बराबर में डी0 सी0 ऊपर बैठते है और अगर एस0 पी0 आ जाए तो वे भी उपर बैठते है लेकिन विधायको को बिठाने का कोई तरीका नही है। प्रोटोकोल में तय होना चाहिए कि मंत्री कहा बैठेंगे, विधायक कहां बैठेगे ओर अफसर कहां बैठेगे यह सब प्रोटोकाल के हिसाब से होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आपकी बात हो चुकी है, अब आप बैठिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक विधायक और एम0 पी0 को बिठाने का ताल्लुक है, इसमें कोई दो राय नही कि एम0 एल0 ए0 और एम0 पी0 का सम्मान होना चाहिए और

उन्हे सम्मान की जगह पर ही बैठाया जाना चाहिए। अगर कही ऐसी बात है तो हम डी0 सी0 को दोबारा हिदायतें करेंगे। जहां तक एजेण्डा टाईम पर न भेजने का ताल्लुक है, मै इस बारे में अफसरो की वकालत नही कर रहा हूं। एजेंडा समय पर भेजा जाना चाहिए। हो सकता है किसी जगह पर एजेंडा समय पर न गया हो, हम नये सिरे से हिदायते जारी करेंगे कि मीटिंग से 10 दिन पहले एजेंडा हर हालत में माननीय सदस्यो के पास हर महीने भेजना चाहिएं। विघ्न।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, अभी कुद ही दिनो की बात है इन्होने 13 तारीख को प्लानिंग कमेटी की मीटिंग रख दी और उसमें हमस ब को भी बुलाया। परन्तु उसमें हम कैसे आ सकते थे, क्योंकि उस दिन तो विधान सभा का सै ान था। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि अगर 13 तारीख को सै ान होने की वजह से ये वहां नही जा सके तो मै उनसे कहूंगा कि वे दोबारा मीटिंग रखें ओर इनकी बात को सुने। अध्यक्ष महोदय, जहां तक एजेंडे की बात है, वह भी इनके पास टाईम पर पहुंच जाया करेगा, यह हिदायत मै जारी कर दूंगा।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे डिस्ट्रिक्ट मे सै ान के दिनो में मीटिंग बुलाई गई थी। तो अध्यक्ष महोदय, हम वहां पर कैसे जा सकते थे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वह मीटिंग तो बंधी–बंधाई है, उसकी डेट तो फिक्स है। सारे प्रदे ा में वह मीटिंग सैंकिंड भाुक्रवार को मुकर्रर कर रखी है ताकि लोगो को आने–जाने मे सुविधा रहे। रही सै ान के दिनो की बात तो हम उसकी सै ान के दिनो में डेट बदल दिया करेंगे।

साथी लही सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी कास्टिच्यूएंसी जिला कुरुक्षेत्र में भी और यमुनानगर में भी पडती है और एक ही दिन में दोनो जगह मीटिंग होती है, तो इस बारे में भी कुछ करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ऐसे तो बहुत सी कांस्टिच्युऐंसी मे है। मेरी कांस्टिच्युऐंसी भी 3–4 हिस्सो में बंटी हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी बातो का बहुत सम्मान और इज्जत करता हू। जिस भी एम0 एल0 ए0 का हल्का 2 जिलो में या तीन जिलो मे पडता है, तो क्या वह सब में जा सकेगा? (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये जहां भी मीटिंग में जाना जरुरी समझते हो, वहां चले जाएं, इसमें कोई दिक्कत नही है। एक बार एक ही जिले में जा सकते है। यह तो हो नही सकता है कि सारे जिलो में एक साथ जा सके।

अध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी ने धर्म परिवर्तन के बारे में कहा है। ऐसी कोई ि ाकायत हमारे पास नही आई है

और मेवात का जो इलाका है वहां पर आज तक भाई–चारा कायम है। अध्यक्ष महोदय, आज तक जितने भी दंगे हुए है, मेवात उन सब दंगो से बचा रहा है। आज तक वहां पर कोई भी ऐसी बात नही हुई है। वहां पर न तो हिन्दुओ न और न ही मुसलमानो ने जात–पात की कोई बात की है और न ही उनके मन में आई है। राम बिलास जी, भजन लाल की जाति का वहां पर एक भी वोट नही है, परन्तु वहां के लोगो ने डेढ लाख के वोटो से मुझे एम0 पी0 बनाकर भेजा है। आज दे ा में, दुनिया में जातिवाद का जहर इतना फैल गया है लेकिन मेवात का इलाका जाति पाति से ऊपर उठा हुआ है। वहां के लोगो के मन में न तो जाति पाति की बात आई है और न ही धर्म परिवर्तन की बात हो सकती है। ऐसी बात आज ही आपने कही है। इसी तरह से किताब सिंह जी ने भी अपनी बात आज ही हाउस में कही है। अगर पहले कही होती तो उस पर ऐक ान हो गया होता। लेकिन मै सदन के सभी सदस्यो से और किताब सिंह से कहता हूं कि 3 दिन के अन्दर अन्दर रिपोर्ट मंगवा लूंगा और अगर उस अधिकारी के खिलाफ यह साबित हो गया कि उसका गुलाह है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी थोडी देर पहले मुख्य मंत्री जी ने अपने पहले वाले फैसले को रिव्यु किया है कि वे 15 दिन की बजाये तीन दिन में इंक्वायरी करवायेंगे। वैसे इनकी स्टेटमैंट से लग रहा है कि इंक्वायरी हो चुकी है वरना वह इस

बात से अफैक्ट होगी। मुख्य मंत्री जी ने अभी हाउस में कहा कि किताब सिंह जी का पहले से उस एस0 एच0 ओ0 के साथ झगडा था। एस0 एच0 ओ0 के खिलाफ जो कम्पलेंट एम0 एल0 ऐ0 ने दी है, उसके विपरीत मुख्य मंत्री जी ने उसको हाउस के अन्दर सर्टिफिकेट दे दिया है। जब मुख्य मंत्री जी ने उसको सर्टिफिकेट दे दिया है तो जो बात एम0 एल0 ए0 ने कही है उसमें सच्चाई नही है इसलिए कोई भी अफसर चाहे वह डी0 आई0 जी0 रेंक का हो या आई0 जी0 रेंक का हो, मुख्य मंत्री की स्टेटमैंट से हटकर क्या रिपोर्ट देंगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अपनी तरफ से कुछ नही कहा है। मैने तो यह कहा है कि डी0 सी0 और एस0 पी0 ने मुझे बताया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आज यह मुख्य मंत्री है, भजन लाल नही है। इसलिए मुख्य मंत्री की तरफ से स्टेटमैंट आई है, कोई पर्सनल स्टेटमैंट नही आयी है। इसके अलावा एक तरफ तो प्रिविलेज मो ान आपके पास है और आपने कहा है कि वह अंडर कंसीड्रेसन है लेकिन दूसरी तरफ इन्होने कहा है कि तीन दिन में जांच रिपोर्ट आ जायेगी। इसलिए मै उस प्रिविलेज मो ान का फैट आपसे जानना चाहता हूं। यदि इनके डी0 आई0 जी0 की तरफ से कोई रटी–रटाई या कनकौक्टिड रिपोर्ट आ गयी तो क्या वह प्रिविलेज मो ान खत्म हो जाएगा? इस बारे में मै आपकी राय जानना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि हम पहे गवर्नमैट के कमैंट्स लेंगे, उसके बाद अपना डीसीजन लेंगे।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि पहले चार–पांच या छः दफा श्री किताब सिंह मलिक चूंकि उस एस0 एच0 ओ0 की ि ाकायत कर चुके थे इससे इन्हे यकीन नही होता है कि ऐसा कोई वाक्या हुआ होगा। यह तो इस बात को साबित करता है कि यदि चार या पांच दफा श्री किताब सिंह मलिक ने मुख्य मंत्री जी से ि ाकायत की है तो यह बात बिल्कुल जंच जाती है कि उसका मुहं बंद करपे के लिए पैसे देने की कोि ा ा की। अगर किताब सिंह मलिक पैसे लेता तो वह देता ही देता। इसके अलावा * * * * * * तो उनको किताब सिंह मलिक को पैसे देने में क्या दिक्कत हो सकती थी? लेकिन किताब सिंह मलिक में बीमारी यही है कि यह सच्ची लडाई लडे बगैर रहता नही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने बहुत ऐतराज वाली बात कही है * * * * * * इसको हाउस की कार्यवाही से निकलवाया जाये।

श्री अध्यक्षः इसको ऐक्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आदमी को ठीक बात करनी चाहिये। (विघ्न) आप एक भी ऐसे थाने का नाम

बताइये * * * * * फिर या तो आप इस्तीफा दे देना या मै इस्तीफा दे दूंगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह तो इस बात का सबसे बडा सबूत है कि वह थानेदार गलत चलता है और उसने ही यह हरकत की है तथा मुख्य मंत्री जी उसको डिफैंस कर रहे है और यह भी कह रहे है कि उसकी इंकवायरी डी0 सी0 और एस0 पी0 को दी दी थी। जबकि डी0 सी0 और एस0 पी0 यह कह रहे है कि किताब सिंह मलिक की मैम्बरि ाप खत्म की जाये तो ऐसे अफसर क्या इंक्वायरी करेंगे? मै तो यह जानना चाहता हूं कि उसको कहां की लाइन में हाजिर किया गया है या लाइन में हाजिर किया भी गया है या नही किया गया है, इस बारे में मुख्य मंत्री जी बतायें?

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन को एक 20 तारीख का वाक्य बताना चाहता हूं कि मेरे साथी श्री कर्ण सिंह दलाल ने पलवल में मस्जिद के सामने वाली जमीन पर रातो–रात कब्ज कर लिया है और मौके पर उसके चारो तरफ दीवार भी कर दी है। इसके लिए पलवल भाहर में इनके खिलाफ नारेबाजी भी हुई है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः इसका इससे चूंकि कोई ताल्लुक नही है इसलिए राम रत्न जी आप बैठिये।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री किताब सिंह द्वारा

श्री किताब सिंहः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान, सर। मुख्य मंत्री जी ने यह कहा है कि किताब सिंह ने उस एस0 एच0 ओ0 की कई बार ि ाकायत की। स्पीकर साहब, मैने कोई ि ाकायत उस एस0 एच0 ओ0 की नही की। हां, एक बात एक ऐफिडेविट श्री रघुबीर सिंह जी ने उसके खिलाफ मुझे जरुर दिया था जो मैने मुख्य मंत्री जी को दिया था क्योंकि वह मेरा फर्ज बनता था। मुख्य मंत्री जी ने यह कहा कि किताब सिंह ने ग्रिवैंसिज कमेटी में सारे अधिकारियो पर यह आरोप लगाया कि यह भी पैसा खाता है, वह भी पैसा खाता है। यह बिल्कुल गलत बात है। सब से बउी बात यह है कि प्रताप सिंह, जो गोहाना का रहने वाला है, उसके बारे में ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग में यह फैसला हुआ था कि कोई आई. ए0 एस0 अधिकारी प्रताप सिंह टीचर की अरैस्ट के केस की इन्कवायरी करेगा। इसके अलावा दो वकीलो ने जो ऐफिडेविट उस एम0 एल0 ए0 के खिलाफ दिया था, उसके बारे में उन्होने मुझे बताया कि जब उसे अरैस्ट करवाने वे तहसीलदार के पास गये थे तो उसने उसे अरैस्ट करने से इंकार कर दिया था। उसके बाद वे एस0 डी0 एम0 साहब के पास गए तो उसने भी इंकार कर दिया। उन्होने मेरे से पूछा कि अब हम कहां जायें? जब उन्होने कहा तो मैने भी सी0 एम0 साहब से यह पूछ लिया। इन्होने यह कहा था कि इन्कवायरी करेंगे। उस इन्कवायरी का क्या हुआ है? अब इन्होने यह कहा है कि

इन्कवायरी हो रही है। लेकिन मै जानता हूं कि कैसे इंकवायरी हो रही है? आज चार महीने हो गये है अब तक तो कुछ हुई नही है अब आगे क्या होगी?

समितियो की रिर्पोट्स पे ा करना

(i) पब्लिक आकऊंटस कमेटी की 33वीं तथा 35वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Hon'ble members, now Shri Rajinder Singh Bisla Chairman, Committee on Public Accounts, will present the Thirty Third Report of the Committee for the year 1991-92, on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1986-87.

Shri Rajinder Singh Bisla(Chairman Committee on Public Accounts): Sir, I beg to present the Thirty Third Report of the Committee on Public Accounts for the year 1991-92 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the year 1986-87.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Shri Rajinder Singh Bisla, Chairman, Committee on Public Accounts, will present the Thirty Fourth Report of the Committee for the year 1991-92 on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1986-87 (Civil and Revenue Receipts.)

Shri Rajinder Singh Bisla (Chairman Committee on Public Accounts): Sir, I beg to present the Thirty Fourth Report of the Committee on Public Accounts for the year 1991-92, on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1986-87 (Civil and Revenue Receipts).

(ii) कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरेंसिज की 23वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now shri Verender Singh, Chairman, Committee on Government Assurances, will present the Twenty Third Report of the Committee for the year 1991-92.

Chaudhri Verender Singh (Chairman, Committee on Government Assurances): Sir, I beg to present the Twenty Third Report of the Committee on Government Assurances for the year 1991-92.

वर्श 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker Hon'ble Members, now discussion and voting on the demands for grants on budget for the year 1992-93 will take place.

As per the previous practice and in order to save the time of the House all the demands for grants on the order paper will be deemed to have been read and moved together. Hon'ble members can discuss any demand but they are to indicate the demand no. on which they wish to raise discussion.

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 1 Vidhan Sabha.*

That a sum not exceeding Rs. 475779000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1992-93 in respect of charges under *Demand no.2- General Administration*.

That a sum not exceeding Rs. 1390631000 for revenue expenditure and Rs. 45600000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.3 Home*.

That a sum not exceeding Rs. 383275000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.4 Revenue*.

That a sum not exceeding Rs. 115196000 for revenue expenditure and Rs. 1735000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 5 Excise & Taxation*.

That a sum not exceeding Rs. 873604000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 6 Finance*.

That a sum not exceeding Rs. 2227541000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 7 Other Administrative Services*.

That a sum not exceeding Rs. 659924000 for revenue expenditure and Rs. 691294000 for capital

expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.8 Buildings and Roads.*

That a sum not exceeding Rs. 4173416000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 9 Education.*

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 10- Medical and Public Health.*

That a sum not exceeding Rs. 122326000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 11 Urban Development.*

That a sum not exceeding Rs. 246679000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 12 Labour and Employment.*

That a sum not exceeding Rs. 1673668000 for revenue expenditure and Rs. 26607000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 13 Social Welfare and Rehabilitation.*

That a sum not exceeding Rs. 58050000 for revenue expenditure and Rs. 1672611000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 14 Food and Supplies*.

That a sum not exceeding Rs. 2614243000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 15 Irrigation*.

That a sum not exceeding Rs. 240497000 for revenue expenditure and Rs. 91746000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 16 Industries*.

That a sum not exceeding Rs. 921051000 for revenue expenditure and Rs. 4150000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 17 Agriculture*.

That a sum not exceeding Rs. 304820000 for revenue expenditure and Rs. 13000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 18 Animal Husbandry*.

That a sum not exceeding Rs. 44325000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 19 Fisheries*.

That a sum not exceeding Rs. 523539000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 20 Forest*.

That a sum not exceeding Rs. 671116000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 21 Community Development*.

That a sum not exceeding Rs. 434685000 for revenue expenditure and Rs. 103030000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 22 Co-operation*.

That a sum not exceeding Rs. 1910827000 for revenue expenditure and Rs. 359800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 23 Transport*.

That a sum not exceeding Rs. 2276000 for revenue expenditure and Rs. 15000000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 24 Tourism*.

That a sum not exceeding Rs. 2584072000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1992-93 in respect of charges under *Demand no. 25 Loans and Advances by State Government.*

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): स्पीकर साहब, हमारे सामने जो बजट डिमांडज है, मै इनके बारे में अलग अलग तो नही कहूंगी, मै तो सब के बारे में इकट्ठी ही बात करुंगी। स्पीकर साहब, सब से पहले तो मै यह कहना चाहती हूं कि जितना पैसा किसी डिपार्टमैंट को दिया जाता है वह सारा पैसा साल के अखिरी में यानी फरवरी और मार्च दो महीनो में खर्च किया जाता है। वह पैसा अप्रैल से जनवरी तक खर्च नही होता। इसका नतीजा यह होता है कि वह पैसा ठीक प्रकार से खर्च नही होता। वह पैसा जल्दी जल्दी में खर्च किया जाता है। कही सीमेन्ट खरीद लिया, कही लोहा खरीद लिया, कही रोडी खरीद ली और कही कोई दूसरा सामान खरीद लिया। इसका मतलब यह है कि यह पैसा किसी भी कंस्ट्रक्टिव काम पर खर्च नही होता। जब फाईनैंस मिनिस्टर या मुख्य मंत्री जी जवाब दे ंतो मै इनसे यह जानना चाहूंगी कि अप्रैल से जनवरी तक कितना पैसा खर्च होता है और फरवरी से मार्च तक कितना पैसा खर्च होता है। मेरा कहना तो यही है कि यह पैसा जल्दी जल्दी में खर्च होता है, जो कि ठीक तरह से खर्च नही होता। मै तो यहां तक कहूंगी कि ज्यादातर पैसा वेस्ट जाता है। स्पीकर साहब, अब मै ि ाक्षा के बारे में कहूंगी। स्पीकर साहब, आज ि ाक्षा का बहुत बुरा हाल है। चण्डीगढ की तो मै बात नही करती क्योंकि यहां पर सरकारी स्कूलो का स्टैण्ड ठीक है और सरकारी कर्मचारी अपने बच्चो को

इन स्कूलो में पढाते है लेकिन हमारे प्रान्त में जो स्कूल है चाहे वह डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर है या सब–डिविजन लैवल पर है उनका स्टेण्डर्ड बहुत गिरा हुआ है। ि ाक्षा अधिकारी तक सरकारी स्कूलो में अपने बच्चो को पढने के लिए नही भेजते दूसरे सरकारी मुलाजिमो की तो बात ही क्या है। वे तो अपने बच्चो को बिल्कुल ही सरकारी स्कूलो में पढने के लिए नही भेजते है। जब सरकारी मुलाजिम ओर ि ाक्षा अधिकारी ही अपने बच्चो का इन स्कूलो में नही भेजते तो फिर ि ाक्षा का स्तर कैसे सुधर सकता है। सरकार ि ाक्षा पर जो खर्च कर रही है उसका उचित उपयोग नही हो रहा है। मै जवाहर लाल नेहरु की मैकाले से तुलना करती हू। मैकाले चाहता था कि भारत में ऐसी ि ाक्षा दी जाए जो क्लर्क बनाएं। आज भी उसी तरह की ि ाक्षा दी जा रही है जिससे कि दे ा में बच्चे ि ाक्षा पाकर क्लर्क बने। स्पीकर साहब, हमने आज एम काल अटैं ान मो ान ि ाक्षा के बारे में दिया था लेकिन आपने उसको एडमिट करने की मेहरबानी नही की। स्पीकर साहब, आज एजुके ान बोर्ड का जो चेयरमैन लगा रखा है उसकी ि ाक्षा में कोई रुचि नही है। आज उसकी सबसे ज्यादा ि ाकायतें है। यह पैसे लेकर सारे पर्चे आउट करता है। स्पीकर साहब, रोज भााम को पर्चे आउट हो जाते है। वह बच्चो का भविश्य खराब कर रहा है। उसके खिलाफ इंकवायरी करके कार्यवाही करनी चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे यहां जो छोटी सी जगह है वहां पर कोई अध्यापक नही है। स्पीकर साहब, आज जो ब्राचं स्कूल है वे नही होने चाहिए। ब्रांच स्कूल हाई स्कूल के नीचे होते है। स्पीकर

साहब, मै यह भी कहना चाहती हूं कि न तो टीचर्ज ब्रांच स्कूलो मे जाते ै और न ही हाई स्कूलो में जाते है। यह जो ब्रांच स्कूल खोल रहे है, यह बिल्कुल नाम के ब्रांच स्कूल है। मेरे हलके में तो बहुत ज्यादा ब्रांच स्कूल है। हो सकता है कि दूसरे हल्को में भी हों। इसलिये मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि इन सभी ब्रांच स्कूलो को फुल स्कूलज में परिवर्तित कर दिया जाए। ि ाक्षा मंत्री महोदया यहा ंपर नही बैठी है। मुख्य मंत्री महोदय यहां पर बैठे है मै उन से रिकवैस्ट करुंगी कि इन ब्रांच स्कूलो को फुल स्कूलो में परिवर्तित करने का यत्न करें ताकि ि ाक्षा का स्तर ऊंचा उठ सके।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप नकल के बारे में आज ही कह लो। आपका कालिंग अटैं ान मो ान भी इस बारे में है।

श्रीमती चन्द्रावतीः ठीक है अध्यक्ष महोदय, आज भी कहूंगी और जब आप मेरा कालिंग अटैं ान मो ान एडमिट कर लेंगे, तब भी कहूंगी। यह सबजैक्ट इतना जरुरी है कि सरकार को उस पर स्टैण्ड लेना चाहिए और गुनाहगार लोगो के खिलाफ जांच भी होनी चाहिये।

स्पीकर साहब, अब मै टैक्नीकल ऐजुके ान के सम्बन्ध में भी कुछ कहना चाहूंगी। इसी सम्बन्ध में, मैने पीछे एक सवाल भी पूछा था जिसका उतर देते हुए मंत्री महोदय ने गलतब्यानी की थी। मै तो यही कहना चाहतीहूं कि किसी भी आई0 टी0 आई0 में

म ीनरी नही है। आप रोहतक का ही देख ले वहां पर कोई म ीनरी नही है और महेन्द्रगढ का तो मुझे व्यक्तिगत रुप से पता है कि वहां पर आई0 टी0 आई0 मे कोई म ीनरी नही है। किताबे बे ाक बच्चो को पढा दो लेकिन प्रैक्टीकल नोलिज भी बच्चो के लिए बहुत जरुरी है जो कि नही दी जा रही है। बच्चो की ट्रेनिंग इस तरह होनी चाहिए ताकि बच्चे ट्रेनिंग लेने के बाद कोई न कोई अपना धन्धा भ ुरु कर सके। इससे बेकारी दूर होगी। अध्यक्ष महोदय, आई0 टी0 आई0 संस्थाएं इसलिए खोली जाती है कि वहां से बच्चे अपनी ि ाक्षा प्राप्त करने के बाद कुछ कमाने के लायक हो जाएं। इसलिए सरकार को बच्चो की टैक्नीकल ि ाक्षा की ओर वि ोश ध्यान देना चाहिए।

इस से आगे मै यह कहना चाहूंगी किया तो 10+2 के स्कूला नही होने चाहिय और अगर हो तो जितने भी हायर सैकेण्डरी स्कूलज है उन सब में 10+2 का सिस्टम इंट्रोडयूस होना चाहिए। इसलिए मेरी रिकवैस्ट है कि सभी हायर सैकेण्डरी स्कूल्ज़ को 10+2 में परिवर्तित कर दिया जाए। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै पानी के बारे में यह कहना चाहूंगी कि पीने के पानी की बहुत कमी है। हमारे इलाके में पीने का पानी नही है और इन सब के लिए यह कहा जाता है कि यह सब तो पिछली सरकारो की ही गलती है। अरे भाई हम पिछली सरकारो की गलतियो को तो अब तक भुगत रहे है। पिछे कांग्रेस

का ही राज रहा है। पिछली सरकारो की गलतियो से ही आज दे ा इस स्थिती पर पहुंचा है कि आज हम घरो से बाहर अगर जाते है तो पता नही होता कि वापिस भी आएंगे या नही? मेरा सरकार से अनुरोध है कि पिछे जो गलतियो सरकारें करती रही है उनको न दोहराया जाए तो अच्छा है, इसी में लोगो की और सरकार की भलाई है। उपाध्यक्ष महोदय, हमें तो आगे की ओर देखना चाहिए कि हमे आगे क्या करना है? पिछली सरकार की गलतियो को हमे ठीक करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मै पानी के बारे में कह रही थी। सारा पानी नहरो के ऊपर डिपैंड करता है ओर नहरो में पानी कम है। पहले कम से कम जोहडो में प ु पानी तो पीते थे। आबादी बढ जाने के कारण जोहड गांव के बीच में आ गये। कंसोलिडे ान हो गई और जोहडो के लिए कोई जगह नही रही। इस दे ा के अंदर अगर बरसात के पानी को भी प्लानिंग कमी ान इकट्ठा करवाए तो पानीकी कमी नही रह सकती लेकिन जिस हिसाब से जंगल कट रहे है अगर उसी हिसाब से ये चलते रहे तो इस दे ा की नदियां भी सूख जांएगी। हमारे यहां आप यमुना को ही देख लो, सारी सूखी पडी है। इसका कारण यह है कि पेडो का कटना मुतवातिर जारी है। अतः सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिये।

इससे आगे अब मै बिजली और ट्रांसपोर्ट की बात कहना चाहूंगी। यह दोनो अदायरे ही आज घाटे में चल रहे है।सरकार की इस ओर ध्यान देना चाहिये ताकि बिजली की चोरी

न हो लेकिन सरकार स्वयं बिजली की चोरी करवाती है। इसी सम्बन्ध मे ंपीछे मुख्य मंत्री महोदय ने दो एस0 डी0 ओ0 ओर एक एक्सीअन सस्पैंड भी किये है। सुना है कि वे फरीदाबाद और गुडगांव के इंडस्ट्रीयलिस्टो को बिजली की चोरी करवाते थे और साथ में सरकार को भी वे लोग 10–15 लाख रुपया मन्थली देते थे। उपाध्यक्ष महोदय, अगर सरकार चाहे तो कोई चोरी नही कर सकता। मै समझती हूं कि हरियाणा में बिजली की चोरी बहुत ज्यादा मात्रा में होती है। मैने सुना है कि साढे उनत्तीस परसैन्ट बिजली अन अकाउंटिड फार है, उसका कोई हिसाब नही किया जाता है। इंजीनियर्ज ही नही, मै चाहती हूं कि मुख्य मंत्री ओर बिजली के मंत्री इस बात का जवाब देंगे कि बिजली कहां जाती है। आज किसान जो दे ा के लिए अन्न पैदा करता है उसको चार चार साल तक टयूबवैल के कनैक ान के लिए इंतजार करना पडता है चूंकि सरकार की मिली भगत से बिजली की चोरी होती है और वह चोरी इनकी जेब में जाती है। बजट स्पीच में कहा गया था कि हम फरीदाबाद और पानीपत में यूनिटस को बढा रहे है। कल यहां आते वक्त मै पानीपत होते हुए आई थी। वहां के थर्मल प्लांटस यूनिट जले पडे है। तो उनको तो आप चालू करवाएं क्योंकि बिजली के बिना आज का समाज नही चल सकता। वैलफेयर स्टेट का मतलब ही बिजली है। पंजाब और हरियाण के बंटवारे के वक्त दो थर्मल प्लांट उनके हिस्से में आये थे और दो फरीदाबद और पानीपत वाले हमारे हिस्से में आए थे। पंजाब वालो ने तो प्लांटस पूरे करके दो और भी बना लिए है लेकिन हमारे दो

भी पूरे नही हुए। तो मै चाहती हूं कि उनको पूरा करके हमारी जितनी भी बिजली की रिकवायरमैंट है उतनी बिजली उत्पादित की जाए ताकि लोगो को बिजली की कमी न रहे। बिजली की चोरी भी बिजली कम होने की वजह से होती है। अगर बिजली ज्यादा होगी तो लोग इसकी चोरी नही करेंगे। अब चोरी खुद सरकार करवाती है। ट्रांसपोर्ट के बारे में मै कहना चाहती हूं कि इसमें तो सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है। इसी सै ान के दौरान छः बार यह कहा गया कि पिछली सरकार ने बसें जलाई। सरकार के हाथ बहुत लम्बे होते है, जिन्होने बसें जलाई थी, उनका पता लगा कर सरकार उनको सजा दिलाए। जो भी सरकारी सम्पत्ती को खराब करता है, आप उन लोगो के खिलाफ क्रीमिनल मुकदमा चलांए। उनको वही सजा होनी चाहिए जैसे किसी को आग लगाने के जुर्म मे ंआई0 पी0 सी0 के तहत सात साल की सजा दी जाती है। बसें तो खुद ही कमाती है, आज इसमें भी अगर सरकार को घाटा है तो वह चोरी की वजह से है। कई लोग कहते है कि कंडक्टर चोरी करते है। कंडक्टर कितनी चोरी कर सकते है क्योंकि उनके ऊपर तो इन्सपैक्टर, चीफ इन्स्पैक्टर और फलाइंग स्कवैड होती है। असल चोरी टायर्ज में, बोडी बिल्डिंग में और स्पेयर पार्टस में होती हे। (ाोर एवं विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः मेरी सभी सदस्यो से दरख्वास्त है कि जब तक बहन जी बोले कोई बीच में न बोले।

श्रीमती चन्द्रावतीः उपाध्यक्ष महोदय, इसके आगे मै यह कहना चाहती हूं कि कुछ चीजें बेहद वेस्ट जाती है। उनका वेयर हाउसिज में रख–रखाव ठीक से नही किया जाता। उस वजह से वह चीजें खराब हो जाती हे। मै चाहती हूं कि ऐसा नुकसान/ अफसर इंचार्ज के जिम्मे लगाना चाहिये चाहे आपके वेयर हाउसिंग हो ओर चाहे आपके सरकारी इम्पोरियम हो। लेकिन मुझे एक बात की बडी खु ाी हुई थी कि जब मै पानीपत गई थी तब मैने पानीपत के अपैक्स को दखा था। वह बडी अच्छी तरह से मैंटेन किया हुआ है। उस अपैकस से कई बार हम चादरे वगैरह ले कर जाते है। उस अपैक्स की भााियद कोई महिला चेयरमैन बनाई हुई है इसी वजह से उस अपैक्स मैं चीजे अच्छी तरह से रखी हुई है। पानीपत अपैक्स की इस महिला के चेयरमैन होने से पहले जब हम उस अपैक्स से कोई चीज खरीदने के लिए जाते थे तो उस समय हमने देखा है कि उसका कपडा वगैरह इधर उधर पडा रहता था। उसकी कोई भी चीज सही ढंग से रखी हुई नही होती थी लेकिन अब ठीक ढंग से रखी हुई है। यदि सरकार कोई अच्छा काम करती है तो उसको अच्छा कहने में कोई बुराई नही है। चण्डीगढ का जो इम्पोरियत है उसमें ठीक ढंग से कपडा वगैरह रखने की जिम्मेदारी वहां के स्टाफ की है।

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। बहन चन्द्रावती जी बडे भाानदार ढंग से डिमांडज पर बोल रही है लेकिन इस समय न खुद मुख्य मंत्ररी जी हाउस में

बैठे है और न ही उनके पीछे बैठने वाले मंत्री बैठे हुए है यानी उस तरफ की सारी लाइन ही खाली पडी हुई है। उनको यहां हाउस में बैठ कर बहन चन्द्रावती की बातें सुननी चाहिए।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को ऐसी बात नही कहनी चाहिए कि कोई मंत्री हाउस में नही बैठा है। हम यहां पर बैठे है और बहन चन्द्रावती जी की सारी बाते सुन रहे हे। हम उनकी हर बात का जवाब देंगे।

साथी लहरी सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः लहरी सिंह जी आप एक मिनट के लिए बैठ जाएं। चौधरी अमर सिंह जी जो सवाल आपने किया है, उसके बारे मे मै आपको बताना चाहूंगा कि इस समय बजट की डिमांडज पर बहस चल रही है और वित्त मंत्री जी हाउस में बैठे हुए है, ये सारे सवाल का जवाब देंगे। There is no derth of the persons for giving the reply.

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर) * * * * * * * हमारी बातें मुख्य मंत्री जी को सुननी चाहिएं। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, आप माननीय सदस्य श्री लहरी सिंह जी को कहे कि ये अपने बोलने के ढंग ठीक रखें। जितने ये काबिल है उसके बारे में सभी को अच्छी

तरह से पता है। सारे हाउस ने इनको कंडेम किया है इसलिए इनको अपने बोलने के ढंग को ठीक रखना चाहिए। (ाोर) It is very bad on his part,

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, * ** * ** * ** * (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, एक अनपढ ड्राईवर यहां हाउस में ऐसी बात कहता है जो ठीक नही है। (ाोर)

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, * ** * ** * ** * (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: The reference pertaining to the performance of the Finance Minister will go out of the record.

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, आपसे मेरी दरख्वास्त है कि माननीय सदस्य श्री लहरी सिंह को आपने हाउस में बोलते हुए देखा होगा। श्री लहरी सिंह जी केवल अपने हल्के के हरिजनो की ही वोट लेकर चुनाव जीत कर नही आए है। ये हमे ाा सदन में हरिजनो के सिवाय और कोई दूसरी बात नही करते। ये जो भी बात कहते है वह हरिजनो के बारे में ही कहते है। इनको अपने हल्के की जो भी डिमांडज है वे सदन के सामने रखनी चाहिए। (ाोर)

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने कहा कि मै अपने हलके के बारे में कोई बात नही कहता और इन्होने यह भी कहा कि लहरी सिंह ड्राईवर है। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, श्री लहरी सिंह बहुत पहले ड्राईवर थे (ाोर)

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै तो आज भी ड्राईवर हूं और मुझे फख्र है कि मै कमा कर रोटी खाता हूं इनकी तरह से * * * * * * * की रोटी नही खाता हूं। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: That will go out of the record.

श्रम तथा रोजगार मंत्री (चौधरी कृश्णमूर्ति हुड्डा): डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री लहरी सिंह जी बार बार उठ कर बोलने की आदत पड चुकी है और ये इस तरह से बार बार उठ कर सदन की गरिमा को खराब करते है। आप इनको समझाएं। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: Hudda Sahib, please take your seat now. You have made out your point.

साथी लहरी सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै ड्राईवर आज भी हूं। मै रोटी कमा कर खाता हूं। मै सट्टे वालो की कमाई मांगे राम गुप्ता की तरह नही खाता। (ाोर)

चौधरी चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, मै रख रखाव के बारे में बात कर रही हूं। चाहे सीमेंट है या दूसरी चीजे है

उनके रख–रखाव की तरफ कोई ध्यान नही दिया जाता। ऐसे सामान की एकाउंटेबिलिटी नही रखी जाती। टनो सीमेंट खराब होती है। सभी को पता है कि अगर सीमेंट को पानी लग जाए तो वह खराब हो जाता है। इसी प्रकार से चाहे गेहूं है या चावल है वह भी टनो में खराब किया जाता है। मेरा सुझाव है कि जिस प्रकार से पहले अनाज को सुरक्षित रखा जाता था, उसी प्रकार स अब भी रखने का प्रबन्ध किया जाए। आजकल हम गेहूं में या चावलो में जो कीटना ाक दवाई रखते है उससे कैंसर पैदा होता है। इन चीजो में कीटना ाक दवाईयो के इस्तेमाल नही होना चाहिए खासकर जो एग्रीकल्चर की आइटमें है उनमे तो इन कीटना ाक दवाईयो का इस्तेमाल नही होना चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै छोटे उद्योगो के बारे में कहना चाहती हू। इस बजट में छोटै उद्योगो के बारे में कोई जिक्र नही किया गया है। अनएम्पलायमैंट तभी दूर हो सकती है जब छोटे उद्योग लगाये जायेगे जमीन कोई रबड तो है नही कि उसको बढा कर उस पर खेती की जा सके। आबादी लगातार बढ रही है। आज के दिन 80 प्रति ात लोग खेती पर काम करते है। सरकार की यह नीति होनी चाहिए कि 80 प्रति ात दूसरा काम छोटे छोटे उद्योगो में करे और 20 प्रति ात लोग खेती पर काम करें। लोग छोटे छोटे उद्योगो से अपना बिजनेस भाुरु करेगे तभी बेकारी दूर हो सकती है वरना बेकारी दूर नही हो सकतीः हथीन में जो सीमेंट फैक्टरी है उससे वातावरण में बहुत अधिक पोल्यू ान फैल

रहा है। सीमेंट की काफी मोटी मोटी तहे वहा जम जाती है। एक बार केन्द्र में श्री अजीत सिंह जी उद्योग मंत्री थे तो उस समय सीमेंट के उद्योगो पर पोल्यू ान प्लांट लगाने की चर्चा हुई थी लेकिन वह स्कीम बाद में बंद हो गई लगता है। एक कीटना ाक दवाईयो की जो फैक्टरी है उससे भी लोगो को और खासकर किसानो को बडी भारी परे ाानी होती है। इसी वजह से एक किसान जहां पर एक कीटना ाक फैक्टरी लगी हुई है डेढ महीने से धरने पर बैठा हुआ है। वह भी जमीन को तो खराब करती ही है साथ ही पोल्यू ान भी फैलाती है। वहां पर इस फैक्टरी मे मजदूर बीमार हो जाते है कुछ की मृत्यु हो जाती है तो कुछ वहां से चले जाते है। जो पोल्यू ान बोर्ड के इंचार्ज है, वे वहा ंपर लीपापोती करके आ जाते है क्योंकि वे वहां पर जाते तो जरुर है लेकिन फैक्टरी वाले उनकी अच्छी खातिर कर देते है इसलिए वे उस पर कोई ऐक ान नही लेते। आपको पता है कि पानीपत, गुडगांव और यमुनानगर में बहुत अधिक फैक्टरीयां है। इन भाहरो में इन की वजह से इतना पोल्यू ान फैल रहा है कि आने वाले दिनो में वहां पर कोई रह नही सकेगा क्योंकि वहां पर पोल्यू ा नही इतना ज्यादा हो जायेगा। मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह अर्ज है कि वहां पर ट्रीटमैंट प्लांट लगाये जाने चाहियें। ये ट्रीटमैंट प्लांट उन फैक्टरीयो के लिए लगाने मु कल भी नही है क्योंकि करोडो रुपये का मुनाफा कमाते है। दादरी में जो फैक्टरीयां लगी है वे भी बहुत अधिक पोल्यू ान फैला रही है। वहां पर एक फैक्टरी जो कीटना ाक की लगी हुई है वह 50–60

हजार रुपया रोज मुनाफे का कमाती है। मेरे कहने का मतलब यह है कि ट्रीटमैंट प्लांट हर फैक्टरी मे लगना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, वहां पर एक वुलन मिल लगा हुआ है। अगर वहां पर एक दो कर्मचारी हो तो पता नही वैसे वह वूलन मिल बन्द पडा है और वहां पर किसी भी तरह का कोई काम नही हो रहा है। वह वुलन मिल कच्चे माल की ज्यादा से ज्यादा सप्लाई करके चलती हालत में करना चाहिये। (घण्टी) डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै इरीगे ान के बारे मे थोडी सीबात कहना चाहती हूं। जो नहरे है व अटी पडी है, टेल पर पानी नही जाता है। बाढडा–लोहारु के पास नहर पर जो पूल है वह टूट गया है और आने–जाने में लोगो को बहुत दिक्कत हो रही है। इस पूल को जल्दी से जल्दी ठीक करवाया जाये। कुछेक जो ईमानदार अफसर है उनका भाोशण किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, बी0 आ0 छिकारा एक ईमानदार एस0 डी0 ओ0 ओफसर है। उसके फादर फ्रीडम फाईटर रहे है ओर उनकी मदर को पैं ान भी मिलती है। उस एस0 डी0 ओ0 को दादरी में पोस्ट किया हुआ है लेकिन उसको कोई भी महकमा नही दे रखा है, उस को कोई काम नही दे रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह से ईमानदार अफसरो का ऐक्सप्लायटे ान होता रहा, उन को तंगा किया जाता रहा और उनको मैंटली टोरचर किया जाता रहा तो उनमें ईमानदारी से काम करने का जज्बा नही रहेगा। ये चौधरी सुरज मल जी जो हमारे एम0 एल0 ए0 है, उनके परिवार में ब्याहे हुए है। अगर फ्रिडम फाईटर फैमली के एक ईमानदार अफसर को इस तरह से खुड्डे–लाईन लगया

गया और ईमानदार अफसरो को जगह जगह ट्रांसफर किया गया तो जो ईमानदार अफसर है उन्हे बडी निरा ाा होगी और जो बेईमान फसर है उनकी बन जाएगी। कोई भी बेईमान अफसर कोई भी राज आए उसके अनुसार खुद को ढाल लेते है क्योंकि उन्हे इसका ढंग आता है। वे नाजायज पैसा इकट्ठा कर लेते है और किसी भी सरकार के करप्ट मिनिस्टरो को देते है और उन से काम करवाते है। डिप्टी स्पीकर सर, मै यहां पर यह कहना चाहती हूं कि एडमिनिस्ट्रे ान को सही ढंग से चलाने के लिए जो ईमानदार और ऐफि ायैन्ट अफसर है उनको बढावा दिया जाना चाहिये। (विघ्न एवं घण्टी) डिप्टी स्पीकर साहब, मै थोडा सा समय ओर लेना चाहूंगी। मै गावो के बारे में कुछ कहना चाहती हूं।

श्री उपाध्यक्षःअब आप वाईंड अप करये।

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, बीच में इन्ट्रप ान्ज के कारण मेरा टाईम खराब हुआ इसलिए मै थोडा सा और समय लूंगी। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि गावो में सडके भी बनाएंगे और गावों की गलियो को भी पक्का करेंगे, अगर ऐसा हो जाएगा तो बहुत अच्छी बात होगी।गावों में मच्छर और मक्खियां बहुत ज्यादा है अगर उनको मरवा दे ंतो यह बहुत ही अच्छा काम होगा। मच्छर और मक्खियो की वजह से बिमारियां फैलती है अगर ये मर जाएं तो लोगो की सेहत ठीक होगी। बहुत से गावों में पीने का पानी नही है लेकिन गलियो में गढ्ढो में पानी खडा रहता है। जहां पर मच्छर और मक्खियां पैदा होते है और गन्दगी भी फैलती

है। अगर उस गंदे पानी को ट्रीट कर दिया जाए तो गावों के लिए बहुत अच्छी बात होगी। जिन गावों मे पीने का पानी मुहैया नही होता है वहां पर पीने का पानी उपलब्ध करवाने का प्रबन्ध किया जाए। गावों की तो बात ही क्या करनाल और पानीपत जैसे भाहरो में भी मच्छरो और मक्खियो की भरमार है। आप वहां पर चल नही सकते। आखं मे और सांस तक में मच्छर घुस जाते है। इसी तरह से सारा हरियाणा नरक बना हुआ है। कम से कम इसको तो ठीक किया जाना चाहिये। (घण्टी) डिप्टी स्पीकर साहब, मै गावो में बस–स्टैण्डो के बारे में और कहना चाहती हं। गावों मे ज्यादा से ज्यादा बस–स्टैण्ड बनाए जाएं। (विघ्न) पढे–लिखे लोगो में हमारे यहां बहुत से एम0 एस0 सी0 के स्टुडेण्टस है चाहे वे फिजिक्स के हो चाहे कैमिस्ट्री के हो और चाहे बायोलोजी के हो, उनके लिए रिसर्च के लिए लैबोरेट्री की आव यकता होती है जहां पर वे अविश्कार कर सके। नये अविश्कार होने से लोगो को ज्यादा काम भी मिलेगा। सैंट्रल प्लानिंग में इस तरह का प्रावधान है कि स्टेट में लैबोरेट्री हो ताकि हमारे ब्रिलियैन्ट स्टुडैंटस और बच्चे रिसर्च कर सके तथा हम अपने ही दे ा में अच्छे वैज्ञानिक बना सके और हमारे लोगो को लैबोरेट्रीज न होने के कारण विदे ा न जाना पडे। उपाध्यक्ष महोदय, जिन लोगो को भाशा अंग्रेजी रही हे वे अंग्रेजी को ही बढावा देना चाहते है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री उपाध्यक्षः चन्द्रावती जी अब आप बैठिये। आपका समय खत्म हो गया है।

श्रीमती चन्द्रावतीः ठीक है जी, धन्यवाद।

श्री पीर चन्द (रतिया): उपाध्याक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसलिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे न तो बजट पर और न ही राज्यपाल के अभिभाशण पर बोलने का मौका मिला था। अब आपने मुझे डिमाण्ड पर बोलने के लिए मौका दिया है। मै सारी डिमाण्डज पर न बोलकर डिमाण्ड नं0 7,9,10,11,13,21 और 23 पर बोलना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, न तो बजट के अन्दर और न ही इन डिमाण्डज के अन्दर हरिजनो के उद्धार के प्रति कोई बात है। इस बजट के अन्दर किसी जगह किसी कारोबार के लिए, किसी ग्रांट के लिए उनकी कोई चर्चा नही है। इन डिमाण्डज में भी उनका कही जिक नही है और न ही उनका कही पर नाम है कि हरिजनो के लिए कोई काम होगा, यह बडे ही दुख की बात है। जब यह सरकार और मुख्य मंत्री जी कहते है कि हम गांधी जी के असुलो पर चलेंगे तो वे इस पर विचार करें और इस पर मांगे राम जी को भी सोचना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट के अन्दर इन्होने हरिजनो की सुविधा के लिए कोई काम नही किया है। अब ऐसे हालात में जब कि महंगाई का जमाना है और हरिजन कोई काम करना चाहता है तो उसके पास पैसे की कमी होती है। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजन कल्याण निगम के जो चेयरमैन है वह आज सारे हरियाणा के अन्दर डौंडी पिटता फिरता है कि हमें 22 करोड रुपया मिला है हमसे कर्ज लो। यह कांग्रेस पार्टी का कैंडीडेट था

और हार गया था। हारना जीतन तो पब्लिक के हाथो में है लेकिन ऐसा प्रचार करना तो ठीक बात नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को हरिजनो के विकास के लिए और उनको सुविधा प्रदान करने के लिए विचार करना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि बाबा साहब डा0 अम्बेडकर का स्टैच्यू पलवल के अन्दर तोड दिया गया है जोकि बहुत ही बुरी बात है और इसी तरह से रोहतक के अन्दर भी तोड दिया गया है। इस बारे में चर्चा है कि कांग्रेस के विधायम ने ये स्टेच्यूज तोडे है। उपाध्यक्ष महोदय, न तो रोहतक मे और न ही पलवल में सरकार ने इस मामले पर ध्यान दिया। अगर इसी तरह से वे स्टेच्यू तोडते रहे तो यह अच्छी बात नही। जिन्होने हिन्दुस्तान का विधान बनाया, हिन्दुस्तान की रुपरेखा बनाई उस भाख्स के स्टेच्यू तोड दिए जाए तो कितने भार्म की बात है। (ोम– ोम) अगर इसी तरह से मूर्तिया टूटने लग जाएगी तो फिर एक दिन महात्मा गांधी जी की ओर नेहरु जी की भी मूर्तियां टॅटने लग जाएंगी। सरकार पूरी दृढता के साथ मन बनाकर इस ओर ध्यान दे और अगर कोई ऐसा काम करता है तो उसको सजा दी जाए। दूसरे हमें हिसार के अन्दर स्टैच्यु बनाए दो साल हो गए है उस पर हमने डेढ लाख रुपया लगाया। पिछली सरकार ने यह कहकर मंजूरी दी थी कि कोर्ट के सामने उनकी मूर्ती लगनी चाहिए। लेकिन वहां के कर्मचारी वह जगह नही दे रहे है। दो साल होने को आ रहे है और वह स्टैच्यू वही पर रखा

हुआ है और उसके लिए उनको वहां पर गह देने में परे ाानी है। वहां के अफसरो को मै नही समझ पाता कि वे जगह क्यों नही दे रहे है। ग्रवैंसिज कमेटी में मैने मुख्य मंत्री जी के सामने यह बात रखी भी थी और इन्होने यह वि वास भी दिलाया था कि हम 3 महीने के अन्दर उसको लगा देंगे। तीन महीने भी हो गए है। मै नही समझ पाता कि तीन महीने हो जाने के बाद भी वह पत्थर आज तक क्यों नही लग पाया जबकि वहां पर जगह की भी दिक्कत नही है। हिसार के अन्दर मिनि सचिवालय के सामने काफी जगह है कोई भी रुकावट की बात नही है इसलिए इस को वहा ंपर लगाने में कोई दिक्कत नही है। मै आपके द्वारा सरकार से मुख्य मंत्री से कहूंगा कि उन्होने जो वायदा किया है उसको वह पूरा करें। इसके अलावा मुख्य मंत्री जी ने बताया था ि कवह 30 कर्मचारियो को प्रोमोट करके एच0 सी0 एस0 बना रह है इसके लिए हमें बडी खु ाी है कि ाप उनको नोमिनेट करेंगे। हमें कोई भी तकलीफ नही है। उनकी भी अधिकार है इसलिए उनको भी प्रोमो ान मिलनी चाहिये लेकिन मेरे कहने का मतलब यह है कि उसके अन्दर उन्होने साल का जिक नही कर रखा है कि कितने साल की कांफिडें ाल रिपोर्ट उसकी ठीक होनी चाहिये, चलो कोई बात नही है। लेकिन सवाल यह है कि हरिजनो और बैकवर्ड क्लासिज के लोगो की तो भाुरु मे ही कौंफीडें ाल रिपोर्ट खराब कर देते है। इसका मुख्य कारण यह होता है कि अफसर को कोई चाचा, ताऊ, भाई भतीजा या अन्य रि तेदार हरिजन या बैकवर्ड क्लासिज के लोगो के नीचे होता है इसलिए वह सोचता हैकि

इनको बढायेगे तो हमारा रि तेदार पिछे रहेगा। इसलिए इनकी रिपोर्ट की वजह से हरिजनो और बैकवर्ड क्लासिज लोगो का नम्बर प्रोमो ान में नही आ पाता। सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसला दिया था कि इनके लिए प्रोमो ान में रिजर्वे ान लागू होनी चाहिये। जब पंजाब और हरियाणा एक था तक यह फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। जबकि आज पंजाब में तो यह प्रोमो ान में रिजर्वे ान लागू है लेकिन हरियाणा में नही। मै तो कहता हूं कि अगर उन लोगो में अच्छे आदमी मिलते है तो लेने में हर्ज क्या है। मुझे कुछ समय पहले यह पता लगा था कि आपने 120 के करीब नायब तहसीलदारो को तहसीलदार बना दिया है लेकिन आपने उसमें एक हरिजन भी नही लिया। इस लिए मै तो यह चाहता हूं कि अगर इन लोगो में अच्छे लोग हो तो उनको भी प्रोमो ान में रिजर्वे ान का अधिकार मिलना चाहिये। कुनबापरस्ती या किसी रि तेदार की वजह से उन लोगो की रिजर्वे ान पर कोई रोक नही होनी चाहिए। यह नही होना चाहिये कि मंत्री महोदय अपने अपने कोटे बांट लें। यह बहुत ही बुरी बात है। अगर कोई काबिल है तो उसे भी उसका हक मिलना चाहिये। इसके अलावा हरियाणा के अन्दर काफी इलाका पानी के बगैर दु:खी है ऐसा ही इलाका हिसार भी है। हिसार के अन्दर 1980 से पत्थर रखा हुआ है।

श्री उपाध्यक्षः पीरचन्द जी, किस चीज का पत्थर रखा हुआ है?

श्री पीर चन्दः उपाध्यक्ष महोदय, यह पत्थर नहर के पानी को बढाने के लिए रखा हुआ है। मिर्जापुर रोड पर दो हजार एकड जमीन पानी के बगैर बेकार पडी है। इसके अलावा एक ि ाकारपुर माईनर है वहां पर भी एक पत्थर रखा हुआ है। उसके अन्दर मिटटी भी डलवायी हुई है और उस पर सरकार का काफी पैसा भी खर्च हो गया है लेकिन उसको चालू नही किया गया है जिसके कारण कम से कम दो हजार एकड जमीन ऐसी पडी है जिस पर एक दाना न तो पिछले साल हुआ और न इस साल हुआ है। मै सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस पर काम चालू करने में क्या दिक्कत है जब कि सरकार इस पर काफी पैसा खर्च भी कर चुकी है?

12:00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हलके की बाते करना चाहूंगा। मेरा हल्का रतिया है। रतिया हल्का पंजाब के बोर्डर के साथ लगता हुआ इलाका है। वहां पर इतना अनाज पैदा होता है कि मेरा ख्याल है कि वह सबसे ज्यादा होगा और दूसरे हरियाणा के लगभग सभी हल्को के मुकाबले ज्यादा नही तो बराबर तो कम से कम होगी ही। इसके अलावा वहां पर म्युनिसिपल कमेटी भी है और तहसील भी है मगर वहां पर कोई पंजाबी पढाने का प्रबन्ध नही है। रतिया से 30 किलोमीटर दूर टोहाना पडता है और 27 किलोमीटर दूर फतेहाबाद पडता है और वहां कालिज नही है वहां के 10 परसैंट हमारे पंजाबी भाई है। मै यह चाहता हूं कि पंजाबी

के मास्टर्ज हर स्कूल के अन्दर दिये जायें। जैसा कि मुख्य मंत्री महोदय ने यह ऐलान भी किया था कि जिस स्कूल के अंदर डिमांड होगी, वहां पर तो हम जरुर लगायेंगे। इसलिए पंजाबी टीचर्ज तो जहां पर मांग हो, वहां पर कम से कम देने ही चाहिए। एक दूसरी बात यह है कि वहा ंपर एक कालेज जरुर होना चाहिये। वहां की 30 हजार की आबादी है। वहो के बच्चे भी दूसरे इलाके के बच्चो की तरह से पढना चाहते है और यह एक बहुत ही अहम बात है। सरकार इस बात को करने के लिए 20–30 साल से यह कोि ा ा कर रही है कि सैंट–परसैंट पढे–लिखे लोग हो जायें। लेकिन अगर किसी इलाके में कालेज ही नही होगा तो वहां के बच्चे कैसे पढेंगे। एक बात और मै यह कहना चाहता हूं कि स्कूलो के अन्दर केवल 4–5 मास्टर्ज है, मिडल स्कूल के अन्दर 2–3 ही होगे और एक प्राइमरी स्कूल के अन्दर तो एक ही होगा। इतनी हालत वहां की खराब है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा यह कहना चाहता हूं कि स्कूलो के अन्दर टीचर्ज का पूरा प्रबन्ध होना चाहिये। डिप्टी स्पीकर साहब, आप तो बहुत पुराने राजनीतिक आदमी है। आपको अच्छी तरह से मालूम है कि किसी हलके के अन्दर अगर कोई काम नही होता तो लोग सरकार को कोसते है। इसके अलावा वहां की सडके भी टूटी पडी है। अभी तक तो वहां सडको को ठीक करने का कोई काम हुआ नही है लेकिन मुख्य मंत्री जी अब यह कहते है कि हम 31 मार्च तक ठीक करा देंगे, यह भी देख लेंगे। दूसरी एक बात मै और कहना चाहता हू कि वहा पर हास्पीटल बराय नाम है। (घंटी) अभी तो मै

बोलना भुरु हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै न बजट पर बोला हूं और न ही गवर्नर ऐड्रेस पर बोला हूं। आपको आखिर मुझे कुछ तो टाईम देना चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः आपको बोलते हुए 13 मिनट हो गये है।

श्री पीर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहब, मै थोडा सा और बोलना चाहता हूं। मै यह कह रहा था कि वहां का हास्पीटल बरायनामा है। बडी ही खु ी की बात है कि मुख्य मंत्री जी के आदे ा पर या मंत्री महोदयन के आदे ा पर सरकार ने मुझे मेरे सवाल के जवाब में यह वि वास दिलाया है कि रतिया में 30 बैड का हास्पिटल बनाया जायेगा। मै इस बारे में अर्ज करना चाहता हूं कि अगर इसको 1992–93 के अन्दर ही बना दे तो इससे जनता का भला होगा और उस इलाके के बीमार लोगो को, जिनको कंधो पर उठाकर टोहाना या पटियाला या फिर फतेहाबाद ले जाना पडता है, उनको राहत मिलेगी वहां की 30000 की आबादी है। इसलिए मेरा कहना यह है कि इस हास्पिटल को 30 बैड का हास्पिटल जल्दी से जल्दी बनाया जाये (धंटी)।

श्री उपाध्यक्षः पीर चन्द जी, अब आप खत्म करें।

श्री पीर चन्दः मुझे थोडा सा टाईम तो और बोलने दें। वहां पर एक बस अड्डा भी नही है। मै यह भी कहना चाहता हूं कि वहा पर बस–अडडा भी होना चाहिये। मुख्यमंत्री जी यहां पर अब तो बैठे नही है। दूसरी मंत्री महोदय बैठे है, वे उन्हे बता

देंगे। मै एक बात यह कहना चाहता हूं कि वहां के लिये कोई न कोई आई0 टी0 आई0 जरुर खोलनी चाहिये ताकि वहां के बच्चे दस्तकारी सीख सकें। इससे एक तो बच्चो को काम सिखने का मौका मिलेगा और वह कुछ सीख कर अपना धन्धा कर सकेंगे। दूसरे वहां का इलाका खासकर पंजाब के साथ लगता है, इसलिये वह गोलियो के चक्कर से बच जांएंगे। उन आदमियो के पास कोई काम धन्धा नही है। वहां पर बेकार लोगो के पास कोई काम नही है। इसलिए जरुरी है कि उनको कोई ट्रेनिंग दी जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, जाखल एक मंडी है और वह ंपर म्युनिसिपल कमेटी है। वहा पर 10+2 का स्कूल अपग्रेड करने का फैसला किया गया था लेकिन पता नही किस वजह से उसको अपग्रेड नही किया गया। उसका नाम काट दिया गया। वहां पर स्कूल के लिए बीस कमरे बनाए गए थे। हैडमास्टर्ज और टीचर्ज के लिए कमरे बनाए थे क्योंकि सरकार ने ए योरें ा दी थी कि उसको अपग्रेड कर दिया जाएगा। मै इस बारीकी में नही जाता कि इसका नाम क्यों काट दिया गया है। मेरी प्रार्थना तो यह है ि कइस स्कूल को 10+2 का बना दिया जाए। इस स्कूल का नाम काट देना कोई अच्छी बात नही है। उपाध्यक्ष महोदय, रतिया से जाखल तक का एरिया पंजाब बोर्डर से लगता है। वहां के लोगो को आर्म्ज के लाइसैंस दिए जाएं जिससे कि वे अपनी रक्षा कर सकें और पुलिस की भी मदद कर सकें। लाइसैंस देने से पुलिस को भी फायदा होगा क्योंकि इससे उस पर बोझ कम हो जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, रत्नगढ व राजावाली गांव के पास भाखडा का पुल है।

उसके दोनो साइड टूट गए है जिससे वहां पर ट्रक आदि गिर जाते है और एक बार तो बस भी गिरने से बच गई थीं। इस पुल की बडी खस्ता हालत है। वह कभी भी गिर सकता है। यह पुल ऐसा है कि जहां से व्हीकल्ज़ काफी तादाद में गुजरती है और वे बसिज पंजाब को जाती है। मेरी सरकार से प्रार्थनाहै कि इस पुल को जल्दी से जल्दी बनाया जाए। अगर कोई बस या ट्रक गिर गया और सरकार ने उसके बादउस पुल को बनाया तो क्या फायदा होगा। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इसको पहले ही बनाया जाए। मै इतना ही कहना चाहता हूं। धन्यवाद।

सरदार जसविन्दर सिंह (पेहवा): डिप्टी स्पीकर साहब, मै बजट की डिमाण्डज पर बोलने के लिए खडा हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, पेहवा की सडको के बारे में बहुत बुरी हालत है। मागना से धूडगढ की एक सडक है। इस पर रोडी और बजरी पडी हुई है लेकिन यह सडक कम्पलीट नही हुई। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इसको जल्दी पूरा किया जाए। हरियापुर से भाादीपुर की जो सडक है उसकी भी यही हालत है। इसको भी पूरा किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, मेघा माजरा सेजवेडा की जो सडक है इस पर पुल बनने वाला है और इस पर रोडी और मिटटी पडी हुई है। इस सडक पर पुल न होने की वजह से यह काम रुका पडा है। बोडा और जखवाा के बीच में से घग्घर नदी गुजरती है। इस पर पुल होना चाहिए क्योंकि जखवाला का ब्लोक, पुलिस स्टे ान और सब डिविजन पेहवा पडता है। सभी काम के लिए लोगो को

पहवा आना पडता है। पुल न होने की वजह से पच्चीस किलोमीटर का फासला तय करना पडता है। मतलब यह है कि पेहवा आने के लिए इसमाइलाबाद होकर आना पडता है। अगर यह पुल बन जाए तो यह फासला कम हो सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरागांव गुमथला है। वहां पर हाई स्कूल की बिल्डिंग ि ाक्षा विभाग की ओर से अनसेफ घोशित की गई है जिससे वहां पर बच्चो की लाइफ को खतरा है। मेरी प्रार्थना है कि इस बिल्डिंग को जल्दी से जल्दी बनाया जाए। वहां पर स्टाफ की भी बहुत कमी है। मेरी प्रार्थना है कि स्टाफ की कमी को पूरा किया जाए। सियुसर बीड पेहवा हल्के में है। वहां पर आवारा गायं और नील गाय बहुत ज्यादा है लोकि फसो का बहुत नुक्सान करती है। वहां पर कुछ और गांव जैसे हेलवा, नौच, बाखली और संयूसर, संतोडा है। इन गावों की फसलो का भी ये गाय बहुत नुक्सान करती है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इन गावों के आसपास कांटो की तार लगाई जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, मेहवा में हरियाणा मिल्क फूड के नाम से एक फैक्टरी है जोकि बिल्कुल संदौला के साथ लगती है। फैक्टरी का जहरीला और गन्दा पानी फैक्टरी वाले इस माइनर में डालते है जिससे प ाुओ को काफी नुकसान पहुंचता है और फसलो को भी बहुत नुक्सान होता है। मै मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि इस जहरीले पानी को इस माइनर में डालना बन्द करवाया जाए।

इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, मै बजट परिवहन के मामले में भी कुछ कहना चाहूंगा। बजट मे भी परिवहन के बारे में सरकार ने बहुत कुछ कहा है कि हम इतनी बसे चला रहे है। पुरानी बसो को बेचकर नई डाल रहे है। लेकिन आज हरियाणा के अन्दर परिवहन की बहुत बुरी हालत है। मै आपको अपने हल्के की बात कहूंगा कि पेहवा से गांव अधोया तक आठ–दस सालो से लोकल बस चलती थी लेकिन अब सरकार ने वह बस बन्द कर दी है। मेरा अनुरोध है कि उसको दोबारा चालू किया जाए।

इससे आगे मै सिंचाई के बारे मै कहना चाहूंगा कि मेरे पेहवा हल्के में जो सरस्वती नहर थी पिछले नवम्बर में वह टूट गई थी जिसके कारण से 400, 500 एकड भूमि में पानी फिर गया था और किसानो की बासमती की फसल बिल्कुल नश्ट हो गई थी। इस फसल को दोबार बोने के लिए हम डी0 सी0 साहब के पास सहायता के लिए गये कि हमें सुरजमुखी बीज का प्रबंध कर दीजियेगा लेकिन उन्होने कोई प्रबन्ध नही किया हालांकि यहां पर सरकार की ओर से बार बार यह आ वासन दिये जाते रहे है कि सरकार सुरजमुखी का बीज किसानो को देगी। पेहवा कांस्टीच्युऐंसी में से गुजर कर जाने वाली भाखडा नहर पर चौ0 बंसी लाल जी के वक्त में सरकार द्वारा किनारो पर टयूबवैलज लगवाये थे जिसका पानी आगे ले जाने के लिए नहरो में डाला जाता है। चूंकि पेहवा में वाटर स्तर बहुत नीचे चला गया है। पानी की किल्लत है। इसलिए मै अपने सिंचाई मंत्री महोदय से कहूंगा

कि इन टयूबवैल्ज का पानी साथ लगते हुए किसानो के खेतो को दिया जाए। हम पेहवा वाले एस0 वाई0 एल0 का पानी तो ले नही सकते उल्टा यह सरकार पेहवा के पानी को ही लुट रही है।

इस के बाद अब मै कानून व्यवस्था के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा। गांव पवाल के सरदार दसौंदा सिंह की लडकी की भाादी थी। अगले ही दिन बारात चली गई। उससे अगले दिन जब वह अपने रि तेदारो को बस स्टैंड पर छोडने के लिए गया। ज बवह बस स्टैंड से अपने रि तेदारो को छोडने के बाद बाहर निकल रहे थे तो उधर से मुख्य मंत्री महोदय जी की कारो का काफिला आ गया। हो सकता है कि सरदार दसौंदा सिंह जी से अनजाने में कोई गलती हो गई हो। चलती गाडी में से नादर ााही हुक्म जारी हो गया ि कइस आदमी के बारे में पता किया जाए कि ये कौन आदमी है? उसके बाद पुलिस आई और उस को पकड कर मारपीट कर थाने में ले गई। बडी बेरहमी से उसको पीटा गया। मै कुछ आदमियो के साथ एस0 एच0 ओ0 को थाने में मिलने के लिए गया। उसने हमको कहा कि इसने भाराब पी रखी है। यह टक्कर मारने लगा था। उस के बाद मै हस्पताल गया और डाक्टरो से उस के बारे में पूछा तो उन्होने कहा कि इसने कोई भाराब नही पी रखी थी। लेकिन इसके बावजूद भी उसका चालान कर दिया गया और फिर अन्दर कर दिया गया। अगल दिन उसकी जमानत हुई। यह उपाध्यक्ष महोदय, इनकी कानून व्यवस्था का हाल है।

इसी तरह से एक और वाक्या मै आपको बताता हूं। चार पांच दिन की बात है पेहवा के अन्दर एक लडके ने किसी लडकी के साथ दुर्व्यवहार किया जिसकी हम सभी निन्दा करते है। उस लडके के साथ प्र ाासन की ओर न ही हमारी कोई हमदर्दी थी क्योंकि उनसे ऐसा काम किया था लेकिन बडे दुख के साथ कहना पडता है कि उसके भाई को, जो कि उस वक्त मंडी मे था, और घटना के वक्त मौजूद नही था, उस को भी पकड लिया गया। मैने 15–20 मिनट तक एस0 एच0 ओ0 से इस बारे में बातचीत भी की तो एस0 एच0 ओ0 ने कहा कि उस लडके को हम कुछ नही कहेंगे। उसका कोई कसूर नही है। उसको हम छोड देंगे। उसके साथ कोई ज्यादती नही करेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, उस लडके के भाई भोर सिंह के बारे में पेपर में भी आया था कि वह उस दिन मण्डी में कम्बाईन रिपेयर करवाने के लिये आया था और उसको पुलिस जबरदस्ती पकड कर ले गई। इसके बाद उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको क्या बताऊ कि उन दोनो भाईयो को डी0 एस0 पी0 बलबीर सिंह ने दोबारा थाने में से बुलवाया और उन दोनो का मुहं काला करके और बिल्कुल नंगा करके मेन चौक में घुमाया गया। बोलो साहब रोड जो कि पेहवा भाहर का काफी आबादी वाला और व्यवस्था वाला हिस्सा है, वहां पर उन दोनो भाईयो के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार किया गया। वह एक ऐसा हिस्सा है जहां से दोपहर डेढ बजे से लेकर भााम के पांच बजे तक हमारी बहु–बेटियां वहां से गुजरती है। यह बडी ही भार्म की बात है कि उसी वक्त में उनको अल्फ नंगा करके वहां से गुजारा जाता है।

उपाध्यक्ष महोदय, आज के युग में यह बहुत ही लज्जाजनक बात है कि जिस भाहर के हिस्से से हमारी बहू–बेटियो का आना जाना रहता है उसी मार्ग से पुलिस ने जानबूझ कर उन आदमियो को नंगा करके, उनका मुंह काला करके घुमाया और वह साढे चार बजे का टाइम था जिस वक्त सारे भाहर की बहू बेटियो मेन गुरुद्वारा रोड मार्किट में खरीद फरोख्त के लिए जाती है। वहां पर उस लडके को नंगा करके घुमाया गया। छोटे लडके के सिर पर के ा नही थे और बडे लडके के सिर पर के ा थे। जिस लडके का इस केस से बिल्कुल संबंध नही था उसके हाथो में 12–14 फूट की हथकडियां डाल कर उसको सारे भाहर में घुमाया गया। इन्होने वहां पर इस तरह के हालात बना रखे है कि जिस तरह से पंजाब में उग्रवादियो ने कर रखे है। यह सारा काम सरकार कर रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, एक वि ोश समुदाय के लोगो को जिनका दे ा की आजादी में बहुत बडा हाथ है जिसने प्रान्त के विकास के लिए इतना काम किया, उनके साथ ज्यादती हो रही है। हमारे यहां पंजाबी लोगो का खेती का धंधा है और वे खेतो में रहते है। आज वहां पर किसी की भी इज्जत मजफूज नही है। पुलिस दीवार फांदकर घरो के अन्दर चली जाती है। रात के समय लोग अपने घरो में सोए होते है और उनको जलील किया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने जो थोडी देर पहले स्पीकर साहब, की कांस्टीच्यूएंसी की बात कही उसके बारे में अर्ज है कि वह आदमी अपनी लडकी की बारात जाने के बाद मेहमानो को बस स्टैण्ड पर छोडकर घर वापिस जा रहा था। इसलिएवह उस समय

सडक पर खडा था। लेकिन यह फैक्ट है कि जब कभी भी सी0 एम0 की गाडीयां जाती है तो किसी सिख का उस सडक पर आना ही गुनाह हो गया है।

ऐक्साइज एंड टैक्से ान मंत्री श्री ए0 सी0 चौधरी जी उठ कर चले गए है। भाराब की बिक्री में खुरदो का बहुत बुरा हाल है। हम जब भी संबंधित अधिकारी को है कि इनको बन्द करवाया जाए तो वह कहता है कि इनसे आमदन होती है। हमें इस बारे में सरकार का आदे ा मानना चाहिए क्योंकि यह एक आमदनी का धंधा है। जब भी किसी संबंधित अधिकारी को कहा जाता है कि फलां गांव में टूटीयां नही है इसलिए पानी का इन्तजाम किया जाए तो वह कहता है कि हमारे पास पाइप और टूटियां नही है। आप मार्किट से खरीद कर ले आए। डिप्टी स्पीकर साहब, पेहवा म्यूनिसिपल कमेटी के साथ साथ पेहवा पंचायत भी है। उस पंचायत की पेहवा भाहर के अन्दर बहुत कीमती जमीन है। पीछे जो वहां के सरपंच थे उनको गलत पटटे देने की वजह से अधिकारियो ने सस्पैंड कर दिया था। उन्होने बहन सन्तोश सारवान को एप्रोच किया। उसके बाद उसने हमारे गांव के एक फार्म में चाय पानी का आयोजन किया जहां पर सारा लेन देन हुआ। उसके बाद उस सरपंच को बहाल कर दिया गया। उसके बाद जब इलैक ान हुए तो उसमे वह हार गया। जो करोडो रुपये की पंचायत की सम्पत्ति थी वह उसने अपने आदमियो को दे दी। जो वहां का चेयरमैरन था मै उसका नाम नही लूंगा। वह सी0

एम0 साहब का बहुत चहेता है। उसके रि तेदारो के नाम पटटे बांटे गए। यहां पर जिक्र आया कि बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा को किसी विधायक ने तोड दिया। यह बहुत गलत बात है और मै चाहता हूं कि उस विधायक के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। मै इसकी कडे भाब्दो में निंदा करता हूं। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री अमीर चन्द मक्कड(हांसी): डिप्टी स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अमर सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है।

Mr. Deputy Speaker: What is your point of order?

श्री अमर सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के दो माननीय सदस्य राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोले है। बाकी न बजट पर बोले है और न ही डिमांडज पर बोले है। इसलिए उनको डिमांडज पर बोलने की इजाजत दी जाए। सबसे पहले औम प्रका ा जिंदल जी को बोलने की इजाजत दी जाए।

श्री उपाध्यक्ष: अमर सिंह जी, आप कृप्या बैठ जाए।

श्री अमीर चन्द मक्कड: डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपका इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि आपने मेरी तरफ ध्यान दिया। डिमांड पर बोलने से पहले मै एक बात यह कहना चाहूंगा

कि इस समय हरियाणा प्रदे ा के विकास का काम चल रहा है। हमें इस बात की भी खु ी है कि जब चौधरी भजन लाल जी हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री बनते है तब तब हरियाणा प्रदे ा का विकास होता है लेकिन मै एक बात जरुर कहना चाहूंगा कि विकास में जो कमियां है। (विघ्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य ने फरमाया है कि जब जब चौधरी भजन लाल जी हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री बनते है तब तब हरियाणा प्रदे ा का विकास होता है। डिप्टी स्पीकर साहब, 1982 में इनको ** ** ** ** ** ** की डिग्री देने वाले यही थे। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: This reference will go out of the record.

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, मै हरियाणा के विकास के बारे में अर्ज कर रहा था। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै डिमांड नम्बर 8 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा जो भवन तथा सडको के बारे में है। इस डिमांड पर बोलते हुए मै कहना चाहूंगा कि पिछले चार साल के समय मे सडको का कोई काम नही हुआ। हमारे नेता यहां सदन में नही बैठे है वह अपने चैम्बर में मेरी बातें सुन रहे होगे। पहले भी कई बार ऐसा हुआ है कि जो भी कोई निर्माण का काम होता है उसके लिए कोई समय निर्धारित नही हुआ है। मै कहूंगा कि चाहे कोई भी निर्माण का काम हो उसके समय की सीमा निर्धारित अव य

होनी चाहिए जैसे आज कोई भवन बनाया जाता है तो उसकी 100 साल तक की सीमा निर्धारित अव य होनी चाहिए। प्रायः यह देखने में आया है कि पहले जो भवन बने हुए है यह तीन चार साल के बाद ही खत्म हो गए है। उनके बारे में न कोई इन्कवायरी होती है और न ही किसी की कोई पुछताछ होती है ।मै आपको एक मिसाल देता हूं कि 1968–69 में हांसी के अन्दर एक गवर्नमैंट स्कूल की बिल्डिंग बनी थी और एक गवर्नमैंट होस्पीटल की बिल्डिंग बनी थी तथा एक कालेज की बिल्डिंग बनी थी और उन बिल्डिंगज को भवन तथा सडक विभाग ने बनाया था। तीन साल के बाद वह बिल्डिंग खत्म हो गई और उन बिल्डिंगज के बारे में कोई किसी की पूछताद नही की गई। अब दोबार उन बिल्डिंगज को बनाना पडा। उन बिल्डिंगज को बनाने का काम हमारी देख रेख में हुआ है। कोई भी जा कर उन बिल्डिंगज को देख सकता है वे बिल्डिंगज अगले 100 साल तक नही गिरेंगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो पैसा किसी निर्माण के काम पर खर्च करते है अगर उस निर्माण के काम को कोई देखने वाला नही होगा तो वह काम ठीक नही होगा। इस बारे में मै एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो भी किसी भवन का या और किसी चीज का निर्माण होता है उसके लिए कोई कमेटी बना दें ताकि उस पर उसका कंट्रोल हो और वह काम ठीक हो। हांसी में एक गवर्नमैंट स्कूल के 8 कमरे बनवाने थे जिनका ऐस्टिमेट 4 लाख 44 हजार रुपए बना था। हमने चौधरी भजन लाल जी से प्रार्थना की कि इसकी बनाने की इजाजत दें। इसके

लिए एजूके ान डिपार्टमैंट की एक कमेटी बनाई गई। हमने 2 लाख 78 हजार रुपये में 8 कमरे बना दिए। ये इतने अच्छे बने है जिनके उपर कोई अंगली नही उठा सकता। इसके बाद सरकार बदल गई। इसके लिए 36 लाख रुपये मंजूर किए गए थे। नई सरकार के समय में 26 लाख रुपये के जो कमरे बनाए गए है उनकी दो साल के बाद ही मुरम्मत करनी पडी और जो 8 कमरे हमारे समय में बने थे 100 साल तक मुरम्मत नही मांगते। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो इस प्रकार की लूट चल रही है जब तक इसको बंद नही किया जायेगा तब तक इसको बंद नही किया जायेगा तब तक कोई काम ठीक नही हो सकता। इस प्रकार की लूट चाहे किसी भी विभाग में हो और कोई भी करता हो उसको रोका जाना चाहिए। चाहे कोई ठेकेदार है या चाहे कोई अफसर है इस पब्लिक के पैसे की हम रखवाली जो नही कर पा रहे है, रखवाली करनी चाहिए। इसके साथ साथ डिप्टी स्पीकर साहब, अभी कुछ साथी कानून व्यवस्था के बारे में बोल रहे थे। इसके बारे में मैने भी कल एक स्थगन प्रस्ताव दिया था। उस पर समय नही मिला। चौधरी भजन लाल जी ने 17 तारीख को हाउस में बयान दिया कि पंजाब से काफी असला स्मगल हो कर हरियाणा में पहुंचा है जिसकी जांच हो रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बारे में हमारे अपोजी ान के नेता ने नारनौंद में एक ब्यान दिया कि हम सभी अपने वर्करो को उग्रवादी बना देंगे। यह उस असले से लिंक करते हुए बयान है। मै समझता हूं कि अगर इस किस्म की ढील जैसे पंजाब में भिण्डरवाला को दी गई थी उसी प्रकार

की यहां पर दी गई तो जैसे पंजाब जल रहा है उसी प्रकार से हरियाणा भी जलने लगेगा। इस किस्म को जो ये वातावरण बना रहे है और ब्यान देते है, उस पर रोक लगनी चाहिये। इन्होने ब्यान दिया कि सरकार झुठे मुकदमें बना रही है। मेरे लडके के उपर 302 का मुकदमा उस वक्त के होम मिनिस्टर ने बनवाया। उस वक्त हमने ब्यान नही दिया कि मेरे लडके उग्रवादी हो जांएगे। चौधरी भजन लाल जी के ऊपर 80 मुकदमे बनाए गए इन्होने ब्यान नही दिया कि ये उग्रवादी हो जाएंगे। आज उग्रवादी होने का जो लोग सुझाव दे रहे है इन पर सरकार को फौरन कन्ट्रोल करना चाहिए वरना यहां पर भी पंजाब जैसे हालात हो जाएंगे। यहां पर यह भी कहा गया कि हरियाणा में लूट पाट हो रही है। कार छीनी जा रही है और किसी की इज्जत लूटी जा रही है, यह उस बात से लिंक करती हुई बात है जो नाजायज असले की बाबत यहां पर हुई है कि यहां पर नाजायज असला आ पहुंचा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस किसी के पास भी नाजायज असला है उस पर रोक लगनी चाहिए। श्री अमर सिंह की ओर से (विघ्न) माननीय साथी जो कह रहे है मै बताना चाहता हूं कि इन्होने हांसी में जा कर बहुत भाोर मचाया लेकिन ये मेरे लडके के खिलाफ कुछ साबित नही कर पाए। (ाोर एवं विघ्न) चौहान साहब आप सुनने की कृपा करे। इस बारे में मै यह कहना चाहता हूं कि हाउस की एक कमेटी बना कर भेज दो और उसकी जांच कर लो। मेरे लडके का एक छोटा सा कसूर भी नही मिल सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौहान साहब, कृप्या आप डिस्टर्ब न करें।

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, मै अपने मैम्बर साथियो से एक प्रार्थना करुंगा कि वे अपनी ही पार्टी के मैम्बरो की एक कमेटी बना लें। इनकी पार्टी के मैम्बर हांसी मे जाकर अच्छी तरह से जांच कर लें। इनकी पार्टी के रामभजन जी बैठे है, लहरी सिंह जी बैठे है और चौहानर साहब खुद बैठे है, ये जा कर जांच कर ले कि मेरे लडके का कोई कसूर था या नही। अगर मेरे लडके का कसूर मिले तो जो भी सजा हाउस मुझे देगा उसे मै भुगतने के लिए तैयार हू। ये उस बात को भूल गए जब इनके नेता के समय में हुई थी। मुझे इस बात पर बोलना तो नही था लेकिन ये कुछ कह रहे है इसलिए बोलना पड रहा है। उस समय मां–बहन भाई को एक दूसरे के सामने नंगा किया गया था। यहां पर इनके नेता ब्यान देते है कि मैने छुट दे दी थी कोई भी एम0 एल0 ए0 चला जाए और जांच कर ले। इस बारे में मै बताना चाहता हूं कि इस हाउस में इस समय हमारी बहन वहां पर लोगो का हाल पुछने चली गई थी कि तुम्हारे साथ क्या ज्यादती हुई है? इसी पर उनके नेता ने वही ंपर उनकी कार छिन ली थी और इनको वही ंसे पैदल आना पडा था। ये लोग अमर और भाांति की बात करते है। डिप्टी स्पीकर साहब, ये सच्चाई मुझ से बुलवाते है। यह ठीक है कि मेरे साथ जो हुआ वह मैने भुगता लेकिन उसके लिए मुझे किसी से कोई रंज नही है। मै औलाद वाला हूं। सच्ची बात तो कहनी ही पडती है। सच्ची बात सुनने में दर्द होता है

लेकिन मेरे पास इसका कोई इलाज नही है। मैने आज यहां पर चैलंज कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप 3 आदमियो की हाउस की एक कमेटी बना दें। यह कमेटी इन्कवायरी करके जो फैसला देगी मै वह मान लूंगा। (विध्न) या तो ये भुगत लेंगे या जो सजा कमेटी मुझे देगी वह मै भुगतने के लिए तैयार हूं। (विध्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(i) श्री अमीर सिंह द्वारा

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर ने क्लीयर कट औप ान दी है। मै आपसे निवेदन करता हूं कि हाउस के मैम्बर्ज की कमेटी बना दी जाए और वे मैम्बर्ज भी वही रखे जाए जिन्हे मक्कड जी खुद कहें। (विघ्न)

(इस समय श्री अध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए)

श्री अमीर चन्द मक्कडः चौधरी अमर सिंह जी, एक बात आप भी ध्यान से सुन लें। आप हांसी मे रहते है और मै भी हांसी मे ही रहता हूं। (विघ्न) * * * * *

श्री अमर सिंहः * * * * * *

श्री अमीर चन्द मक्कडः * * * * * * * * *

श्री अमर सिंहः * * * * * *

श्री अध्यक्षः अमर सिंह जी, आप कृप्या बैठिए। यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेने ान नही है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः आप ऐलिगे ान और काउंटर ऐलिगे ान्ज न लगाएं तथा जो ऐलिगे ान्ज़/काउंटर ऐलिगे ान्ज़ लगाए गए है, वे रिकार्ड न किए जाए।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, अभी तो मुझे डिमांड नं0 8 पर भी बोलना है। (ाोर एवं व्यवधान)

(ii) प्रो0 सम्पत सिंह द्वारा

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै पर्सनल ऐक्सपलेने ान पर बोलना चाहता हूं। मैने बीच में टोकना उचित नही समझा क्योंकि मक्कड साहब बोल रहे थे। इन्होने बोलते हुए मेरा नाम भी लिया था कि हमने अपने भाशण में यह कहा है कि हम उग्रवाद फैला देंगे। स्पीकर साहब, मैने पहले भी कहा था और अब फिर कहता हूं कि सरकार अगर निर्दोश लोगो पर ज्यादती करेगी या करती रही, लोगो पर झुठे मुकदमे बनाती रही, निर्दोश लोगो को रात–दिन लूटते रहे तो लोग मजबूर हो जाएंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह बात तो आपने पहले भी कही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह बात रिपीट की इसलिए मै कह रहा हूं। हम तो सरकार को चेतावनी दे रहे है कि सरकार इस बात से परहेज करे।

श्री अध्यक्षः ठीक है, अगर आपकी बात ऐक्सप्लेन हो गई तो आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

जन स्वास्थय मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, ये बडी ही सीरियस वारनिंग हमें दे रहे है। अध्यक्ष महोदय, क्या इनके राज में कोई झूठा मुकदमा नही हुआ? इनके राज में तो लोगो की क्या हालत हुई थी, वह सब जानते है। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः हमारे राज में कोई झूठा मुकदमा नही हुआ था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है। अब आप सब बैठिए। मक्कड साहब आपका टाईम खत्म हो गया है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, अभी तो मेरी एक ही डिमान्ड पूरी हुई है और मैने तो अभी और भी बोलना है।

श्री अध्यक्षः आपका टाईम खत्म हो चुका है। अब आप बैठिए।

(इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खडे हो गए)

श्री अध्यक्षः कृप्या आप सब बैठ जाए। अब श्री औम प्रका ा जिंदल बोलेंगे।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री औम प्रका ा जिन्दल (हिसार): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै इंडस्टरी के बारे में यह बोलना चाहता हूं कि हमारे हरियाणा में इंडस्टरी बहुत ही कम है और कभी कोई नई खुली भी नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः अरोडा साहब, आप बीच में न बोले।

श्री औम प्रका ा जिन्दलः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के वातावरण और दूसरी स्टेटो के वातावरण में अन्तर है। यहां के जो पोलिटि ियन्ज है वे यहां पर सबसे बडे डाकू बने हुए है। अगर यहां पर कोई इंडस्टी लगाता है तो उसको बहुत तंग किया जाता है और दूसरे लेबर के रहने के लिए कोई प्रावधान नही है। किसी भी कालौनी में लेबर के लिए डिस्पैंसरी भी नही है। लेबर बिहार से भी आती है और दूसरी जगहो से भी आती है लेकिन वह भी यहां पर आना बन्द हो जाएगी क्योंकि रोडवेज का भाडा इतना बढ गया है कि उसका आना जाना बहुत मु कल हो जायेगा और

अगर लेबर फैक्ट्रीज के अन्दर नही आएगी तो फैक्ट्रीज भी नही चलेगी तथा जब फैक्ट्रीज नही चलेगी तो हरियाणा गवर्नमैंट भी नही चलेगी क्योंकि सरकार को फैक्ट्रीज से ही इंकम होती है। यह तो आप भी जानते है जहां तक ऐडमिनिस्ट्रे ान की बात है हिसार में एक सिटी पुलिस इंसपैक्टर है वह लोगो को पकड पकड कर ले जाता है और उन लोगो को छोडने के लिए उसकी फीस पांच हजार से लेकर 25 हजार तक है ंयह बात अगर झूठ हो तो आप उसकी इंक्वायरी करवा सकते है। यह बात तो मुख्य मंत्री जी को भी पता है क्योंकि उस इंसपैक्टर का यह पक्ष कर रहे है तो यह हालत तो हिसार में हो रही है। इस इंस्पैक्टर का कोई भाई चौधरी रामबीर सिंह है वह भी लोगो को परे ाान करता है यह बात हर आदमी जानता है इसमें कोई दो राय नही है पुलिस वाले एक गरीब आदमी को पकड कर ले गये जब पता लगा कि कंगाल को लेकर आए है तो उसे जुते मार कर छोड दिया। आज मेरे सामने यह समस्या है कि इससे कैसे छुटकारा पाया जाये।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै ऐक्साइज़ एंड टैक ोसन के बारे में बताना चाहता हूं कि जितने भाराब के ठेके हुए है और जितने वहां पर अफसर बैठे हुए है वह बडी अच्छी तरह से, बडी सफाई से काम कर रहे है। जब हम उनसे कहते है कि आप इतनी ज्यादती क्यों कर रहे हो तो तब मानते ही नही है। मेरे कहने का मतलब यह है कि यह काम बहुत ही समझदारी से होना चाहिए क्योंकि यह मुख्य मंत्री जी को मालूम है। हम यह

कभी नही चाहते कि मुख्य मंत्री हट जायें। हम तो चाहते है कि मुख्य मंत्री जी 101 साल तक राज करते रहे। लेकिन हम यह चाहते है कि प्रदे ा में ईमानदारी आनी चाहिए। जब मुख्यमंत्री जी * * * * बोलते है तो पब्लिक को भी वैसा ही बोलना पडेगा।

जन स्वास्थय मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। माननीय सदस्यको इस ढंग से नही कहना चाहिये। इनको समझ होनी चाहिये क्योकि ये बहुत बडे इंडस्ट्रीयलिस्ट है और यह जो ऐलिगे ान लगा रहे है ये गलत है। इसलिए मै इनसे कहूंगा कि वे कम से कम बोलने में सभ्यता जाये और ऐसा कोई भाब्द न कहे जिससे हमें बार बार उठना पडे। आप केवल डिमांड पर बोलिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, आप बैठिये।

श्री औम प्रका ा जिन्दलः अध्यक्ष महोदय, अभी हम मन्दिर मे चलते है और अगर मैने कुछ झुठ कहा है तो मै मंदिर में भापथ खाने को तैयार हूं।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, अगर यह मंदिर मे जाने के लिए तैयार है तो हम भी मंदिर में जाने के लिए तैयार है लेकिन इनहोने जो बाते कही है क्या वह सच्ची है? यह तो एसे भाशण कर रहे है जैसा कि किसी पब्लिक मीटिंग में करते है। आप डिमांड पर बोलें। मेरी प्रार्थना है कि आप बोलने में कुछ सभ्यता लाये। आपको अभी तक बोलने की सभ्यता नही आयी।

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, आप बैठिये। उनको बोलने दीजिये।

श्री औम प्रका ा जिन्दलः अध्यक्ष महोदय, जितना मुझे पता है वह मै सही ही बोलूंगा। (विघ्न) अगर आपको कुछ अच्छा नही लगता तो मुझे इस हाउस से निकाल दें। आपको अगर मेरी बात अच्छी नही लगती हो तो मै बैठ जाता हूं। मै ऐक्साईज़ एंड टैक ोसन के बारे में बोल रहा था कि हरियाणा का बच्चा बच्चा इस बात को जानता है कि टैक्स कैसे वसूल किया जाता है और कैसे टैक्स छोडा जाता है। अगर सही और ईमानदारी से पूरा टैक्स हरियाणा मे आ जाए तो हमे ंकोई टैक्स बढाने की जरुरत ही नही है। गरीब आदमी के उपर यह तो बस का भाडा बढा कर बोझ डाला गया है, यह अच्छा नही किया गया है। हर आदमी के उपर यह जो बस का भाडा बढाया गया है, इसका बोझ पडेगा। अगर आपने लगाना ही नही है तो बउी बडी पार्टियो पर लगाईये। उससे गरीब लोगो को कोई फर्क नही पडता। बसो को चलाने के अन्दर भी अगर ईमानदारी से काम किया जाए तो बात बन सकती है। जिस ढंग से उनको चलाया जाता है वह ठीक नही है। अगर आप एक प्राईवेट बस वाले से कम्पीटी ान करें तो आपको पता चलेगा कि उससे हरियाणा के लोगो को कितना फायदा होता है। आप बसो के मामले में भी सच्चाई पर चले। एक रुट आप किसी प्राईवेट पार्टी को दे दीजिए और उसका प्राफिट आफ मार्जिन देखिये तब आपको पता चलेगा कि क्या स्थिती है। आप फिर

प्राईवेट आप्रेटर और अपना कम्पैरिजन करिये तब आपको पता चलेगा कि कितना घोटाला है। इसमें हर जगह बेईमानी भरी हुई है। हर जगह इसी तरीके से हो रहा है जो नही होना चाहिये। अगर मै यह बात कहूं कि अगर मै राजनीति में आया हूं तो सिर्फ इसलिए आया हूं कि मै किसी को एक पैसा नही देने दूंगा। एक पैसे की हेरा फेरी नही करुंगा, न करने दूंगा। अगर मै एक पैसे की भी हेरा–फेरी करु तो भगवान मुझे उठा ले। अगर कोई हेरा–फेरी करेगा तो मै ओपनली उस बारे में बोलूंगा। बाहर ही नही, विधान सभा के अन्दर भी बोलूंगा। अगर कोई एम0 एल0 ए0 यह कहता है कि इंसपैक्टर ने उसे 5000 रुपये दिये ताकि वह उसके खिलाफ न बोले तो मै तो यह कहता हूं कि आप खु ाकिस्मत हो। बदकिस्मती यह है कि हमारे यहां पर तो इंसपैक्टर पैसा लेते है। वह एम0 एल0 ए0 खु ाकिस्मत है जिसको एक इंसपैक्टर ने इतने पैसे दिये थे। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात अव य कहना चाहता हूं कि हिसार के अन्दर इंसपैक्टर जो जुलम कर रहा है, वह सारे मुख्य मंत्री जी की नालेज में होगे क्योंकि यह इनका अपना जिला है। मुझे भाहर के बारे में कोई खास ि ाकायत नही है। यह काम करता है या नही करता है लेकिन जिस तरीके से आदमियो को पकड पकड कर उनसे माफियां मंगवाई जाती है, यह अच्छी बात नही है। धन्यवाद।

श्री जय सिंह (नीलोखेडी): स्पीकर साहब, आज यह तो 1992–93 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा हो रही है, मै भी

इसमें भाग लेने के लिए खडा हुआ हूं। स्पीकर साहब, मै इस महान सदन में, डिमांड नं0 3 जो होम के बारे में है, कहना चाहता हूं। मेरे से पहले बोलने वाले मेरे साथियो ने इस बारे मे काफी चर्चा की है। उन्होने बहुत सारे आरोप इस सरकार पर लगाये। अभी कुछ देर पहले बोलते हुए पेहवा के विधायक भाई जसविन्दर सिंह ने एक बात कही। उन्होने यह कहा कि इस प्रदे ा अन्दर एक समुदाय वि ोश के उपर अत्याचार हुए है। इस बारे में विपक्ष के नेता श्री सम्पत सिंह जी ने बहुत लम्बा चौडा कहा। इस बारे में मै एक ही बात कहना चाहता हू। इस सरकार से पहले सम्पत सिंह का राज था। कोई भी राज हो या कोई भी सरकार हो, किसी भी समुदाय पर अत्याचार नही होने चाहिए लेकिन मै एक बात प्रोफैसर सम्पत सिंह जी से पूछना चाहता हूं कि जिस समय वे गृह मंत्री थे उस वक्त ऐसे वाक्य हुए जिनका मै जिक्र करना जरुरी समझता हू। आज ये लोग लॉ एंड आर्डर की बात करते है। स्पीकर साहब, जो वाक्या हुए वे मेरे जिले करनाल से संबंधित है। करनाल जिले में सिखो की आबादी बहुत ज्यादा है और खासतौर पर मेरे हल्के मे तो सिखो की आबादी बहुत ही अधिक है। वहां पर कुछ ढाणियां है। जिन लोगो के पार अच्छे ट्रक्टर होते थे और जिनके पास काफी अच्छी जमीन होती थी और जिनकी फसल अच्छी होती थी तथ अच्छे मकान होते थे वहां पर सी0 आई0 ए0 के अफसर पहुंच जाते थे और उनको वारनिंग देते थे कि आपके पास उग्रवादी आए थे या कहते थे कि आपके पास उग्रवादी आने वाले है। इसी बिनाह पर उनको पकड कर वे सी0 आई0 ए0 के

इंस्पैक्टर ले जाते थें। निसिंग और असंध के थानो में इनको ले जाया जाता था और वहां पर इनके उपर अत्याचार किए जाते थे। उस वक्त हालत यह थी कि जो भी जमींदार सिख पचास चालीस किले का मालिक होता था उनको इन्होने नही छोडा। मै कहता हूं कि इनके समय में लोगो के साथ ऐसा अत्याचार हुए जैसे कभी नही हुए। स्पीकर साहब, मै इस सदन का उस वक्त सदस्य था। सदस्य होने के नाते मै गृह मंत्री से कहा करता था कि आपके राज्य में ऐसे अत्याचार हो रहे है लेकिन आज यही लोग कानून और व्यवस्था खराब होने की बात करते है। (ाोर एवं व्यवधान)। स्पीकर साहब, मै गृह मंत्री के कार्यकाल की ही बात कर रहा हूं कि उस समय किस तरह से कानून और व्यवस्था की स्थिती थी। किस तरह से थानो में अत्याचर होते थे और दूसरे स्टे ानो पर कितने अत्याचार होते थे। सी0 आई0 ए0 के इंस्पैक्टर कितना जुल्म उस वक्त करते थे और किस तरह से ये इंस्पैक्टर लोगो की पिटाई करते थे और लोगो को लुटते थे। हरियाणा का हर आदमी इनके जुल्म से वाकिफ है। मै तो इनको कहना चाहता हूं कि इनको अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए और फिर ला एण्ड आर्डर के बारे में बोलना चाहिए।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

प्रो0 सम्पत सिंह द्वारा

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ ऐक्सपलेने ान। स्पीकर साहब, अभी माननीय सदस्य ने हमारे वक्त का जिक किया। स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को याह होगा कि ये खुद हमारी वजारत मे थे। वजारत की कलैक्टिव जिम्मेदारी होती है। इनकी तो आदत है कि जिसका राज हो उसकी हाजिरी देते रहते है। यह हमे ाा पासा पलटते रहते हैं स्पीकर साहब, जिस सी0 आई0 ए0 इंस्पैक्टर का ये जिक कर रहे है वह इंस्पैक्अर आज के दिन डी0 एस0 पी0 है और इसी सरकार ने उसको डी0 एस0 पी0 बनाया है लेकिन आज यह कह रहे है कि उसने बहुत जुल्म किए और वह लुटेरा था। इनकी भी हद है। इस समय उसकी डी0 एस0 पी0 की पोस्टिंग है। जोकि उसने इस सरकार से ले रखी है। उस वक्त ये वजीर थे उस वक्त इन्होने कुछ नही कहा। आज मुख्य मंत्री को राजी रखने के लिए ये ब्यान दे रहे है। स्पीकर साहब, ये सारी बाते असत्य कह रहे है।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री जय सिंहः स्पीकर साहब, उस इंस्पैक्टर को डी0 एस0 पी0 भी इन्होने बनवाया था। जहां तक मुख्य मंत्री को राजी रखने की बात है, स्पीकर साहब, 1987 मे मै इनके मुबाकले मे जीतकर आया था। इनके साथ मै चार महीने भाामिल रहा।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी हुक्म सिंह जी उस समय इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री थे। बे ाक वे कमजोर आदमी थे लेकिन वे भारीफ आदमी थे। उन्ही के कारण मै इन लोगो के साथ कुछ देर तक रहा। जब इनके अपने नेता मुख्य मंत्री बने तब मैने मंत्रीमण्डल छोड दिया। जब पहली बार इनके नेता मुख्य मंत्री थे तब मै वन विकास बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया था पर मैने उस पद को ग्रहण करने से इन्कार कर दिया था। (घंटी)

अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हल्के से संबंधित कुछ बाते इस सदन के सम्मुख रखना चाह रहा हूं। सब से पहले मै सडको के बारे मै कहूंगा। मुख्य मंत्री महोदय ने इस हाउस में ऐलान किया था कि 31 मार्च तक सभी खराब सडको को ठीक कर दिया जाएगा। मै उन से कहूंगा कि उनके इस वायदे के अनुसार काम में कोई तेजी नही है। कही न कही जरुर अधिकारियो के तेजी के काम की बजाय कमजोरी आई है और कही भी कोई काम योजनाबद्ध तरीके से नही हो रहा है। इसलिए मै सरकार से कहूंगा कि वे इस तरफ ध्यान दे और अधिकारियो को इस बारे में सतर्क रहने के लिए कहे। मेरे हल्के में एक ऐक्सीअन था, वह पिछले राज्य में भी वही पर था और आज भी वह एक्सीअन वही पर है। मै समझता हू कि वह एक्सीअन उस अपने ऐरिया के काम करने में पूरी तरह से असमर्थ है और वह अपने इलाके के कार्य को अपने होते पूरा नही कर सकता है।

अब मै ि ाक्षा के बारे में कहूंगा कि हमारी सरकार ने जो लडकियो के लिये फ्री ि ाक्षा का प्रबन्ध किया है, यह एक बडा उदारवादी कदम है लेकिन उनके पास स्कूली ि ाक्षा प्राप्त करने के बाद कोई साधन नही है कि वे अपने पैरो पर स्वयं खडी हो सकें। इसलिए मेरा अनुरोध है कि लडकियो की उच्च ि ाक्षा के लिये तरावडी मे ंएक डिग्री कालेज खोलने का प्रावधान किया जाना चाहिये ताकि लडकियो को उच्च ि ाक्षा दी जा सके।

इस के बाद अब मै सिंचाई के संबंध में भी कुछ कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपक और मेरा क्षेत्र साथ साथ लगता है। आप भली प्रकार जानते है कि हमार क्षेत्र कृशि प्रधान क्षेत्र है। वहां पर जीरी धान की फसल होती है। बढिया बासमती का उत्पादन भी हमारे उसी इलाके में होता है। यह बासमती दूसरे प्रदे ा व विदे ाो को भी जाती है जिससे हमारी सरकार का फौरन एक्सचेन्ज भी बढता है। इससे सारे दे ा को लाभ होता है। हमारे क्षेत्र के लोग बडे ही मेहनती है लेकिन इन सब बातो के साथ साथ तभी बढिया खेती हो सकेगी जबकि उस इलाके को जरुरत के अनुसार बिजली व पानी की सप्लाई सरकार की ओर से लगातार होती रहे। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि हमारे इलाके की ओर बिजली व पानी के मामले में वि ोश ध्यान दिया जाए क्योकि हमारा इलाका अपने प्रदे ा, दे ा व दूसरे प्रदे ाो की जरुरत को पूरी करता है।

बैठक का समय बढाना

13:00 बजे

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सैंस हो तो बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री जय सिंहः स्पीकर साहब, मै अनुरोध करुंगा कि मेरे हल्के में एक 132 के0 वी0 का स्टे ान मंजूर हो चुका है, उसको जल्दी चालू करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः उसके बारे में तो पहले ही अ योरैंस आ चुकी है।

श्री जय सिंहः इसके अलावा मेरी प्रार्थना है कि एक 33 के0 वी0 का सब–स्टे ान निगधु मे स्थापित किया जाए। मेरे हल्के मे पिछले कई सालो से नहरो की भी सफाई नही हुई। मूरे हल्के में कच्ची नहरे है। एक चितंग डिस्ट्रब्यूटरी है जो सारे इलाके की सिंचाई करती है, उसको साफ करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः आपका समय समाप्त हो चुका है। अब श्री फूल चन्द मुलाना बोलेंगे।

चौधरी फूल चन्द मुलाना (मुलाना, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे समय दिया। अध्यक्ष महोदय, सदन में बजट की एक से लेकर 25 तक जो मांगे प्रस्तुत की गई है, मै उन चर्चा करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रानत को बने हुए 25 वर्श हो चुके है। इस 25 वर्श के अर्से में कुछ अरसे को छोड कर हरियाणा ने हर क्षेत्र में चहुमुखी विकास किया है। नाजायज कब्जे थे और लोगो को दबाया जा रहा था। 53–53 दिन तक लोगो को हिरासत में रखा गया। आज कानून व्यवस्था की जो चर्चा हो रही है वह आपके सामने है। आपने देखा कि सारे दे ा से हरियाणा की स्थिती अच्छी है। पंजाब मे ंमिलिट्री का प्रै ार होने के कारण यहां हरियाणा में एक आध घटना घटी है जिसका दु:ख हमें भी है लेकिन फिर भी हरियाणा की द ाा बहुत अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, 25 सूत्रीय कार्यक्रम को संकल्प के रुप में हरियाणा सरकार ने चलाया। इसमें विकास की चहुमुंखी योजनाए है। जब हरियाणा बना था तो उस समय हरियाणा की क्या स्थिती थी और आज क्या स्थिती है। हर क्षेत्र मे इतना अन्तर है चाहे वह बिजली का क्षेत्र है या इंडस्ट्री और इरीगे ान का क्षेत्र है। सभी में चहुंमुखी विकास हुआ है। अध्यक्ष महोदय, सब से पहले मै डिमांड नम्बर एक जो विधान सभा के बारे में है, पर बोलना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः विधान सभा के बारे में आप कुछ नही बोल सकते।

चौधरी फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै विधान सभा को बीच में ला कर अपनी बात कहूंगा। हर व्यक्ति चाहे वह साधारण नागरिक हो और चाहे विधायक हो, उसकी वर्किंग कंडी ान ठीक होन चाहिए तभी वह अपनी डयूटी ठीक तरह से कर सकता है। आज की बढती हुई महंगाई को देखते हुए हमें और सुविधाएं चाहिए। चाहे वह माननीय सदस्य का भत्ता है, कार का माइलेज के रेट्स है, टी0 वी0 है, कांस्टीच्यूएंसी का अलाउंस है या टेलीफोन का खर्चा है। ये सारे खर्चे बहुत बढ चुके है। हमें हर रोज टेलीफोन करने पडते है, बाहर मीटिंग अटैंड करने के लिए जाते है तो खर्चा ज्यादा करना पडता है। पार्लियामैंट में भी एक एम0 पी0 को डेढ सौ रुपया डेली मिलती है इसलिए यहां पर भ सौ रुपये बढा कर डेढ सौ रुपए जरुर करना चाहिए। चाहिए तो दौ सौ रुपये लेकिन अगर आप पार्लियामैंट से ज्यादा नही कर सकते तो कम से कम उनके बराबर 150 रुपये तो कर दें। इसके अलावा विधायको के पास गाडी होना बहुत ही जरुरी है। एक बार सरकारी तौर पर यह प्रावधान किया गया था कि डिस्ट्रिक्ट लेवल पर डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट या डी0 सी0 एक गाडी रखेगे और उसको विधायक इस्तेमाल कर सकेंगे लेकिन इस बारे में कोई अमल नही हुआ। उस प्रावधान को भी लागू किया जाना चाहिये। इसके अलावा मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्य मंत्री जी

ने विधायको को एक एक स्टैनो टाइपिस्ट देने के बारे में आ वासन दिया था लेकिन विधायको को अभी तक स्टैनो टाइपिस्ट प्रोवाइड नही किए गए है। विधायको को उसे कोई कागज वगैरह टाइप करने के लिए एक एक स्टैनो टाइपिस्ट का प्रावधान अव य किया जाना चाहिए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नम्बर 2 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा जाकि सामान्य प्र ाासन के बारे में है। सामान्य प्र ाासन के बारे में सारी बात आ सकती है इसलिए मै इस डिमांड पर बोलते हुए अपनी सारी बातें कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के मुख्य मंत्री चौधरी औम प्रका ा चौटाला ने सिर्फ पांच जगहो से तहसीलदार बुला लिए यानि अम्बाला, करनाल, पानीपत, वल्लभगढ और गुडगांव से तहसीलदार बुला लिए और उनसे कहा कि आप हमें कितना पैसा दोगे तो उन्होने कहा कि हम आपको 51–51 हजार रुपया दे देंगे। लेकिन चौधरी औम प्रका ा चौटाला उनसे कहते है कि 51 हजार रुपये में तो बात नी बनेगी आप 51 लाख रुपये देने की बात करो। उन तहसीलदारो ने कहा कि यह बात हमारे बस की नही है तो इस बात पर चौधरी औम प्रका ा चौटाला ने उन तहसीलदारो पर ओडिटर बैठा दिए। पहले तो तहसीलदारो को रजिस्ट्री के मामलो में मारा जाता है कि आपने कम पैसे में रजिस्ट्री क्यो कर दी उसके बाद उन पर औडिटर बैठा दिए। अगर किसी प्रोपर्टी डीलर द्वारा खरीदी गई जमीन अटैच हो जाए तो उसको कोई असर नही पडता लेकिन अगर ऐसे मामलो में किसी गरीब आदमी की जमीन अटैच हो जाती है तो वह संकट में

पड जाता है। सरकार से मेरा निवेदन है कि अगर कोई तहसीलदार कम पैसे मे रजिस्ट्री करता है तो आप उस एरिया के लिए सारी जमीन की मिनिमम किमत फिक्स कर दें कि इस जमीन की इतने रेट्स से कम रजिस्टरी नही होगी। ऐसा करने से आडिटर की कोई आव यकता नही रहेगी और जो ओडिटर बैठा रखे है उनको हटा देना चाहिए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै गृह विभाग से संबंधित डिमांड के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। हमारे प्रान्त की पुलिस काफी सतर्क है हमें इस बात के लिए फख्र होना चाहिए। किसी भी राज्य को चलाने के लिए वहां की पुलिस वहां का लॉ एंड आर्डर मजबूत होना बहुत जरुरी है। लेकिन फिर भी हमारे मुख्य मंत्री जी ने सदन मे यह आ वासन दिया है कि ये पुलिस को और गिअर अप करेंगे और विजिलैंस को बढाएगे ताकि हमारे प्रदे ा के लोग भाांति और अमन के साथ अपना गुजर कर सके। अध्यक्ष महोदय, रेवेन्यु के बारे में चर्चा आई। मालिया तो वैसे ही बन्द किया हुआ है किसी भी किसान से मालिया नही देने के लिए सरकार द्वारा तहसीले बनाई जा रही है। सब–तहसीले बनाई जा रही है और ब्लाकस बनाए जा रहे है लेकिन मुलाना को सब–तहसील बनाना अभी बाकी है। मुलाना एक सब–माउंटेनियस ऐरिया है इसलिए मुलाना को सब–तहसील जरुर बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, चौधरी पीर चन्द जी ने एक बात कही कि हरिजनो के लिए परमो ान में रिजर्वे ान होनी चाहिए। मै उनके प्वाइंट को रैक्टीफाई करना चाहूंगा ओर यह कहना चाहूंगा कि केन्द्र में और

पंजाब में रिक्रॅटमैंट के टाईम पर भी रिजर्वे ान है और परमो ान में भी रिजर्वे ान है इसलिए हरियाणा के अन्दर भी हरिजनो के लिए ऐस करना आव यक है। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि जो विकलांग है उनको भी एक बार रिजर्वे ान का मौका अव य दिया जाना चाहिए। चाहे रिक्रुटमैंट के टाईम पर उनको रिजर्वे ान का मौका दे और चाहे परमो ान के टाईम पर उनको रिजर्वे ान का मौका दें। जिस विकलांग ने रिक्रुटमैंट के टाईम पर रिजर्वे ान का लाभ नही उठाया उसको परमो ान के टाईम पर रिजर्वे ान का लाभ दिया जाना चाहिए और जिसको डायरेक्ट रिक्रूटमैंट के टाईम पर रिजर्वे ान का लाभ मिल गया उसको परमो ान मे रिजर्वे ान का लाभ नही देना चाहिए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै सडको के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। इसमें कोई दो राय नही है कि हमारे प्रान्त की सडको की मुरम्मत हो रही है।

साथी लहरी सिंहः मुलाना साहब, आप हरिजनो के बैकलाग के बारे में भी कह दें।

चौधरी फूल चन्दमुलानाः बैकलाग को खत्म करने में समय लगता है। मुख्य मंत्री जी ने बैकलाग खत्म करने के लिए बहुत ही बढिया कदम उठाया है। खास तौर से पुलिस की भर्ती में इनहोने इस तरफ बहुत ध्यान दिया है। आजकल जो नौकरियां निकलती है उनमें बैकलाग पूरा करने के लिए मैक्सीमम रिजर्वे ान का ध्यान रखा जा रहा है। मै मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना

चाहूंगा कि जो बैकलाग है उसको तुरन्त पुरा कर दिया जाए ताकि हरिजनो को कोई गिला न रहे।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने ऐलान किया हैकि हर स्कूल को और मदिर को पक्की सडक से जोड दिया जाएगा। यह बडी भारी प्रगति की बात है। प्रगति तभी हो सकती है जब सडके पक्की होगीं। अब सडको का काम मार्किटिंग बोर्ड के जरिए भी कराया जा रहा है, यह अच्छी बात है।

अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। अब की बार जब बच्चो ने पेपर दिए तो उन्होने पेपरो पर अपने रोल नं0 लिख दिए लेकिन जो कोड नं. एजुके ान बोर्ड द्वारा दिया गया था उसको लिखना भूल गए। मेरी ि ाक्षा मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि इस तरफ ध्यान दिया जाये ताकि बच्चे फेल न हो जायें। इस बारे में मै एक बात यह कहना चाहता हूं कि आज के दिन नकल बहुत अधिक हो रही है। अगर पेपरो में इसी प्रकार नकले होती रही तो हरियाणा का भविश्य अंधकारमयहो जायेगा। इसलिए नकल को रोकने के लिए सख्ती के साथ कदम उठाये जाये। इसके अलावा जिन स्कूलो में स्टाफ पूरा नही है वहां पर स्टाफ पूरा किया जाये और जिन स्कूलो के भवन ठीक हालत में नही है उनकी तरफ भी ध्यान दिया जाये। काफी पैसा स्कूलो की बिल्डिंग का पी0 डब्ल्यू0 डी0 के पास पडा हुआ है इसलिए उस पैसे का जल्दी से जल्दी इस काम मे ंयूज़ करना चाहिए। इस

काम के लिए सर्वे सारे हरियाणा के स्कूो की बिल्डिंगो का करवाया जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मै पी0 एच0 सी0 और डिस्पेंसरियो के बारे में बोलना चाहता हू। इन की बुरी हालत है। इनमें न तो पूरा स्टाफ है और न ही मैडीसन पे ेंटस को मिल पाती है।

अध्यक्ष महोदय, एक बात जो बहुत जरुरी है वह मै कहना चाहता हू। ने ानल हाई वे फोर लेन का बनना अधूरा पडा हुआ है इसको जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मै इरीगे ान के बारे में बताना चाहता हूं। मेरे इन अपोजी ान के भाईयो ने एक संघर्श समिति का गठन किया था। मै पूछना चाहता हूं कि अब उनकी वह संघर्श समिति कहां चली गई। इन्होने अपने चार साल के अर्से में नही की खुदाई के लिए कोई काम नही किया। अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 कैनाल का बनना परम आव यक है। जिस तरह से इस कैनाल का बनना परम आव यक है उसी प्रकार से दादूपूर नलवी कैनाल का बनना भी आव यक है। इससे यमुना नगर जिला और अम्बाला जिले को काफी फायदा हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने आ वासन दिया है कि इसको हम जल्दी से पूरा करेंगे। मारकंडा वैराज का पूरा होना भी परम आव यक है ताकि उस इलाके के लोगो को पानी मिल सके। इसी प्रकार से हथनी कुंड बैराज का बनना आव यक है। ताकि

सढौरा और मुलाना के क्षेत्र को पानी की सुविधा मिल सके। मैने इस बारे में एक मूल प्र न किया था।

अध्यक्ष महोदय, अब मै इंडस्ट्रीज के बारे में बताना चाहता हू। काला आम मे हिमाचल प्रदे ा की बहुत सारी फैक्ट्रीज लगी हुई है। उनका गन्दा पानी मारकंडा नदी मे गिरता है। इस पानी को पीने से उस इलाके के प ाु मर जाते है मेरी सरकार से गुजारि ा है कि उस गन्दे पानी को इस नाले में गिरने से रोका जाये ताकि वहां के प ाु इस पानी को पीने से न मरे। अध्यक्ष महोदय, हमारे पहाडी बैल्ट के कई एरियाज मे प ाुओ के लिए पीने के पानी का कोई प्रबन्ध नही है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर भी सरकार ध्यान दे।

अध्यक्ष महोदय, हिसार ऐग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में एक ऐस्ट्रो टर्फ मैदान बनना था लेकिन वह नही बना जबकि उस पर इनकी पिछली सरकार के समय में काफी पैसा खर्च हुआ है। मेरी सरकार से मांग है कि उस पैसे की जांच होना चाहिए और वह मैदान जल्दी से जल्दी बनना चाहिए।

खेल राज्य मंत्री (श्री राजे ा कुमार भार्मा): अध्यक्ष महोदय, इस ऐस्ट्रो टर्फ मैदान मे काफी घपला है क्योंकि यह मैदान इनके समय में बनना था। इसक अभी जांच चल रही है। जब जांच पुरी हो जायेगी तब मै इनके कारनामो के बारे में हाउस को बताउंगा।

चौधरी फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मुलाना एरिया को इण्डस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोशित किया गया था लेकिन स्पीकर साहब, मै सदन को बताना चाहूंगा कि हमारे रीजन में अर्बन डिवैल्पमैंट अथोर्टी ने रिस्ट्रिक ान लगा दी है कि हाईवे पर कोई इंडस्टरी नही लग सकती और ि ाडयूल्ड रोड्ज के लिए ऐरिया ऐक्वार करने के लिए नोटिस दे दिये है। अध्यक्ष महोदय, जब आप चण्डीगढ से अम्बाला जाएं तो सडक के दोनो और इंडस्टरीज लगी हुई है। मै चाहूंगा कि सरकार इस ओर ध्यान दे ताकि अम्बाला जैसे पिछडे हुए क्षेत्र में इंण्डस्ट्री का विकास हो और लोगो को रोजगार के साधन मिले। इस इलाके में बहुत ज्यादा बेरोजगारी है।

Mr. Speaker: Phool Chand Ji, your time is over.

चौधरी फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, पैं ान के बारे में एक बात कह कर मै अपनी बात को समाप्त करता हू। गरीबो और विधवाओ को पैं ान दे कर हरियाणा सरकार ने बहुत ही अच्छा कदम उठाया है। इस बारे मे मै मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह कदम बहुत ही अच्छा है लेकिन भ्रुरु में कुछ केसिज गलत तरीके से रिजैक्ट हो गए ह। जब हम लोग गावो में जाते है तो कही विधवाएं खडी है और कही बुढे खडे है। मै सरकार से निवेदन करुंगा कि दोबारा से इसका सर्वे करवाया जाए और जो गरीब लोग पैं ान से वंचित रह गए है उनको पैं ान देने की कृपा की जाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए

समय दिया, इसके लिए धन्यवाद। अभी बातें तो और भी बहुत सी कहने वाली है लेकिन आप टाईम नही दे रहे है। ट्रांसपोर्ट की बात है। बसो की बहुत कमी है क्योंकि बहुत सी बसे जला दी गई थी।

Mr. Speaker: Phool Chand Ji, your time is over. please take your seat.

अजमत खां जी आपको 5 मिनट का समय दिया जाता है। आप अपनी स्पीच में कोई ऐसी बात न कहे जिससे चेन रिएक ान हो।

चौधरी अजमत खा(हथीन): अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 2, 3,5, 7 पर बोलना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री हरि सिंह नलवा: अध्यक्ष महोदय, हाउस में और भी सदस्य है जिन्होने बोलना है। मुझे गवर्नर ऐड्रेस और बजट पर भी बोलने का मौका नही मिला है। जब कि कई सदस्य 2–2 या 3–3बार बोल चुके है। आप बार–बार उन्ही पर नजरेइनायत फरमा रहे है। मेरी अर्ज है कि हम पर भी नजरे–इनायत करके मुझे भी बोलने का मौका दें।

श्री अध्यक्ष: ठीक हैं। आपको भी बोलने का मौका देंगे।

श्री हरि सिंह नलवा: स्पीकर साहब, जहां तक इन डिमांडज का ताल्लुक है, ये सारी डिमांड बहुत ही जैनुअन है और इनमें कोई भी चेंज नही की जा सकती है और न ही किसी को

काट कर किसी दूसरी डिमांड में पैसा दिया जा सकता है। हमारा बजट बहुत अच्छा बना है लेकिन एक बात मै जरुर कहूंगा कि सरकार ने हमारे किसानो के लिए सबसिडी कम रखी है, अब यह पैसा कहा ंस ेआएगा? यह जो हमारी एग्रीकल्चर की बात है इसमें पैसे की कमी है। दवाईयो का यह हाल है कि ये बहुत ही महंगी है जो सबसिडी दवाईयो पर दी जाती है, उसका किसी को पता नही। स्पीकर साहब, मै चाहूंगा कि जो सबसिडी दवाईयो पर दी जाती है वह खाद पर दी जाए क्योंकि दवाईयां तो अव्वल तो बीमारियां ही पैदा करती है दूसरी बात यह है कि इस का फायदा दुकानदारो को होता है किसान को कोई फायदा नही होता। किसी किसान को इससे कोई फायदा होने वाला नही है। एक जो टायर टयूब पर टैक्स में छूट दी है उसका भी किसान को कोई फायदा नही है। खाद पर सबसिडी देने से किसान को ज्यादा फायदा होगा। इस सरकार द्वारा बसो के जो किराए बढाए गए है वे बहुत ज्यादा बढाए गए है। किराया भाायद इसलिए बढाया गया है कि मेरे दोस्त समझते है कि हर चीज की कीमत बढ गई है लेकिन यह भी देखना चाहिए था कि कीमते कितनी बढी है। बेहतर होता अगर 15 प्रति ात की बजाय 10 पति ात किराया बढाते और बाकी का दूसरे साधनो से पूरा करते। अगर ट्रांसपोर्ट को ठीक ढंग से चलाने की कोि ा ा करे तो यह घाटा पूरा हो सकता है। जो इसमें चैक है वह ठीक नही हो रहा है। इसमें बेईमानिया हो रही है। इसलिए जो यह 15 प्रति ात किराया बढाया है यह 10 प्रति ात कर दे और बाकी घाटा चैक से पुरा करे तो ज्यादा

अच्छा होगा। स्पीकर साहब, मै पब्लिक हैल्थ और हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में भी कहना चाहता हू। हथीन तहसील है लेकिन आज तक वहां प्राईमरी हैल्थ सैंटर नही बना। मेरे इलाके में 3 प्राइमरी हैल्थ सैंटर्ज है इनमें से एक पी0 एच0 सी0 70 साल पुरानी बिल्डिंग में है ओर दो पी0 एच0 सी0 की कोई बिल्डिंग नही है। दो पी0 एच0 सीज0 में कोई भी डाक्टर नही है क्योंकि हमारा इलाका पहले ही पिछडा हुआ है। इसलिए हथीन में बस अडडा, 10 जमा दो स्कूल और हास्पील बनवाया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, अब मै पब्लिक हैल्थ के बारे में कहना चाहता हूं। औफि ायल कागजो में तो सारे गावो में पानी कमी ान हो चुका है लेकिन वास्तव में 30 परसैन्ट ही गावों मू पानी नजर आ रहा है। कहीं नल टूटे हुए है, कही पर टूंटी नही है, कहीं बिजली नही पहुंची और कही म ाीने टूटी हुई है। इसलिए बहुत ही जरुरी है कि इनकी ओर भी ध्यान दिया जाए क्योंकि आगे गर्मी का समय भी आ रहा है। इसके साथ साथ जोहडो में पानी भी नही है। मै खासतौर पर सरकार से निवेदन करुंगा कि इसके फौरी आदे ा दिए जांएं क्योंकि प ा इनमे पानी पीते है। जब उनमें पानी ही नही होगा तो उनको हम कहां ले जाएंगे। दूसरे वन विभाग की बात इसमें आई है। मै मुख्य मंत्री जी का ध्यानद स ओर दिलाना चाहता हूं कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने एक स्कीम चलाई है कि अरावली पर्वत को अपने कंट्रोल मे ंलेकर वहां पर वृक्ष लगायेंगे। उस इलाके में मेवात के लोग मजदूरी करते है, लोडिंग एंड अनलोडिंग करते है। वहा ंक ारो में माल तैयार होता है। इस स्कीम से

हरियाणा की इकौनोमी बिगड जाएगी, कितने ही लोगो को वहां पर परे ाानी होगी। कितनी ही लेबर वहां से हटेगी। जितना भी वहां का रेवेन्यु आता है, टैकस आता है या सेल्ज टैक्स आता है वह सब बन्द हो जाएगा। लोग वहां प ु नही पाल सकेंगे। वहां पर बन लगेगे तो लोग लकडी के लिए वन काटेगे तो रोजाना उन पर मुकद्में बनेंगे। ऐसी स्थिती में वहा ंके लोग कहां जाएंगे? पहाड हमारे है और हमारे पहाड होते हुए भी हम अपनी बिल्डिंगे अपने पत्थर से नही बना पाएंगे यह तो सरकार हमारे साथ नाइन्साफी होगी। दूसरे अध्यक्ष महोदय, ऐन्वायरमैंट को ठीक रखने के लिए पोल्यू ान रोकना जरुरीहै और पोल्यू ान को रोकने के लिए इंस्ट्रूमैटस लग सकते है। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, मुझे अभी रोड्ज के बारे में भी बात कहनीहै। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम रोड्ज को मंदिर और मस्जिद तक ले जाएंगे। मेरी राय है ि कवे रोडज स्कूलो तक ले जाए तो बहुत अच्छा होगा क्योंकि कल कोई आदमी जंगल में मकान बना लेगा और वहा ंमस्जिद खडी कर देगा और कहने लगेगा कि मेरे लिए सडक लाओ। तो बेहरतर तो यही होगा कि सडक को हर स्कूल तक ले जाया जाए। लेकिन जो तारीखी मन्दिर है बहुत ही पुराने जमाने के है तो उनको सडको के साथ जोडा जाए तो अच्छा होगा।

अध्यक्ष महोदय, इनमें एक रैवन्यू की बात आई है। हरियाणा मे आज आबादी के हिसाब से सबसे बडा जिला फरीदाबाद है। सबसे बडा डिवीजन है पलवल। अध्यक्ष महोदय, मै

चाहूंगा कि हथीन को सब–डिवीजन बना दिया जाए ताकि वहां के लोगो को सुविधा हो सके। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अमर सिंह जी बीच में इंन्ट्रप्ट न करें।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा का ऐडमिनिस्ट्रे ान सारे हिन्दुस्तान में म ाहुर है। हरियाणा की पीसफूल लाईफ सारे हिन्दुस्तान में म ाहुर है। हरियाणा दे ा में अपना अलग किस्म का नमूना पे ा करता है लेकिन कुछ ऐसे लोग है जिनको यह अच्छा नही लगता है कि इस दे ा में इस प्रदे ा में अमन रहे। उनके बारे में मै बहुत ही अच्दी तरह से जानता हू। वे चाहते है कि हरियाण के अन्दर जितनी भी भाांति है, लोगो को जितना भी एक दूसरे के साथ भाई चारा है वह भाई चारा, वह भाांति न रहे। अध्यक्ष महोदय, मै सन् 1978 मे टीचर था और मुझे उस वक्त से पता है कि ये क्या चाहते है। अध्यक्ष महोदय, आर0 एस0 एस0 वालेा ने 1978 में दिल्ली में एक बैठक में फैसला लिया कि सारे हिन्दुस्तान मे तो झगडे होते है मेवात में क्यो नही होते है। (ोम– ोम)

श्री अध्यक्षः अजमत खां जी आप कोई भी इस ढंग की बात न कहे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी अजमत खांः मैने आपका नाम नही लिया हैं। आप आर0 एस0 एस.0 की औलाद हो सकते है। लेकिन मैने

आपको आर0 एस0 एस0 की औलाद नही कहा। मै यह नही कह सकता कि आप आर0 एस0 एस0 की औलाद है। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह जो बता रहे है वह बिल्कुल गलत बता रहे हैं इनके यहां लोगो का धर्म परिवर्तन हो रहा है। (ाोर)

चौधरी अजमत खां: अध्यक्ष महोदय, जब इनका कही दाव नही चला तो 1980 में इन्होने हथीन में गडबड करवानी चाही। (विघ्न)मै मंदिर में भी जाता हू और मस्जिद में भी जाता हूं। मैने हिन्दुस्तान का कोई मंदिर ऐसा नही छोडा है जहां पर मै न गया हू। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इन्होने एक गरीब हरिजन को आतंकित करके उसका धर्म परिवर्तन करवाया है। (ाोर)

चौधरी अजमत खां: अध्यक्ष महोदय, 1980 मे इन्होने हथीन मैं मस्जिद पर हमला करवाया। यह सब आर0 एस0 एस0 के लोगो ने किया था। इसके अलावा 1978 में इन्होने मेवात के हर गांव में आर0 एस0 एस0 की भााखा लगवाई।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, वहां पर आर एस एस ने कोई भााखा नही लगवाई है।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां जो लोग बसते है वे ऐसे लोग है जो कभी नही लडेंगे। ये चाहे कितना ही जोर लगा ले लेकिन हम यकीन के साथ कह सकते है कि जब तक हमारी सांस में सांस है तब तक हिन्दुस्तान के अंदर हमें कोई ताकत अलग नही कर सकती।

श्री अध्यक्षः अजमत खां, आपका टाईम समाप्त हो गया है।

चौधरी अजमत खांः ठीक है जी धन्यवाद।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए।)

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि कल ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बहस होगी। उस पर हम आपको बोलने के लिए टाईम देंगे। हमने अब तक ज्यादा टाईम अपोजी ान को ही दिया है। कांग्रेस वालो को तो हमने बहुत थोडा टाईम दिया है। (ाोर) कल की और आज की बात नही है। गवर्नर एड्रेस, बजट डिमांडज, सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेटस और एप्रोप्रिऐ ान बिल सब कम्बाईंड ही है। आपकी पार्टी से एक नही कई मैम्बर बोल चुके है। यह आज की बात नही है।(ाोर) आप सब कृप्या बैठिए और ए0 सी0 चौधरी साहब, अब आप अपने महकमे की बाबत जो कहना चाहते है वह कहिये।

वाक आउट

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम केवल दो मिनट बोलना चाहते है। हमारी पार्टी का बहुत कम समय मिला है।

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नही है। फिर कल भी आपको टाईम देंगे। आपकी पार्टी से आज जसविन्दर सिंह बोले है। आप भी बोल लिए है और कई दूसरे सदस्य भी बोले है। (ाोर) सिटिंग इनडैफिनिटली नही चल सकती। आप कृप्या बैठे।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम तो केवल दो मिनट ही बोलना चाहते है और अगर आप हमें बोलने के लिए समय नही देते तो हम अन्डर प्रोटेस्ट सदन से वाक–आउट करते है।

(इस समय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य उठकर सदन में वाक–आउट कर गए)

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, कल चौधरी बंसी लाल जी ने ऐक्साईज एंड टैक्से ान डिपार्टमैंट के बारे में कुछ सरकास्टिक रिमार्कस पे ा किए थे। उन्होने कहा था कि सारे हरियाणा की जनता सेल्ज टैक्स से बहुत दुखी है। तो इसके लिए मै इतना ही कह सकता हूं कि आज की सरकार से हरियाणा का व्यापारी जितना खु ा है उसका कोई जवाब नही हो सकता। जितना इस सरकार ने

व्यापारियो को खु ा करने की कोि ा ा की है, मै उसके बारे मे बता नही सकता। इस बारे में मै एक मिसाल देना चाहता हू कि हिमाचल प्रदे ा के व्यापारी और पंजाब के व्यापारी हमारी सैल्ज टैक्स पालिसी देखकर यह मांग कर रहे है कि हमारे यहां भी हरियाणा की सेल्ज टैक्स पालिसी एडौप्ट की जाए। चौधरी बंसी लाल जी से एक ही बात कहूंगा कि अगर एक भी व्यापारी नाराज हो तो वह पे ा कर दें। हम यह मानते है िकवह ऐसा नही कर पायेंगे। अगर वाकई कोई व्यापारी है तो वह हरियाणा में नाराज नही हो सकता। हमारी सेल्ज टैक्स पालिसी को तो सब ने सराहा है ओर उससे सब को राहत मिली है। (व्यवधान एवं भाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, हमें भी बोलने के लिए टाईम मिलना चाहिये।

श्री अध्यक्ष: राम बिलास जी आप बैठें। मै आपको थोडी देर में बताऊंगा कि किस को कितना टाईम मिला है।

श्री ए0 सी0 चौधरी: स्पीकर साहब, एक बात बंसी लाल जी ने यह कही कि भाराब के टेको की पहले ग्रुप औक ान होती थी अब इंडीविजुअल ओक ान क्यों कर दी गयी है। उस बारे मे मै उनको बताना चाहता हूं कि उनकी यह बात ठीक है कि पहले ग्रुप औक ान होती थी लेकिन उसमे कुछ कमियां थी। मै उनकी सेवा में विनम्र निवेदन करना चाहता हूं कि ग्रुप औक ान सिस्टम को देखते हुए इस सरकार ने यह फैसला किया कि इसकी बजाये

अब एक एक बैड को ओपनली औक ान किया जाये। इससे पहले कुछ वयापारी ही इसका फायदा उठाते थे क्योंकि वह ग्रुप बनाकर वैंडज लेते थे।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अगर हाउ की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिये और बढा दिया जाये।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 15 मिनट के लिये बढाया जाता है।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री ए0 सी0 चौधरीः इसलिए सरकार ने यह सिस्टम ट्रायल के लिये चेंज किया है ताक छोटी पूंजी वाले व्यापारी को भी मौका मिले। इसी नीति के तहत एक एक वेंड का औक ान किया गया है। भाई जसविन्द्र सिंह ने अहाते की बात कही। स्पीकर साहब, उनको यह पता ही नही है कि अहाते बन्द कर दिये गे है। स्पीकर साहब, एक कहावत है कि छाज बोले सो बोल, लेकिन छालनी भी बोले और वह भी भाई औम प्रका ा जिन्दल। जिन्दल जी ने एक बात यह कही कि हिसार में सेल्ज टैक्स वाले पैसे इकट्ठे करते है और ऊपर भेजते है। अगर यह बात होती तो

जिंदल साहब के पास तो पैसे की बहुतायत थी। पैसे की बहुत भाक्ति होती है। आपने जरुर किसी न किसी को खरीदने की कोि ा ा की होगी। आज तक आप कोई ऐसी बात साबित नही कर सके। पंजाबी में एक कहावत है–

रंड रोवे सियापे, मुंडे रोवे आपे आपे।

इनकी तकदीर यही है। इतना ही कहकर मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री अध्यक्षः मै एक बात हाउस को बताना चाहता हूं कि कल तक कांग्रेस के सदस्य 125 मिनट, हरियाणा विकास पार्टी के सदस्य 154 मिनट और जनता दल के सदस्य 7 मिनट बोले है।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। ऐसे बात थी कि कौन कितने टाईम बोला है, यह बात नही है। क्योंकि इससे छोटा से ान तो आज तक हुआ ही नही है इसलिए ज्यादा कांग्रेस वालो को टाईम दे दिया या किसी और को दे दिया यह कोई बात नही है। अपोजी ान वाले हमारे भाई वाक–आउट करके चले गये है। देखिये, टाईम तो मिलना ही चाहियै क्योंकि हम लोगो की ही बात करते है। स्पीकर साहब, आपको हमें टाईम देना चाहिए। आपका कम से कम टाईम तो काफी बढाना चाहिए। इसनी कम सिटिंग कभी भी बजट सै ान में नही हुई। आप सारे हिन्दुस्तान की असैम्बलीज की सिटिंग्जका टाईम मंगवा लीजिए। आप देखेंगे कि इतनी कम सिटिंग्ज कही भी नही होती।

श्री अध्यक्षः सिटिंग्ज तो 8 भी हुई है। आप कृप्या बैठिए।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री औम प्रका ा जिन्दल द्वारा

श्री औम प्रका ा जिन्दलः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सपलेने ान अभी मिनिस्टर साहब ने कहा है कि छाज तो बोले छलनी क्या बोले। लेकिन वे भूल गए कि हरियाणा का हर आदमी जानता है कि ये कैसे काम करते है और लोगो से टैक्स वसूल करते है। इस बात को हरियाणा की जनता खुब अच्छी तरह से जानती है।

श्री अध्यक्षः यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेने ान नही है।

श्री औम प्रका ा जिन्दलः स्पीकर साहब, ये स्टेट को लूट कर खा गए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप कृप्या बैठिए।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, ये कह रहे है कि टैक्स के मामले मे ंलुट कर खा गए। स्पीकर साहब, इससे ज्यादा अच्छा तरीका औक ान का और कोई नही हो सकता। सारी स्टेट

में पूरी तरह से पब्लिसिटी करते है। डेट और टाईम फिक्स किया जाता है। डिस्ट्रिक्ट लैवल पर डी0 सी0, डी0 अ0 टी0 ओ0 और हैडक्वार्टर से दो अफसर एक एक टेके पर मौजूद होते है जिस वक्त बोली लगती है। जो सब से ज्यादा बोली देता है उसी की बोली ऐक्सैप्ट होती है। स्पीकर साहब, इससे ज्यादा अच्छा तरीका और क्या हो सकता है।?

श्री बंसी लालः मंत्री जी यह बता दें कि पिछले साल के मुकाबले इस साल नीलामी कितनी ज्यादा हुई है।

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, मै चौधरी बंसी लाल की नालेज के लिए बता दूं कि हमारी बोलियां आज भी चल रही है। इस वक्त औक ान हो रही है। मै इनको फाइनल फिगर्ज बोली खत्म होने के बाद बता सकता हूं। हमने इस काम के लिए डैमोक्रेटिक और प्रोग्रेसिव व्यू लिया है और अगर हमें घाटा भी होगा तो सरकार सह लेगी। हमने हरियाणा में एक नई चीज की है। अब हरियाणा का आम आदमी भी व्यापार कर सकेगा। यह समाजवाद का तकाजा है।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, इन्होने तो यह तरीका अपनाया है कि इनके अफसर आदमियो को दबाएंगे और अपने दोस्तो को ठेके छुडवाएंगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, पहले भाराब के ठेको की ओपन औक ान होती थी। यह रवायत काफी समयसे चली आ रही

थी और यह प्रिसिडैन्ट था कि हर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर डिप्टी कमि नर की अध्यक्षता में ओपन औक ान होती थी लेकिन अब नैगोसिएं ांज हो रही है। नैगोसिए ांज का मतलब है दाम, साम, दण्ड, भेद की पौलिसी अपना करके जिसको चाहेंगे उसको ठेका दे देंगे।

श्री अध्यक्षः यह तो जस्ट रैपिटी ान है। आप रैपिटी ान न करें।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि बडे डैमोक्रेटिक ढंग से ठेको की नीलामी की जा रही है। स्पीकर साहब, जो ठेका एक करोड में जाता है और जिसको देना चाहते है उसको दे देते है वरना उसी टाईम कह देते है कि एक करोड से ज्यादा बोलने वाले को एक तिहाई उसी समय जमा करना होगा। स्पीकर साहब, ठेका पूरी बोली के साथ होना चाहिए। यह इस बात का सबूत है कि ये लोग अपने आदमी को ठेका देना चाहते है। आप सोच सकते है कि यह कितना डैमोक्रेटिक तरीका है?

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, अगर किसी माननीय सदस्य को किसी चीज का इल्म न हो तो पूछ लेना चाहिए। अगर ये पूछ लेते तो मै इनकी तसल्ली करा देता। स्पीकर साहब, एक तिहाई जमा कराने की कोई बात नही है। पांच परसैन्ट बोली के टाईम लेते है और बोली छूटने पर साढे सतरह परसैन्ट देना होता

है। उसके बाद हम महीने किस्त देनी होती है। इस तरह का सिस्टम है। स्पीकर साहब, अगर हमने देसी भाराब की बोतल की तीस रुपये कीमत फिक्स की है और अगर बोली तीस रुपये से ज्यादा बढ जाती है तो उस बिड को कैन्सिल कर देते है और किसी दूसरे को ठेका नही दिया जाता।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, यह कहां तक ठीकहै कि जिससे चाहो पूरी रकम ले लो और जिसको चाहे छूट दे दो।

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, ऐसा है कि जिले हैड क्वार्टर पर जो औक ान हो रही है उसकी बकायदा तारीख और जगह अखबारो में पब्लि ा की जाती है। वहां पर डी0 सी0 इ0 टी0 ओ0 और हैड क्वार्टर से दो आदमी होते है। एक औफि ियल और एक ओबजरवर के तौर पर होता है। इसके अलावा एक प्रोसीजर ऐडोप्ट किया हुआ है कि दस दिन में अगर कोई ि ाकायत आती है तो उस बिड को कैन्सिल करने का अधिकार है। उस नाते से अगर ये भाई एक पर्टीकुलर औक ान के बारे में या जनरल ि ाकायत करेगे तो मै इनको एक ओपन ऑफर देता हूं कि वे एक केस ले आएं, मै उनकी तसल्ली करवाए बगैर उनको जाने नही दूंगा। लेकिन अगर अपोजी ान के तौर पर गलत ऐलीगे ान लगाएं तो यह कोई अच्छी बात नही है। मै आपको बताता हूं कि औक ान मनी+एक्साईज़ डयूटी मिलाकर अगर 90 रुपए पर–बोतल इंसीडैन्स बढ जाता है तो फिर 50 रुपये में बिकने वाली बोतल को 40 रुपये में बेचा जाएगा तो नैचुरली

इससे मिलावट को तरजीह मिलेगी और हमें उस बिड को कैंसिल करना पडेगा। इसलिए हमने जो कुछ किया है, वह सब पब्लिक के इंटरैस्ट को ध्यान में रख कर ही किया है। धन्यवाद।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, वर्श 1992–93 की बजट की अनुदानो की मांगो पर आज सदन मे ंचर्चा हो रही है। बहुत से हमारे माननीय सदस्यो ने बहस मे हिस्सा लेते हुए सरकार के प्रति कुछ गिले ि ाकवे प्रकट किये है। चर्चा में बोलते हुए माननीय सदस्यो ने कहा कि किसानो को खाद की सबसिडी में, बिजली के उत्पादन में, ि ाक्षा के क्षेत्र में, हरिजनो को सुविधाएं प्रदान करने में और अपने अपने हल्को की सडको के बारे में, स्कूल अप–ग्रेड के बारे में, हस्पतालो के मामले में सरकार ने कोई खास कदम नही उठाए है। लोगो की सहुलियत का सरकार ने ध्यान नही रखा है, इसी तरह का गिला ि ाकवा उन्होने जाहिर किया है। साथ में यह भी कहा गया कि हमारी मांगे अधूरी रह गई है, सरकार का इस तरफ कोई ध्यान नही है।

अध्यक्ष महोदय, हर विधायक का यह फर्ज बनता है कि जिस आ ाा के साथ वे अपने अपने इलाको की मांगो को लेकर के यहां आये है उनको उस सम्बन्ध में अपने विचार यहां हरियाणा विधान सभा सदन मे रखने का पूरा पूरा हक है। वे अपने इलाको की मांगो को पूरे जोर भाोर से यहां सदन के सामने रख सकते है। अध्यक्ष महोदय, आप बहुत पुराने विधायक है और बहुत से उच्च पदो पर भी आसीन रहे है। आप भी जानते है कि हर

सरकार की आर्थिक नीति, आर्थिक स्थिती की अपनी सीमाएं होती है और उन्ही सीमाओ में रहकर ही सरकार को हर योजना के उपर, हर मुद्दे के उपर खर्च करना पडता है। अध्यक्ष महोदय, मैने कल भी कहा था कि कोई भी सरकार टैक्स लगाने की बात सोच नही सकती लेकिन बगैर किसी साधन के लोगो को सुविधाएं जुटाना भी सरकार के लिए मु कल हो जाता है। साधन की कमी के कारण जो बसो का किराया बढाया गया है, उस सम्बन्ध में कल कितनी उत्तेजना माननीय सदस्यो में थी, यह आपने कल देखा ही होगा। हम नही चाहते कि बसो का किराया बढाया जाए। अगर बसो का किराया न बढाया जाता तो न नई बसे खरीद पाते और न ही यात्रियो के लिए बेहतर सुविधाएं ही प्रदान कर पाते। अगर टैकस भी सरकार न बढाती तो आपको पता है कि दूसरे साधन कैसे लोगो को जुटा पाते। सरकार की अपनी सीमाएं है। उन्ही के अन्तर्गत हमें काम चलाना पडता है लेकिन फिर भी मै इस सदन को वि वास दिलाना चाहता हूं कि जितने हमारे साधन है और जितनी सरकार ने साधन जुटाने की कोि ा ा की है और वर्श 1990–91 में जिस हैड के तहत सुविधाएं दी गई थी, उनके मुकाबले में 1991–92 में कही ज्यादा रही। सरकार ने 1992–93 के बजट में किसी भी मुददें पर कम खर्च करने की कोई बात नही की। सभी मुददो में कुछ न कुछ बढौतरी ही की गई है। आगे भी सरकार लोगो की हर सुविधा को पुरा करने का पूरा पूरा प्रयत्न करेगी।

अध्यक्ष महोदय, बहन चन्द्रावती ने जो सुझाव दिया, मै उनके साथ पूरी तरह से सहमत हूं। उन्होने यह बात कही कि बजट का बहुत सारा हिस्सा पूरे साल का जो होता है वह जितना दो महीनो में जल्दी जल्दी में खर्च किया जाता है उतना भाायद 10 महीनो में भी खर्च नही किया जाता है। इस ओर सरकार ध्यान दे। हो सकता है कि इसमें कुछ सच्चाई हो। कुछ पैसे की फिजूल खर्ची भी हो जाती है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सैंस हो तो बैठक का समय दस मिनट और बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय दस मिनट के लिए और बढाया जाता है।

वर्श 1992–93 के बजट अनुमानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बहिन चन्द्रावती का जो सुझाव आया वित्त विभाग ने उस बात पर पहले ही गौर किया है कि किस तरह से फिजूल खर्ची, जो थोडे समय में हो जाती है, उसको बचाया जाए। उसको बचाने के लिए हमने हिदायतें दी है। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा वित्त वर्श के लिए हमने सकुर्लर जारी कर

दिया है कि 15 फरवरी के बाद वित्त विभाग वित्त स्वीकुती नही देगा। यह इसलिए किया गया है ताकि मार्च के महीने में खर्चे का जोर न हो। मै बहिन चन्द्रावती तथा दूसरे माननीय सदस्यो को बताना चाहता हूं कि हमने अगले साल के लिए भी पत्र जारी कर दिया है कि हर विभाग वित्त विभाग की मंजूरी के लिए अपने प्रस्ताव बनाकर 30 अप्रैल तक भेज दे और वित विभाग उस पर अपना निर्णय एक महीने में दे देगा। इससे सारे साल में खर्चा एक जैसा होना सम्भव हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे कुछ साथियो ने हरिजनो की मांगो के बारे मे बडी ि ाकायत थी। अमर सिंह जी कल से बडे नाराज थे। मै उनको वि वास दिलाना चाहता हूं कि हमे भी हरिजनो से आपसे ज्यादा प्यार है। हरिजनो के बारे में जितनी भी उचित मांगे है, हम कोि ा ा करते है कि उनकी सारी तकलीफो को दूर किया जाए। चाहे वह चौपाल की बात हो और चाहे बैक लोग की बात हो। यहां पर वह भी जिक्र आया कि हरिजनो को सरप्लस जमीन अलाट नही हुई और यह कागजो में ही रह गई। तो इन सारे मुददो पर ध्यान दिया जाएगा और हम कोि ा ा करेंगे कि किसी को दोबारा ि ाकायत करने का मौका न मिले।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होने कहा कि हम हरिजनो के लिए बहुत कुछ कर रहे है लेकिन इस बजट के अन्दर, डिमांडज के अन्दर और गवर्नर साहब के ऐड्रेस के अन्दर इस बारे में कुछ नही कहा गया है। मै जानना

चाहता हूं कि इनकी भलाई के लिएइस साल आप कितना रुपया देंगे?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके सामने एक ही बात कही थी कि जो हमारा 1991–92 के बजट में प्रावधान था, इस बजट में हमने हर मुददे में उससे ज्यादा प्रावधान रखा है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः आप यह बात बताएं कि महंगाई के हिसाब से कितने परसैंट इंक्रीज हुई?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने यह पहले ही बता दिया है कि बजट की अपनी सीमा होती है। हर व्यक्ति की मांग के अनुसार कोई प्रावधान नही किया जा सकता। मुझे कोई भी विधायक बताए कि हमने किसान और मजदूर का हिस्सा कम करके दूसरी जगह ज्यादा दिया हो। जितना पेसा हमारे पास था वह हमने ठीक डिस्ट्रीब्यूट किया है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपने व्यापारियो के लिए क्या किया है?

श्री अध्यक्षः राम भजन जी यह क्वै चन आवर नही है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि आपने सेल्ज टैक्स

के बारे में कुछ भी नही बताया है। हाउस के अन्दर हर विशय के बारे में बोला गया है। हमारे मुख्य मंत्री व्यापारी है, वित्त मंत्री खुद व्यापरी है। व्यापारियो के बारे में हाउस के अन्दर एक भी भाब्द नही कहा गया। हमें बोलने के लिए टाईम नही दिया गया यदि हमें बोलने के लिए टाईम दिया जाता तो हम व्यापारियो के बारे में इनको बताते। व्यापारी स्टेट की रीढ की हडडी होता है। वह स्टेट को टैक्स देता है। हम सेल्ज टैक्स के बारे मे बोलना चाहते है इसलिए हमें बोलने के लिए टाईम दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी व्यापारी है, वित्त मंत्री जी व्यापारी है लेकिन इन्होने अपने मुहं से व्यापारियो के बारे में एक भाब्द भी नही कहा, ये बिल्कुल चुप है। इस बजट में व्यापारियो के बारे में किसी प्रकार को कोई प्रावधान नही है। क्या व्यापारी इस स्टेट के अन्दर नही रहते है? सदन के अन्दर हरिजनो के बारे में बोला जाता है और बैक्वर्ड क्लासिज के बारे में बोला जाता है लेकिन व्यापारियो के बारे में इनकी तरफ से एक भाब्द भी नही कहा गया है। मै इनसे पुछता हू कि क्या व्यापारी इस स्टेट के निवासी नही है?

श्री अध्यक्षः राम भजन जी आप तो इमो ानल हो गए। आपको इस बात का पता होना चाहिए कि हाउस में बोलने के लिए सबसे ज्यादा टाईम आपकी पार्टी को मिला है। आपकी पार्टी की प्रोपो र्निट स्ट्रेन्थ के हिसाब से बोलने के लिए ज्यादा टाईम

दिया गया है। राम भजन जी आपको भी बोलने का टाईम मिला है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, हम अपनी तकलीफ तो बताएं। यदि ये हमारी तकलीफ ही नही सुनेंगे तो ये जवाब क्या देंगे? (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः राम भजन जी आप तो इमो ान मे आ गए।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी जवाब दे रहे है। मैने कल एक प्वायंट उठाया था कि जो 68कारपोरे ांज बनाई हुई है उनमें जो लीगल ऐडवाइजर लगाए हुए है उनमें से कितने हरिजन है और कितने बैकवर्ड क्लास के है।

श्री अध्यक्षः अमर सिंह जी, यह क्वै चन आवर नही है। आप कृप्या बैठें।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आपने अभी फरमाया कि हमारी पार्टी को बोलने के लिए टाईम दिया गया। हमारी पार्टी के माननीय सदस्यो को कांग्रेस पार्टी के सदस्य बीच में इन्टरवीन करते रहे है इसलिए हमारी पार्टी के सदस्यो का टाईम तो ये इन्टरवीन करके ही खा गए। स्पीच तो ये करते है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, राम भजन जी ने व्यापारियो के बारे में अपनी बात कही। मै उनको बताना चाहूंगा कि हमने इस बजट में व्यापारियो पर कोई किसी प्रकार का टैक्स

नही लगाया है। हमारी सरकार ने वयापारियो को जितनी आइटम्ज पर टैक्स कम किया है उतना आज तक किसी भी सरकार ने नही किया। मै यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार बनने के बाद हरियाण प्रदे ा के किसी व्यापारी ने, किसी व्यापार यूनियन ने, किसी व्यापार मंडल ने हमारी सरकार के खिलाफ कोई जलसा करके किसी प्रकार की मांग नही की। आज माननीय सदस्य यह मांग करते है। इस तरह की बात करके ये व्यापारियो के नेता बनने की कोि ा ा करते है। माननीय सदस्य ने हमें यह कभी भी लिख कर नही दिया कि हरियाणा के व्यापारियो को यह तकलीफ है इसको दूर किया जाए।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से इनसे व्यापारियो के बारे में एक बात पूछना चाहता हूं।

Mr. Speaker: This is not question hour. Please take your seat.

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै निवेदन करना चाहता हूं कि हम जितने साधन जुटा सके है उनके अनुसार हमने हरियाणा के हर क्षेत्र में हर व्यक्ति को इन्साफ देने की कोि ा ा की है लेकिन उसके बावजूद भी कुछ ि ाकायतें विधायको की तरफ से आ रही है। मै सरकार की तरफ से वि वास दिलाता हूं कि अगली योजना में पूरा ध्यान देकर उन कमियो को पूरा किया जायेगा। एक दो बाते जो विधायक साथी फूलचन्द मुलाना जी ने

कही है कि तहसीलदार पर औडिटर होना चाहिए इस पर सरकार गम्भीरतापूर्वक विचार करेगी और जो भी उचित होगा सरकार उस पर कार्यवाही करने की कोि ा ा करेगी। बजट पर बोलते हुए सदस्यो ने दो दिन पहले भी हिस्सा लिया, आज भी लिया ओर कल भी लेंगे। किसी भी साथी को बजट में कही भी ऐसी कोई बात नजर नही आई जिसमें हमने किसी के साथ कोई ज्यादती की है। इसलिए मेरी हाउस से प्रार्थना है कि इन डिमांडज को जो हाउस में रखी गई है सर्वसम्मति से पास किया जाये। (धन्यवाद)।

Mr. Speaker: Now I shall put the demands for the vote of the House. अगर हाउस की सहमति हो तो सभी डिमांडज को एक साथ पुट कर दिया जाए।

आवाजे: ठीक है जी।

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 1 Vidhan Sabha.*

That a sum not exceeding Rs. 475779000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.2- General Administration.*

That a sum not exceeding Rs. 1390631000 for revenue expenditure and Rs. 45600000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.3 Home*.

That a sum not exceeding Rs. 383275000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.4 Revenue*.

That a sum not exceeding Rs. 115196000 for revenue expenditure and Rs. 1735000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 5 Excise & Taxation*.

That a sum not exceeding Rs. 873604000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 6 Finance*.

That a sum not exceeding Rs. 2227541000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 7 Other Administrative Services*.

That a sum not exceeding Rs. 659924000 for revenue expenditure and Rs. 691294000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.8 Buildings and Roads*.

That a sum not exceeding Rs. 4173416000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 9 Education*.

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 10- Medical and Public Health*.

That a sum not exceeding Rs. 122326000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 11 Urban Development*.

That a sum not exceeding Rs. 246679000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 12 Labour and Employment*.

That a sum not exceeding Rs. 1673668000 for revenue expenditure and Rs. 26607000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 13 Social Welfare and Rehabilitation*.

That a sum not exceeding Rs. 58050000 for revenue expenditure and Rs. 1672611000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the

course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 14 Food and Supplies*.

That a sum not exceeding Rs. 2614243000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 15 Irrigation*.

That a sum not exceeding Rs. 240497000 for revenue expenditure and Rs. 91746000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 16 Industries*.

That a sum not exceeding Rs. 921051000 for revenue expenditure and Rs. 4150000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 17 Agriculture*.

That a sum not exceeding Rs. 304820000 for revenue expenditure and Rs. 13000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 18 Animal Husbandry*.

That a sum not exceeding Rs. 44325000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 19 Fisheries*.

That a sum not exceeding Rs. 523539000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 20 Forest*.

That a sum not exceeding Rs. 671116000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 21 Community Development*.

That a sum not exceeding Rs. 434685000 for revenue expenditure and Rs. 103030000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 22 Co-operation*.

That a sum not exceeding Rs. 1910827000 for revenue expenditure and Rs. 359800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 23 Transport*.

That a sum not exceeding Rs. 2276000 for revenue expenditure and Rs. 15000000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 24 Tourism*.

That a sum not exceeding Rs. 2584072000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 25 Loans and Advances by State Government*.

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 1 Vidhan Sabha*.

That a sum not exceeding Rs. 475779000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.2- General Administration*.

That a sum not exceeding Rs. 1390631000 for revenue expenditure and Rs. 45600000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.3 Home*.

That a sum not exceeding Rs. 383275000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.4 Revenue*.

That a sum not exceeding Rs. 115196000 for revenue expenditure and Rs. 1735000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 5 Excise & Taxation*.

That a sum not exceeding Rs. 873604000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 6 Finance*.

That a sum not exceeding Rs. 2227541000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 7 Other Administrative Services*.

That a sum not exceeding Rs. 659924000 for revenue expenditure and Rs. 691294000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no.8 Buildings and Roads.*

That a sum not exceeding Rs. 4173416000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 9 Education.*

That a sum not exceeding Rs. 18912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 10- Medical and Public Health.*

That a sum not exceeding Rs. 122326000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 11 Urban Development.*

That a sum not exceeding Rs. 246679000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1992-93 in respect of charges under *Demand no. 12 Labour and Employment*.

That a sum not exceeding Rs. 1673668000 for revenue expenditure and Rs. 26607000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 13 Social Welfare and Rehabilitation*.

That a sum not exceeding Rs. 58050000 for revenue expenditure and Rs. 1672611000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 14 Food and Supplies*.

That a sum not exceeding Rs. 2614243000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 15 Irrigation*.

That a sum not exceeding Rs. 240497000 for revenue expenditure and Rs. 91746000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 16 Industries*.

That a sum not exceeding Rs. 921051000 for revenue expenditure and Rs. 4150000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 17 Agriculture*.

That a sum not exceeding Rs. 304820000 for revenue expenditure and Rs. 13000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 18 Animal Husbandry*.

That a sum not exceeding Rs. 44325000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 19 Fisheries*.

That a sum not exceeding Rs. 523539000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 20 Forest*.

That a sum not exceeding Rs. 671116000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 21 Community Development*.

That a sum not exceeding Rs. 434685000 for revenue expenditure and Rs. 103030000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 22 Co-operation*.

That a sum not exceeding Rs. 1910827000 for revenue expenditure and Rs. 359800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 23 Transport*.

That a sum not exceeding Rs. 2276000 for revenue expenditure and Rs. 15000000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 24 Tourism*.

That a sum not exceeding Rs. 2584072000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1992-93 in respect of charges under *Demand no. 25- Loans and Advances by State Government*.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned till 9:00 a.m. tomorrow.

13:55 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 9:00 a.m. on Wednesday, the 25th March, 1992.)